ट्विन बच्चों के आने के बाद दिव्यांका त्रिपाठी के घर पहला गणपति उत्सव, कहा- 'दिमाग 60 नहीं, 160 की स्पीड से चलता है'

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 36
न्यूनतम - 30

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 258 RNI NO.43285/85 | संस्करण- नगर | मुजफ्फरनगर गुरूवार 17 सितम्बर 2026 | भाद्रपद शुक्ल 6 विक्रमी संवत | पृष्ठ 12 | मूल्य 4 रूपया

मुसलमानों में शादी एक कॉन्ट्रैक्ट है, जन्म-जन्म का साथ नहीं

असदुद्दीन ओवैसी के पांच पंच से गोलबंद होंगे एमपी के मुसलमान!

यूसीसी के बहाने एमपी के मुसलमानों को गोलबंद करने में जुटे ओवैसी

भोपाल (एजेंसी)। यूसीसी के खिलाफ एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने भोपाल आकर माहौल बना दिया है। उन्हें सुनने के लिए बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग पहुंचे थे। ओवैसी ने कहा कि यूसीसी का कानून सिर्फ मुस्लिमों को टारगेट करने के लिए बनाया गया है। हिंदू मैरिज एक्ट को गैर हिंदुओं पर थोपा जा रहा है। ओवैसी ने अपनी रैली में कई ऐसी बातें कही हैं, 2028 के लिए बड़ा मैसेज है। उन्होंने पूछा कि हम बीजेपी से पूछना चाहता हैं कि यूसीसी से आदिवासियों को अलग क्यों किया। उनका जवाब होगा कि उनके तौर-तरीके अलग हैं। मैं पूछना चाहता कि क्या मुसलमानों का मजहब अलग नहीं है। जमीरफरोश लोगों ने जालिमों के सामने घुटने टेक दिए हैं। भारत की संविधान में फ्रीडम ऑफ रिलीजन है। एमपी की यूसीसी तमाम फंडामेंटल राइट्स के खिलाफ है।

हम मुसलमान बनकर भारत में जिएंगे

इसके साथ ही ओवैसी ने कहा कि हम भारत में मुसलमान बनकर जिएंगे। बाबा साहेब अंबेडकर की संविधान हमें इजाजत देता है कि हम शरीयत के आधार पर चलें। बीजेपी कोशिश कर रहे हैं कि हमारी शरीयत को खत्म कर दें। मध्य प्रदेश में कई मुस्लिम नेता हैं, लेकिन ओवैसी की तरह बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा को ललकार नहीं पाए।

एमपी के मुसलमानों को गोलबंद करेंगे ओवैसी

यूसीसी के मसले पर कूदकर असदुद्दीन ओवैसी ने एक बड़ा संदेश दिया है। वह इसके जरिए मुस्लिमों को एकजुट करने में जुटे हैं। राजधानी भोपाल में दो मुस्लिम बाहुल सीटें हैं। दोनों पर वर्षों से कांग्रेस का कब्जा है। यूसीसी के मुद्दे पर कांग्रेस ओवैसी की तरह खुलकर सामने नहीं आई है। ऐसे मे मुस्लिम समाज अपना भविष्य देख रहे हैं। कांग्रेस विधायकों को छोड़ दें, पार्टी मुखर होकर मुस्लिमों की बात नहीं रखती है। ओवैसी ने मंच से यह भी कहा कि भाड़ में जाए तुम्हारा यूनिफॉर्म सिविल कोड। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में 2022 के निकाय चुनाव में ओवैसी का खाता खुल चुका है। 2022 में ओवैसी की पार्टी के दो पार्षद जीते थे।

पीएफ के लिए बेसिक सेलरी लिमिट बढ़कर 25 हजार हुई

12 साल बाद बदलाव; इससे कर्मचारियों की सेविंग्स और पेंशन का दायरा बढ़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को ईपीएफ और ईपीएस के लिए अनिवार्य बेसिक सैलरी लिमिट बढ़ाकर 25,000 प्रति महीना कर दी है। अब कंपनियों को 25 हजार रुपए तक की बेसिक सैलरी वाले कर्मचारियों को पीएफ के दायरे में शामिल करना ही होगा।

पहले यह लिमिट 15,000 प्रति महीना थी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कैबिनेट बैठक के बाद बताया कि इससे 51 लाख कर्मचारियों

को पीएफ बचत और पेंशन का सीधा फायदा मिलेगा। पहले 15 हजार रुपए से ज्यादा बेसिक सेलरी वाले कर्मचारियों का पीएफ कटना या न कटना उनकी मर्जी पर डिपेंड करता था।

संक्षिप्त समाचार

बिहार पंचायत चुनाव में ईबीसी आरक्षण की तैयारी

कहार-कुम्हार-धानुक-लोहार-तेली समेत 122 जातियों को फायदा

पटना (एजेंसी)। बिहार में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) के लिए आरक्षण का मानक जल्द तय होगा। पंचायती राज विभाग की विशेषज्ञ टीम की ओर से तैयार मानक संबंधी गाइडलाइन एक माह अंदर अत्यंत पिछड़ा वर्ग आयोग को चला जायेगा। इसी पर आयोग पंचायत चुनाव में ईबीसी को आरक्षण का प्रतिशत तय करने की अनुशंसा करेगा। आरक्षण के लिए त्रिस्तरीय जांच अनिवार्य है। पंचायत चुनाव में एससी-एसटी

और ईबीसी (एनेक्सर-1) के लिए अधिकतम 50त्न ही आरक्षण देना है। पिछले दिनों अत्यंत पिछड़ा वर्ग आयोग ने पंचायती राज विभाग को पत्र लिख कर गाइडलाइन मांगी थी। इसी पत्र के आधार पर ड्राफ्ट तैयार किया गया है। यानी पंचायत चुनाव में ईबीसी आरक्षण का मानक जल्द तय होगा।

एससी-एसटी से बचे हिस्से में ही ओबीसी को आरक्षण- जनगणना के आधार पर कुल आबादी में जितनी आबादी एससी और एसटी की होगी, इन वर्ग को उतना प्रतिशत आरक्षण देना है। इसके बाद ही ईबीसी को आरक्षण दिया जा सकेगा। पिछले पंचायत चुनाव में पिछड़ा वर्ग को 20 फीसदी आरक्षण मिला था। बाकी 30 फीसदी एससी-एसटी को मिला था।

यूपी में पंचायत सहायकों को मिलेंगे 9 हजार रुपए महीना

वापस होंगे सभी मुकदमे, हटाए गए सहायक भी होंगे बहाल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पंचायत सहायकों के लिए बड़ी खबर है। पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा है कि प्रदेश में आंदोलन के दौरान जिन पंचायत सहायकों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए थे, वो सभी वापस लिए जाएंगे। बुधवार को पत्रकारों के साथ बातचीत में राजभर ने कहा कि आंदोलन के दौरान हटाए गए पंचायत सहायकों की बहाली भी की जाएगी। साथ ही पंचायत सहायकों को हर महीने 9 हजार रुपए दिए जाएंगे। ओमप्रकाश राजभर ने कहा, हमारे पंचायत सहायक 24 तारीख से धरने पर बैठे थे

और सोमवार को मैं लखनऊ आया तो कुछ साथियों से बातचीत हुई, इन लोगों की जो मांग थी, वह जायज मांग है। मैंने आज सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात की है। बातचीत के बाद सभी हमारे जितने भी पंचायत सहायक हैं, सभी को 9,000 रुपया महीना देने का ऐलान मुख्यमंत्री से वार्ता के बाद हुआ है। राजभर ने कहा कि हम लोग 8,000 रुपए पर अड़े थे। फिर हमने आश्वासन दिया था कि मुख्यमंत्री से बात करेंगे और अब बात करके आप लोगों को कोशिश करेंगे कि और हो जाए। अब 9 हजार रुपए महीने मिलेंगे। ऐसे पंचायत सहायकों की कुल संख्या 57 हजार से अधिक है। राजभर ने कहा कि हर पंचायत सहायक के परिवार को कैशलेस सुविधा मिलेगी। राजभर ने कहा कि पंचायत सहायक सही थे।

पाकिस्तानी नेवी शिप ने भारतीय युद्धपोत को मारी टक्कर

- अरब सागर में हादसा, दिल्ली में पाक हाई कमिश्नर तलब
- 15 साल पहले भी टकराए थे भारतीय-पाकिस्तानी वॉरशिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी नौसेना का एक जहाज अरब सागर के अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में भारतीय नौसेना के जहाज से टकरा गया। घटना कब की है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। इससे पहले 2011 में भी दोनों देशों के जहाजों में टक्कर हुई थी।

दिशा बदलने के दौरान दोनों की टक्कर हुई

सूत्रों के मुताबिक, भारतीय नौसेना का एक युद्धपोत उत्तर अरब सागर में नियमित निगरानी मिशन पर था। इसी दौरान पाकिस्तानी नौसेना का एक जहाज तेज रफ्तार से भारतीय जहाज के करीब आ गया। पाकिस्तानी जहाज ने जिस तरह अपनी दिशा बदली, उसे असुरक्षित और गैर-पेशेवर बताया गया है। इसके बाद दोनों जहाजों के बीच दूरी लगातार कम होती गई और आखिर में वे आपस में टकरा गए।

2011 में टकराए थे भारतीय-पाकिस्तानी जहाज

भारत और पाकिस्तान की नौसेनाओं के बीच समुद्र में इस तरह की घटना पहले भी हो चुकी है। 2011 में भारतीय नौसेना के आईएनएस दोगावरी और पाकिस्तानी नौसेना के पीएनएस बाबर के बीच भी टक्कर हुई थी। टक्कर को लेकर पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि भारतीय जहाज ने उसके काम में रुकावट डाली और खतरनाक तरीके से जहाज चलाया। भारत ने इस आरोप को गलत बताया। भारत के मुताबिक, पीएनएस, बाबर ने आईएनएस गोदावरी को दाईं तरफ से पार करने की कोशिश की और इसी दौरान उसके हेलीकॉप्टर डेक वाले हिस्से से टकरा गया। इस दौरान हेलीकॉप्टर का जाल क्षतिग्रस्त हुआ था। भारत ने तब भी आर्टिकल 10 का हवाला दिया था।

पंजाब में सचिन पायलट ने तैयार कर दी फेवरेबल पिच

- अब फ्रंटफुट पर खेलेगी कांग्रेस, राहुल गांधी की एंट्री से पहले खेला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्र में मोदी सरकार होने के बाद भी कांग्रेस ने 2017 के विधानसभा चुनावों में पंजाब में अपनी सरकार बनाई थी। राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस एक बार फिर से 2027 इसी को दोहराना चाहती है। राहुल गांधी ने इसके लिए अपने भरोसेमंद सहयोगी सचिन पायलट को पंजाब के मोर्चे पर लगाया था। सचिन पायलट ने पहले पंजाब दौरे में ही चरणजीत सिंह चन्नी और राजा अमरिंदर सिंह वडिंग को एकमंच पर लाकर संकेत दे दिए हैं कि उन्हें कम आंकने की भूल करना भारी पड़ सकता है। पंजाब में अगले साल की

शुरुआत में चुनाव होने हैं। रजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अगर पंजाब में कांग्रेस गुटबाजी छोड़कर मैदान में उतरती है तो उसके लिए उज्जवल संभावन बन सकती है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पंजाब में बस यात्रा पर निकलना चाहते हैं। पहले इसके शुरू होने की तारीफ 15 सितंबर बताई गई थी। अब कहा जा रहा है कि यात्रा 19 सितंबर से शुरू हो सकती है।

पीएम के साथ पढ़े असगर अली को वापस मिली जमीन

- महाराष्ट्र के बीजेपी विधायक नरेंद्र मेहता ने छोड़ा कब्जा
- आठ दिन पहले पीएम मोदी से मिलकर शिकायत की थी

भायंदर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में ठाणे के मीरा रोड में रहने वाले 81 साल के असगर अली वोहरा को जमीन विवाद में राहत मिली है। पीएम मोदी से मुलाकात के 8 दिन बाद भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने उनसे जुड़ी विवादित जमीन का कब्जा छोड़ने और कंस्ट्रक्शन परमिट सरेंडर करने की बात कही है। वोहरा ने 8 सितंबर को पीएम मोदी से मुलाकात कर जमीन विवाद में दखल देने और सीबीआई जांच की मांग की थी। दोनों की मुलाकात की तस्वीरें भी सामने आई थीं। वोहरा का दावा है कि उन्होंने गुजरात के वडनगर स्थित बीएन स्कूल में पीएम मोदी के साथ एक ही क्लास में पढ़ाई की थी। **15 साल से सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहे थे वोहरा-** वोहरा के मुताबिक, जमीन को लेकर वह करीब 15 साल से अलग-अलग सरकारी विभागों के सामने मामला उठा रहे थे। उनका आरोप है कि उनकी जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए।

दुर्गा पूजा में भगवा यूनिफॉर्म में नजर आएंगे सुरक्षाकर्मी

बंगाल में कोलकाता पुलिस ने निकाला 89 लाख का टेंडर

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में इस दुर्गा पूजा के दौरान कोलकाता पुलिस के ग्राउंड लेवल स्टाफ का लुक बिल्कुल बदलने वाला है। दशकों से चले आ रहे सफेद और नीले रंग के लुक को छोड़कर, पुलिस बल कुछ अलग में नजर आएगी। इस साल की दुर्गा पूजा के लिए भीड़ को संभालने वाले 20,000 गैर-पुलिसकर्मियों के लिए भगवा रंग की वर्दी होगी।

इसके लिए सरकार ने 89 लाख रुपये का टेंडर जारी किया है। लालबाजार ने अस्थायी वॉलंटियर्स के लिए 89 लाख रुपये का टेंडर जारी किया है। ये वॉलंटियर तृतीया से दशमी के बीच ट्रैफिक और पैदल चलने वालों को संभालने के लिए तैनात किए जाएंगे और चमकीले फुल-स्लीव टी-शर्ट और उनसे मेल खाती पीक कैप पहनेंगे।

ऐसी होगी भगवा रंग की यूनिफॉर्म

लालबाजार के अधिकारी ने बताया कि दो तरह के केसरिया रंग के कपड़े बनाए जा रहे हैं। कॉलर और पूरी बाजू वाले इन कपड़ों का रंग गहरा केसरिया और हल्का केसरिया होगा।

हल्के और गहरे भगवा रंग के होगी यूनिफॉर्म

भीड़-भाड़ वाले पंडाल के रास्तों और लोगों की भारी भीड़ के बीच अलग दिखने के लिए डिजाइन की गई इस नई वर्दी में 12,000 यूनिट गहरे नारंगी और 8,000 यूनिट हल्के नारंगी रंग की होंगी। तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन के लिए बोली 30 सितंबर को बंद होगी, और इसके लिए 1.8 लाख रुपये की बयाना राशि तय की गई है।

पुलिस अफसर ने बताया क्यों चुना गया भगवा रंग

वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि रंगों का यह चुनाव सिर्फ दिखावे के लिए नहीं है, बल्कि यह एक सोची-समझी ऑपरेशनल रणनीति है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हफ्ते भर चलने वाले त्योहारों के दौरान, मुख्य सड़कें लोगों के समुद्र में बदल जाती हैं, जिससे पुलिस और वॉलंटियर्स की तुरंत पहचान करना मुश्किल हो जाता है। चमकीले नारंगी रंग के कपड़ों से आम नागरिक, खोए हुए बच्चे और वाहन चालक दूर से ही मदद करने वाले कर्मचारियों को पहचान सकते हैं। यह अस्थायी बल- जिसमें एनसीसी कैडेट, स्काउट्स, सिविल डिफेंस वर्कर, छात्र और स्थानीय एनजीओ के सदस्य शामिल हैं, पैदल चलने वालों की आवाजाही को निर्देशित करने के लिए महत्वपूर्ण चौराहों, मेट्रो गेट और भीड़-भाड़ वाले क्रॉसिंग पर तैनात किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि भीड़ के घनत्व और ट्रैफ़िक डायवर्जन के बारे में रियल-टाइम अपडेट एफएम रेडियो प्रसारण के साथ सिंक किए जाएंगे ताकि त्योहार मनाने वालों को जानकारी मिलती रहे।

पीएम का 76वां जन्मदिन आज, देशभर में कार्यक्रम

उज्जैन में 25 लाख दीप जलेंगे, फरीदाबाद में दिव्यांगों को स्कूटी

गुजरात से वाराणसी तक निकलेगी बाइक यात्रा, तैयारी हो गई पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी का 76वां जन्मदिन 17 सितंबर को है। इस मौके पर भाजपा देशभर में कार्यक्रम आयोजित करेगी। इसे मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने से भी जोड़ा गया है। इसके तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। जन्मदिन पर देश के अलग-अलग हिस्सों में सेवा और जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम होंगे। भाजपा ने लोगों से घरों में 'आशीर्वाद का दिया' जलाने की अपील की है। गुजरात स्थित पीएम के जन्मस्थल वडनगर और वाराणसी से बाइक यात्रा शुरू होगी। फरीदाबाद में भाजपा सांसद दिव्यांगों को इलेक्ट्रिक स्कूटी बांटेंगे। उज्जैन में 25 लाख से ज्यादा दीप जलाने की तैयारी है। मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया समेत 10 प्रमुख जगहों को लाइट्स से जगमग किया जाएगा। इधर पटना में बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीएम के कटआउट की आरती उतारी और दूध चढ़ाया।

बुनकर ने सिल्क से मोदी और उनकी मां की तस्वीर बनाई

वाराणसी के बुनकर सर्वेश कुमार श्रीवास्तव ने सिल्क के धागों से पीएम मोदी की उनकी मां हीराबेन मोदी के साथ तस्वीर बनाई है। इसे पारंपरिक उचंद कला से तैयार किया गया है। इस तस्वीर को बनाने में करीब डेढ़ महीने का समय लगा। यह कलाकृति वाराणसी की बुनकरी और पारंपरिक कला की विरासत को भी दर्शाती है। गुजरात के वडनगर और वाराणसी से एक साथ बाइक यात्राएं शुरू होंगी। वडनगर से निकलने वाली यात्रा वाराणसी पहुंचेगी, जबकि वाराणसी से शुरू होने वाली यात्रा वडनगर आएगी। दोनों यात्राओं का समापन 7 अक्टूबर को होगा। वडनगर से यात्रा को गृह मंत्री अमित शाह हरी झंडी दिखाएंगे।

पश्चिम बंगाल में 50 हजार लाभार्थियों का कार्यक्रम

कोलकाता के बोईमेला ग्राउंड में 17 सितंबर को करीब 50 हजार अन्नपूर्णा योजना लाभार्थियों को जुटाने की तैयारी है। प्रधानमंत्री के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम को संबोधित करने की संभावना है। मुंबई में 10 प्रमुख जगहों को रोशन किया जाएगा। इनमें गेटवे ऑफ इंडिया, आरे कॉलोनी, बांधगंगा, गिरगांव चौपाटी, बांद्रा बैंडस्टैंड और संजय गांधी नेशनल पार्क शामिल हैं। मुंबई भाजपा की ओर से 10 हजार बूथों पर 'आशीर्वाद का दीया' जलाने का कार्यक्रम भी रखा गया है। इसके अलावा 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' के जरिए युवाओं, छात्रों, स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स को अपने आइडिया और प्रोडक्ट दिखाने का मौका दिया जाएगा। इसके विजेताओं को सरकार की ओर से सीड फंडिंग दी जाएगी।

शरीयत के खिलाफ कोई भी कानून स्वीकार नहीं

- यूसीसी पर अमित शाह के बयान पर भड़के अरशद मदनी
- जमीयत अध्यक्ष ने कहा- मुसलमान समझौता नहीं करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के उस कथित बयान पर घमासान छिड़ गया है, जिसमें उन्होंने यह ऐलान किया है कि 2029 से पहले एनडीए शासित सभी 21 राज्यों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कर दिया जाएगा। अब इस पर जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर उन्होंने कहा कि देश संविधान से चलेगा या किसी राजनीतिक दल के वैचारिक एजेंडे से उन्होंने यूसीसी को धार्मिक स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों में हस्तक्षेप करने वाला कदम बताया। **उत्तराखंड हाईकोर्ट पहुंची जमीयत-** अरशद मदनी ने कहा कि जमीयत उलमा-ए-हिंद देश के धर्मनिरपेक्ष संविधान, लोकतंत्र और कानून के शासन को कायम रखना चाहती है। इसी उद्देश्य से संगठन ने समान नागरिक संहिता के खिलाफ उत्तराखंड हाईकोर्ट का रुख किया है।

अनमोल वचन

हे मानव! तुम्हें ब्रह्मांड की सर्वश्रेष्ठ योनि प्रभु कृपा से प्राप्त हुई है। तुम इस सत्य को पहचानो कि तुम शक्ति का एक तूफान हो। तुम ऐसे सागर हो जिसमें सब नदियों का जल आकर मिलता है।

जो अपनी आत्म-शक्ति पर विश्वास रखते हैं, वे स्वावलंबी और निर्भय हो जाते हैं। सुख को भविष्य में मत खोजो, वर्तमान क्षण को ही सुखद बनाने की कला सीख लो क्योंकि भविष्य कभी आता नहीं और जब भी आता है, वर्तमान बनकर आता है।

हिमालय की भाँति दृढ़ रहकर अपने अवरोधों को हटा दो। जैसे विचार बनाओगे, वैसे ही बन जाओगे। आदमी पहले सोचता है फिर उसके अनुसार योजना बनाता है, उसके पश्चात ही कार्य रूप में परिणत करता है।

तुम तो सत्य-संकल्प आत्मा हो, अपनी शक्ति को पहचानो। ईश्वर की समस्त शक्तियाँ तुम्हारे साथ हैं। ऐसा मत सोचिए कि जब सारे साधन मिल जाएँगे तभी आगे बढ़ूँगा। परम लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जब दृढ़ता से आगे बढ़ोगे तो सब साधन तुम्हारे कदमों में आ गिरेंगे।

यूपी के कई जिलों में बढ़ा अपराध, शामली एसपी से बाकी एसएसपी लें सीख और प्रेरणा : नरेंद्र कश्यप

जय सिंह कश्यप हत्याकांड पर मंत्री का सख्त रुख–बोले, निहत्थे बुजुर्ग की सरेआम हत्या चिंता और चुनौती, एसएसपी मुजफ्फरनगर व सीओ फुगाना को तत्काल कार्रवाई के निर्देश

मुजफ्फरनगर। फुगाना थाना क्षेत्र के गांव खरड़ में बुजुर्ग जय सिंह की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या किए जाने की घटना ने इलाके में आक्रोश पैदा कर दिया है। घटना के बाद ग्रामीणों और परिजनों में नाराजगी के बीच मामला अब शासन स्तर तक पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने जय सिंह हत्याकांड को गंभीरता से लेते हुए मुजफ्फरनगर पुलिस अधिकारियों से लगातार संपर्क किया है। मंत्री ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा और सीओ फुगाना से बातचीत कर हत्यारोपियों के खिलाफ तत्काल और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

निहत्थे बुजुर्ग की सरेआम हत्या चिंता और चुनौती

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अपराधियों के हौसले बढ़ने की घटनाएं चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर के खरड़ गांव में जिस प्रकार एक निहत्थे बुजुर्ग जय सिंह कश्यप के साथ सरेआम मारपीट की गई और लाठी-डंडों से पीटकर उनकी हत्या कर दी गई, वह बेहद गंभीर घटना है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना केवल एक परिवार को प्रभावित नहीं करती, बल्कि समाज में सुरक्षा की भावना पर भी असर डालती है। मंत्री ने कहा कि उन्होंने एसएसपी मुजफ्फरनगर और सीओ फुगाना को सख्त लहजे में कहा है कि जय सिंह के हत्यारोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए और जांच में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाए।

बुलडोजर और मुठभेड़ जैसे कदम उठाने की कही बात

नरेंद्र कश्यप ने अपने बयान में पुलिस से आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई और मुठभेड़ जैसे कठोर कदम उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई जरूरी है, ताकि कानून का भय कायम रहे। हालांकि किसी आरोपी के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई या मुठभेड़ जैसी कार्रवाई पुलिस एवं सक्षम प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध साक्ष्यों, जांच और कानून में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही की जा सकती है। मंत्री ने अपने बयान में इन कदमों का उल्लेख सख्त कार्रवाई के संदर्भ में किया।

अपराधी बड़ा नहीं, कानून बड़ा है

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जिससे अपराधियों में कानून का भय और आम जनता में सुरक्षा का विश्वास पैदा हो। उन्होंने कहा कि उनका स्पष्ट संदेश है–अपराधी बड़ा नहीं है, कानून बड़ा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी अपराधी को राजनीतिक, सामाजिक या अन्य किसी प्रभाव के आधार पर राहत नहीं मिलनी चाहिए और जो भी व्यक्ति जांच में दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जानी चाहिए।

शामली एसपी से सीख और प्रेरणा लेने की बात

नरेंद्र कश्यप ने मुजफ्फरनगर और गोंडा के पुलिस अधिकारियों से शामली पुलिस की कार्रवाई से सीख लेने की बात कही। उन्होंने शामली में अंकित बालियान हत्याकांड में हुई पुलिस कार्रवाई का हवाला देते हुए कहा कि शामली पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई का उदाहरण पेश किया है। मंत्री ने कहा कि शामली के एसपी से बाकी एसएसपी को सीख और प्रेरणा लेनी चाहिए, ताकि अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हो और कानून-व्यवस्था को लेकर आम जनता के बीच भरोसा कायम रहे।

गोंडा की घटना का जिक्र कर बोले– दुःखी और परेशान हूं

नरेंद्र कश्यप ने गोंडा में विनोद साहनी की हत्या का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गोंडा की घटना को लेकर वह पहले से ही दुखी और परेशान हैं और इसी बीच मुजफ्फरनगर में जय सिंह कश्यप की हत्या ने उन्हें झकझोर कर रख दिया। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक इस तरह की घटनाएं सामने आना चिंता का विषय है। पुलिस अधिकारियों को अपराध की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

एसएसपी से लगातार संपर्क में मंत्री

मामले को लेकर मंत्री नरेंद्र कश्यप ने मुजफ्फरनगर के एसएसपी संजय कुमार वर्मा से लगातार बातचीत की है। उन्होंने मामले की प्रगति की जानकारी लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी और जांच को लेकर दिशा-निर्देश दिए हैं। मंत्री ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए वह अधिकारियों के संपर्क में हैं और मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कोचिंग जाते समय छात्रा का पीछा कर छेड़छाड़ करने वाले को पांच साल की सजा

रास्ता रोककर मोबाइल नंबर और इंटरनेट मीडिया खाते का पासवर्ड लेने का आरोप, पांच साल तक चली सुनवाई के बाद पोक्सो न्यायालय ने सुनाया फैसला

मुजफ्फरनगर। कोचिंग जाते समय 17 वर्षीय छात्रा का पीछा कर उसे परेशान करने, रास्ता रोककर छेड़छाड़ करने तथा मोबाइल नंबर और इंटरनेट मीडिया खाते का पासवर्ड लेने के मामले में न्यायालय ने दोषी को पांच साल के कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोषी शैजल ठाकुर पर 17,500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। करीब पांच साल तक न्यायालय में विचाराधीन रहे मामले में बुधवार को अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट मनोज कुमार सिद्धू ने फैसला सुनाया।

कक्षा 12 की छात्रा को कोचिंग जाते समय करता था परेशान

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि वर्ष 2021 में नई मंडी थाने में छात्रा के परिजन की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था। शिकायत में बताया गया था कि उनकी 17 वर्षीय बेटी कक्षा 12वीं में पढ़ती थी। छात्रा अपनी कॉलोनी में अकाउंट्स विषय तथा गांधी कॉलोनी में अर्थशास्त्र विषय की कोचिंग लेने जाती थी। आरोप था कि इसी दौरान सैजल उर्फ सुनील कुमार पुत्र पवन ठाकुर निवासी आदर्श कालोनी, थाना नई मण्डी छात्रा का पीछा करता था और उसे लगातार परेशान करता था। छात्रा के आने-जाने के दौरान आरोपी द्वारा फब्तियां कसने और अश्लील हरकतें करने का भी आरोप लगाया गया था।

अभियोजन के अनुसार आरोपी ने छात्रा का रास्ता रोककर उसे परेशान किया और जबरन उसका मोबाइल नंबर तथा इंटरनेट मीडिया खाते का पासवर्ड ले लिया था। छात्रा ने जब आरोपी की हरकतों का विरोध किया तो उसके साथ अभद्रता की गई। आरोप है कि आरोपी ने छात्रा के भाई को जान से मारने की धमकी भी दी थी। मामले में तीन सितंबर 2021 को छात्रा के साथ छेड़छाड़ किए जाने की घटना का विशेष रूप से उल्लेख किया गया था।

परिजन की शिकायत के आधार पर नई मंडी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की थी। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की विवेचना करते हुए उपलब्ध साक्ष्यों और बयानों के आधार पर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की। इसके बाद मामला न्यायालय में पहुंचा, जहां अभियोजन पक्ष की ओर से मामले को साबित करने के लिए संबंधित साक्ष्य और गवाह प्रस्तुत किए गए। करीब पांच वर्षों तक चली न्यायिक प्रक्रिया के बाद न्यायालय ने आरोपी को दोषी माना।

बुधवार को अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट मनोज कुमार सिद्धू की अदालत ने मामले में फैसला सुनाया। न्यायालय ने शैजल ठाकुर को दोषी करार देते हुए पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही उस पर 17,500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। अभियोजन पक्ष की पैरवी सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता दिनेश कुमार शर्मा ने की। न्यायालय के फैसले के बाद करीब पांच वर्ष से चल रहे इस मामले का निस्तारण हो गया।

मुजफ्फरनगर में रातभर चलेगी विशाल मजदूर-किसान महापंचायत, जीआईसी मैदान में जुटेंगे किसान

17 सितंबर शाम चार बजे से शुरू होगी महापंचायत, सुबह पांच बजे होगा समापन; ट्रैक्टरों से पहुंचेंगे किसान

मुजफ्फरनगर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रुड़की रोड स्थित डिवाइन हॉस्पिटल में मंगलवार शाम करीब सात बजे 14 वर्षीय बच्चे के इलाज को लेकर परिजनों ने हंगामा कर दिया। 12 सितंबर से भर्ती बच्चे की किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होने के बाद परिजनों ने चिकित्सकों पर उपचार में लापरवाही बरतने, अधिक रकम लेने और दवाओं की भारी मात्रा देने के आरोप लगाए। मामले की शिकायत मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय तक पहुंचने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम डिवाइन हॉस्पिटल पहुंची और बच्चे के उपचार से जुड़े अभिलेखों की जांच की। जांच में अस्पताल के रिकॉर्ड सही पाए गए और लापरवाही के आरोप प्रमाणित नहीं हुए। परिजनों के मुताबिक बच्चे को हाई ब्लड शुगर की समस्या के चलते 12 सितंबर को डिवाइन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। बच्चे को सीयू-4 के नंबर चार बिस्तर पर उपचार दिया जा रहा था। उपचार के दौरान उसकी किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होने की जानकारी सामने आने पर परिजनों ने चिकित्सकों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

मंगलवार शाम इलाज और दवाओं को लेकर परिजनों ने चिकित्सकों से सवाल-जवाब शुरू कर दिए। परिजनों का आरोप था कि बच्चे को दवाओं की भारी मात्रा दी जा रही है और इलाज के नाम पर उनसे अधिक रकम ली जा रही है। इसी बात को लेकर अस्पताल में हंगामा हो गया। परिजनों के साथ एआईएमआईएम नगर अध्यक्ष खालिद मलिक भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने भी बच्चे के उपचार को लेकर चिकित्सकों से जवाब मांगा और मामले की शिकायत स्वास्थ्य विभाग से किए जाने की बात कही।

शिकायत मिलते ही डिवाइन हॉस्पिटल पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम

हंगामे के बाद परिजनों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में शिकायत की। शिकायत का संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम डिवाइन हॉस्पिटल पहुंची। टीम ने बच्चे के भर्ती होने से लेकर अब तक किए गए उपचार, जांच रिपोर्ट, दवाओं और अन्य चिकित्सकीय अभिलेखों की जांच की। अस्पताल प्रबंधन से भी उपचार से संबंधित दस्तावेज लिए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम के अनुसार बच्चे को हाई ब्लड शुगर की समस्या के चलते भर्ती कराया गया था। उपचार के बाद उसकी शुगर कुछ हद तक नियंत्रित हुई है, लेकिन उसकी किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित हुई है। टीम के मुताबिक गंभीर रूप से बढ़ी हुई शुगर की स्थिति में किडनी सहित शरीर के अन्य महत्वपूर्ण अंग भी प्रभावित हो सकते हैं। जांच में किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होने की बात सामने आई, लेकिन इसे चिकित्सकीय लापरवाही से जोड़ने वाला कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं मिला।

किसान दिवस में गूंजी किसानों की समस्याएं, बिजली से लेकर गन्ना भुगतान तक उठे मुद्दे

सहकारी समितियों में अनियमितता, चीनी मिलों पर लंबित गन्ना भुगतान और नहर-नालों की सफाई का मामला उठा

मुजफ्फरनगर। जिला पंचायत सभागार में बुधवार को किसान दिवस का आयोजन सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल की अध्यक्षता में किया गया। किसान दिवस में जिलेभर से पहुंचे किसानों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। पिछली किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की जानकारी भी किसानों को दी गई। इसके साथ ही वर्तमान समस्याओं को लेकर किसानों से लिखित प्रत्यावेदन प्राप्त किए गए। किसान दिवस में किसानों ने बिजली विभाग, गन्ना विभाग, सहकारिता विभाग, सिंचाई विभाग और खाद्य एवं रसद विभाग से संबंधित कई समस्याएं प्रमुखता से उठाईं। किसानों ने विद्युत विभाग के कर्मचारियों पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाते हुए बिजली संबंधी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। वहीं चीनी मिलों द्वारा गन्ने का भुगतान लंबित रहने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

किसानों ने सहकारी विभाग से संबंधित समस्याएं भी अधिकारियों के सामने रखीं। किसानों का आरोप था कि सहकारी समितियों में प्रबंध कमेटी की सहमति लिए बिना कुछ कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान एक संग्रह अमीन के माध्यम से पूरी वसूली कराए जाने और बिना बोर्ड की मंजूरी के किसानों से वसूली किए जाने का मुद्दा भी उठाया गया। किसानों ने संबंधित मामलों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की। किसान दिवस में ग्रामीण क्षेत्रों की सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं भी सामने आईं। किसानों ने आरोप लगाया कि कुछ राशन डीलरों द्वारा पात्र लोगों को निर्धारित मात्रा में पूरा राशन नहीं दिया जा रहा है। इसके अलावा नहरों, नालों और ग्रामीण सड़कों की नियमित सफाई नहीं होने का मुद्दा भी अधिकारियों के समक्ष रखा गया। किसानों ने कहा कि सफाई व्यवस्था प्रभावित होने से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने जिले में संचालित सभी चीनी मिलों में सॉयल टेस्टिंग लैब स्थापित कराने का सुझाव दिया। इसके अलावा सॉयल टेस्टिंग मोबाइल वैन को दोबारा संचालित कराने पर भी चर्चा हुई। किसानों का कहना था कि मिट्टी की जांच की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से किसान फसल और उर्वरक संबंधी बेहतर निर्णय ले सकेंगे। किसान दिवस में किसानों की भूमि और बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े मुद्दे भी उठाए गए। एक लाख रुपये तक की राशि के लिए जमीन को बंधक नहीं किए जाने के विषय पर चर्चा की गई।

वहीं किसानों की सुविधा के लिए एलडीएम, मुजफ्फरनगर से पांच किलोमीटर के दायरे में बैंक शाखाएं खोले जाने के संबंध में भी सुझाव रखा गया। अधिकारियों ने किसानों द्वारा दिए गए विभिन्न प्रत्यावेदनों को दर्ज किया। विभागीय योजनाओं की दी गई जानकारी किसान दिवस में विभिन्न विभागों से पहुंचे अधिकारियों ने किसानों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी भी दी। किसानों ने अधिकारियों से योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया और विभागीय स्तर पर उपलब्ध सुविधाओं को लेकर जानकारी प्राप्त की। इस दौरान किसानों ने अपनी समस्याओं के साथ-साथ सुझाव भी अधिकारियों के सामने रखे।

खतौली में तहसील स्तरीय अंडर-14 क्रिकेट में युवाओं ने दिखाया दम: जिला स्तर के लिए 7 खिलाड़ी चयनित

सीता शरण इंटर कॉलेज में तहसील स्तरीय अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न

खतौली। सीता शरण इंटर कॉलेज, खतौली के मैदान पर बुधवार को तहसील स्तरीय अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ। खतौली तहसील के विभिन्न विद्यालयों से आए खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. कुंवर सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर तथा उन्हें बधाई देते हुए किया। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन और परस्पर सहयोग की भावना को भी सिखाता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। इस प्रतियोगिता में बल्ले व गेंदबाजी के दम पर सात खिलाडियों की किस्मत चमकी, जिनका जनपद स्तर पर चयन हुआ।

मैदान पर रोमांच, हर गेंद पर उत्साह

कालेज के मैदान पर सुबह से ही रौनक रही। विभिन्न विद्यालयों की टीमें रंग-बिरंगी ड्रेस में सज-धजकर पहुंची थीं। मैच शुरू होते ही उत्साह चरम पर था। बल्लेबाजों ने चौके-छक्कों की बरसात की, तो गेंदबाजों ने भी सटीक गेंदबाजी से विकेट चटकाए। दर्शक भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहे थे। प्रत्येक मैच में रोमांच और संघर्ष देखने को मिला। सीता शरण इंटर कॉलेज के खेल शिक्षक शुभम पाल ने प्रतियोगिता के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जबकि प्रतियोगिता के सफल संचालन में खतौली तहसील के समस्त शारीरिक शिक्षकों ने अपना पूर्ण सहयोग दिया।

जनपद स्तरीय टीम के लिए 7 खिलाड़ियों का चयन

इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन की बदौलत चयनित खिलाड़ियों को विद्यालय प्रशासन और खेल शिक्षकों ने बधाई दी और जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर जिन छात्रों का चयन आगामी जनपद स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए किया गया है, उनमें अमन स्वामी(सर शादी लाल इंटर कॉलेज, खतौली), शिवांश धीमान(एम.डी.एस. विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मंसूरपुर), अभय (एम.डी.एस. विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मंसूरपुर), अरनव (एमडीएस विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मंसूरपुर) अभिनव तथा आकाश(जनता इंटर कॉलेज, गंगधाडी) और लकी (सीता शरण इंटर कॉलेज, खतौली) शामिल हैं;

शिक्षकों और आयोजकों का सराहनीय योगदान

प्रतियोगिता के सफल संचालन में खतौली तहसील के समस्त शारीरिक शिक्षकों ने अपना पूर्ण सहयोग दिया। कॉलेज के खेल शिक्षक शुभम पाल के अलावा तहसील प्रभारी प्रदीप लाल, विकास मोतला, विक्रांत, श्रीमती पूजा चौधरी, विकास गौरव एवं अंकित का विशेष सहयोग रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. कुंवर सिंह ने सभी शिक्षकों और आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्रों में खेल के प्रति रुचि बढ़ती है और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलता है।

नवीन मंडी व्यापार संघ की नई कार्यकारिणी घोषित, संजय मिश्रा अध्यक्ष, अंचित मित्तल महामंत्री और अशोक बंसल बने कोषाध्यक्ष

मुजफ्फरनगर। नवीन मंडी व्यापार संघ की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। नई कार्यकारिणी में संजय मिश्रा को अध्यक्ष, अंचित मित्तल को महामंत्री तथा अशोक बंसल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यकारिणी के गठन के बाद सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

संघ की कार्यकारिणी में कृष्णचंद्र मुंदड़ा, जितेन्द्र कुच्छल, जगवीर सिंह, रमेश चंद्र सिंघल, सचिन सिंघल, अरुण खंडेलवाल, दिनेश राठी एवं रविन्द्र कुमार को संरक्षक बनाया गया है।

उपाध्यक्ष पद पर मनीष चौधरी, भारत सिंघल, रवि शर्मा एवं नवल प्रकाश अग्रवाल को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं उपमंत्री पद पर रिकंल बंसल, अनुज बंसल, रजत सिंघल एवं अर्पित सिंघल को नियुक्त किया गया है।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में रमेश चंद्र, सुशील मित्तल, अतुल वर्मा, अनुज बंसल, अमुल सिंघल, अरविन सिंह, अरुण गुप्ता, दीपक जैन, ब्रह्मप्रकाश, सुशील कुमार, अनिरुद्ध सिंघल, अमन कुच्छल, कुलवंत सिंह, काकन जी, फतेह सिंह तोमर, अरुण मित्तल, सतेन्द्र मान, रवि कुच्छल, मोहित गुप्ता, नवीन गर्ग, आशीष मलिक, मनोज, आयुष, विशाल, आदित्य जैन, सुखबीर सिंह, विनोद शर्मा, रमन शर्मा, विकास कुमार, राजीव कुमार, प्रवीण कुमार एवं पुरुषोत्तम को शामिल किया गया है।

नवनियुक्त महामंत्री अंचित मित्तल ने कहा कि नवीन मंडी व्यापार संघ व्यापारियों के हितों की रक्षा, संगठन की एकता और मंडी के विकास के लिए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करेगा। व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाकर उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

अध्यक्ष संजय मिश्रा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि व्यापारियों की एकजुटता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। नवीन मंडी व्यापार संघ हर व्यापारी के साथ मजबूती से खड़ा है और किसी भी व्यापारी का अहित नहीं होने दिया जाएगा। व्यापारियों के हितों की रक्षा तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संगठन हर समय तत्पर रहेगा।

उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यापारियों की सेवा, सम्मान और हितों की रक्षा करना है। सभी पदाधिकारी आपसी समन्वय के साथ मंडी एवं व्यापारियों के हित में कार्य करेंगे।

खतौली में 9.860 किलो गांजे के साथ 3 तस्कर दबोचे: एनडीपीएस एक्ट में दर्ज हुआ मुकदमा

वाल्मीकि धर्मशाला के पास मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी

खतौली। नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन सवेरा' अभियान के तहत खतौली कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर छापेमारी करते हुए तीन शातिर गांजा तस्करों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 9.860 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि मौहल्ला देवीदास स्थित वाल्मीकि धर्मशाला के बगल वाले रास्ते पर कुछ संदिग्ध व्यक्ति नशीले पदार्थ के साथ मौजूद हैं और उसे बेचने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही सतर्क हुई पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी की और मौके से तीनों आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सुभाष (48) पुत्र बनवारी लाल, राजा (35) पुत्र श्यामलाल, और अर्जुन (48) पुत्र लच्छीराम के रूप में हुई है। ये तीनों ही आरोपी मौहल्ला देवीदास, खतौली के निवासी बताए गए हैं। पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी क्षेत्र में लंबे समय से अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त थे। खतौली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मु0अ0सं0 306/2026, धारा 8/20 एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद सभी आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

मामले की आगे की विवेचना उपनिरीक्षक लक्ष्यदीप सिंह द्वारा की जा रही है।

खरड़ में बुजुर्ग की मौत के मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार, डंडा बरामद

पड़ोसियों के विवाद के बाद जय सिंह से हुई थी मारपीट, उपचार के दौरान तोड़ा दम; चार नामजदों के खिलाफ मुकदमा, अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस की दबिश जारी

मुजफ्फरनगर। फुगाना थाना क्षेत्र के गांव खरड़ में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद बुजुर्ग की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त डंडा भी बरामद किया है। मामले में चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज है, जबकि फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस के अनुसार 15 सितंबर 2026 को थाना फुगाना क्षेत्र के गांव खरड़ में पड़ोस में रहने वाले दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। विवाद के बाद जय सिंह पुत्र सीरिया के साथ मारपीट की गई थी। गंभीर हालत में उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। बुजुर्ग की मौत की सूचना के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए घटना की जांच शुरू की। पुलिस अधिकारियों ने मौके की स्थिति और घटनाक्रम की जानकारी जुटाने के साथ आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों को सक्रिय किया।

चार नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

घटना के संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना फुगाना में चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 99/2026 दर्ज किया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 3(5), 333, 190 और 192(2) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया। मुकदमा दर्ज होने के बाद नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश देना शुरू किया।

मुख्य नामजद आरोपी मनोज मलिक गिरफ्तार

फुगाना पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मामले के नामजद एवं मुख्य आरोपी मनोज मलिक पुत्र वेदपाल उर्फ पप्पू निवासी खरड़, थाना फुगाना को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उससे संबंधित वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त डंडा भी बरामद किया है। पुलिस बरामद वस्तु को विवेचना में शामिल करते हुए मामले से जुड़े अन्य साक्ष्यों की भी जांच कर रही है।

पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता कर एसएसपी ने दी जानकारी

पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने बताया कि खरड़ गांव में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद बुजुर्ग जय सिंह के साथ मारपीट की गई थी। उपचार के दौरान उनकी मृत्यु के बाद पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित की गईं।एसएसपी ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य नामजद आरोपी मनोज मलिक को गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त डंडा भी बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में नामजद अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार सार्थक प्रयास कर रही हैं और जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस के अनुसार मामले में फरार अन्य नामजद आरोपियों की तलाश लगातार जारी है। पुलिस टीमें उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि विवेचना के दौरान सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बुजुर्ग की मौत के बाद गांव में बने तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पुलिस द्वारा क्षेत्र में सतर्कता भी बरती जा रही है। पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक पुलिस बल की मौजूदगी सुनिश्चित की गई है।

दि गंगा किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, मोरना, (मुजफ्फरनगर)

ई-ऑक्शन सूचना

अति-अल्पकालीन निविदा सूचना

इस मिल समिति में अनुपयोगी कटे-फटे पुराने चीनी एवं चूने के बैग्स, काली पोलीथीन एवं अनुपयोगी प्लास्टिक की कैन की बिक्री हेतु निविदा दिनांक 16.09.2026 से दिनांक 19.09.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। प्रत्येक कार्य के लिए धरोहर राशि रू0 2000.00 होगी। नियम व शर्ते निविदा प्रपत्र पर अंकित है। एक अथवा सभी निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त / स्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

पत्रांक :- 1380 / विक्रय / 2026-27 / प्रधान प्रबन्धक

दिनांक :- 16-9-2026

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार

गुरुवार 17 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

फुगाना के खरड़ में बुजुर्ग जयसिंह हत्याकांड: गांव में आक्रोशित ग्रामीणों ने की महापंचायत, एसपी देहात और एडीएम प्रशासन पहुंचे

आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग, प्रशासनिक अधिकारियों ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव खरड़ बुजुर्ग में जयसिंह कश्यप की निर्मम हत्या के बाद ग्रामीणों और परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। घटना से नाराज परिजनों और कश्यप समाज के लोगों ने गांव में एक विशाल पंचायत का आयोजन किया। पंचायत में तनाव की स्थिति को देखते हुए एसपी (देहात) अक्षय संजय महाडिक और एडीएम (प्रशासन) देश दीपक सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों से वार्ता की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार,थाना फुगाना क्षेत्र के गांव खरड़ में मंगलवार को सिरका बेचने वाले 80 वर्षीय बुजुर्ग जय सिंह की कुछ लोगों ने कथित रूप से बेरहमी से पिटाई कर दी थी। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। इस घटना से गांव में आक्रोश फैल गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने बुधवार को गांव में पंचायत करके अपनी मांगे रखी, जहां तनाव का माहौल बनने की खबर पर एसपी देहात और एडीएम (प्रशासन) और भारी पुलिस भी मौके पर पहुंचा। इस दौरान बुजुर्ग के अंतिम संस्कार को लेकर भी संशय बना रहा, ग्रामीणों ने इस मामले में कार्यवाही करने को लेकर अंतिम संस्कार न करने का भी फरमान सुनाया। इसके विरोध में बुधवार को गांव में पंचायत की गई, जहां मौजूद परिजनों और समाज के प्रबुद्ध लोगों ने प्रशासन के समक्ष अपनी प्रमुख

मांगें रखीं। पंशासनिक व पुलिस अधिकारियों से वार्ता के दौरान ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती और आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की जाती, तब तक वे शांत नहीं बैठेंगे।

पंचायत में रखी गई मुख्य मांगें

आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी: हत्या में शामिल सभी नामजद और अज्ञात आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। इसके अलावा मृतक के पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा (आर्थिक सहायता राशि) प्रदान करने, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने और पीड़ित परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और परिवार को सुरक्षा हेतु शस्त्र लाइसेंस प्रदान कराने की मांग की गई है।।

प्रशासन से मिला कार्रवाई का भरोसा

मौके पर पहुंचे एसपी (देहात) और एडीएम (प्रशासन) ने परिजनों की मांगों को सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और शासन स्तर की मांगों को उच्च अधिकारियों तक भेजा जाएगा।

ककरौली में बेटी पैदा होने पर बर्बरता: विवाहिता को फोन पर तीन तलाक, फिर मारपीट कर घर से निकाला, 14 लोगों पर मुकदमा दर्ज

मुज़फ़्फ़रनगर के अस्पताल में भ्रूण की लिंग जांच कराने का भी आरोप

ककरौली (मुज़फ़्फ़रनगर)। ककरौली गांव में बेटी के जन्म और कथित रूप से भ्रूण की अवैध लिंग जांच को लेकर एक विवाहिता के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया है। पीड़िता के साथ मारपीट कर उसे घर से बेदखल कर दिया गया और पति ने फोन पर ही तीन तलाक दे दिया। पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने पति समेत 10 नामजद और 4 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। वहीं, लिंग जांच करने वाले मुज़फ़्फ़रनगर के एक निजी अस्पताल की भूमिका को लेकर स्वास्थ्य विभाग को कार्रवाई के लिए लिखा गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जानसठ क्षेत्र के ग्राम पिमौड़ा निवासी रईस ने अपनी पुत्री की शादी करीब साढ़े चार साल पहले ककरौली निवासी शाहनवाज के साथ की थी। शादी के बाद जब महिला ने पहली बेटी को जन्म दिया, तभी से ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करने लगे। पीड़ित पिता का आरोप है कि जब उनकी बेटी दोबारा गर्भवती हुई, तो उसकी सास उसे मुज़फ़्फ़रनगर के एक निजी अस्पताल ले गई। वहां अवैध तरीके से भ्रूण की लिंग जांच कराई गई और गर्भ

में लड़की होने की पुष्टि की गई। 25 अगस्त को जब महिला ने दूसरी बेटी को जन्म दिया, तो पति व ससुराल वालों ने चार अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उसके साथ बर्बरता से मारपीट की।

घर से बेदखल कर दिया तीन तलाक

पुलिस में दर्ज मामले के अनुसार तीन दिन पहले आरोपियों ने पीड़िता को पीट-पीटकर घर से निकाल दिया, जिसके बाद उसके पति ने फोन पर ही उसे तीन तलाक दे दिया। थाना प्रभारी दीपक चौधरी ने बताया कि पीड़िता के पिता की तहरीर पर 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। अवैध लिंग जांच के मामले में स्वास्थ्य विभाग को सूचित कर दिया गया है और साक्ष्यों के आधार पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विवाद व प्रताड़ना का कारण

शादी के साढ़े चार साल बाद लगातार दो बेटियां पैदा होने पर विवाहिता को ससुराल पक्ष द्वारा शारीरिक व मानसिक यातनाएं दी गईं। आरोप है कि मुज़फ़्फ़रनगर के एक निजी अस्पताल में अवैध रूप से भ्रूण की लिंग जांच कराई गई। 25 अगस्त को दूसरी बेटी होने पर विवाहिता से मारपीट कर उसे घर से बाहर निकाल दिया गया। आरोपी पति ने पीड़िता को फोन पर तीन तलाक दे दिया। ककरौली पुलिस ने पति शाहनवाज समेत 10 नामजद और 4 अज्ञात (कुल 14 लोगों) के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। भ्रूण की लिंग जांच करने वाले निजी अस्पताल की जांच के लिए पुलिस ने स्वास्थ्य विभाग को सूचित कर दिया है।

मोरना में बाइक ने बुजुर्ग को मारी टक्कर: गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

निरगाजनी झाल के समीप कचरा बीनने के दौरान हुआ हादसा

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गंगनहर कांवड़ पटरी मार्ग पर बुधवार दोपहर एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार बाइक सवार ने सड़क किनारे कचरा बीन रहे 60 वर्षीय बुजुर्ग को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों की तत्परता से मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से उन्हें अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ से उनकी नाजुक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

कचरा बीनने के दौरान बना हादसे का शिकार

भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गाँव रहमतपुर निवासी धर्मपाल सिंह (60 वर्ष), पुत्र सिरदारा, पेशे से कचरा बीनने का काम करते हैं। रोजमर्रा की भाँति बुधवार दोपहर भी वह कचरा बीनने के सिलसिले में गंगनहर कांवड़ पटरी मार्ग पर स्थित निरगाजनी झाल के पास गए हुए थे। वह सड़क किनारे अपना काम कर ही रहे थे कि तभी

सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि धर्मपाल सिंह सड़क पर दूर जा गिरे और उनके सिर व शरीर पर गंभीर चोटें आईं।

राहगीरों ने की घायल बुजुर्ग की मदद

हादसा होते ही कांवड़ पटरी मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत मानवता दिखाते हुए आपातकालीन सेवा 108 एंबुलेंस को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस सेवा मौके पर पहुँची और खून से लथपथ घायल बुजुर्ग को तत्काल भोपा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया।

चिकित्सकों ने जिला अस्पताल किया रेफर

भोपा सीएचसी में तैनात चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि बुजुर्ग के शरीर व अंदरूनी हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई थी, जिसके चलते बेहतर इलाज के लिए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उन्हें तुरंत जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहाँ उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

खतौली में विवाहिता को ससुरालियों ने बंधक बनाया या लापता की: मायके वालों ने जताई अनहोनी की आशंका, 6 लोगों पर शिकायत दर्ज

ससुरालियों पर पीड़िता के पिता के साथ अभद्रता और गाली-गलौज करने का आरोप

खतौली (मुज़फ़्फ़रनगर)। कस्बा के सद्दीक नगर से एक विवाहिता के पिछले कई दिनों से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। बेटी से संपर्क न होने और ससुरालियों द्वारा कोई स्पष्ट जानकारी न देने से मायके पक्ष में गहरा डर और चिंता का माहौल है। पीड़िता के पिता ने कोतवाली खतौली में तहरीर देकर बेटी को बंधक बनाकर रखने या उसके साथ किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए ससुराल पक्ष के छह लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव जसौला निवासी शिकायतकर्ता बाबू ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी पुत्री रेशमा का विवाह करीब 18 वर्ष पूर्व खतौली के सद्दीक नगर निवासी वकील के साथ किया था। बाबू के मुताबिक, पिछले कई दिनों से वे अपनी बेटी से फोन पर बात करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन हर बार संपर्क असफल रहा। बेटी की कोई खबर न मिलने पर जब चिंतित पिता खुद उसकी ससुराल सद्दीक नगर पहुंचे और अपनी बेटी के बारे में पूछताछ की, तो ससुराल पक्ष के लोग भड़क गए। आरोप है कि ससुरालियों ने पीड़िता के पिता के साथ जमकर अभद्रता और गाली-गलौज की तथा उन्हें जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। पुलिस ने शुरू की जांच

पीड़ित पिता ने पुलिस से गुहार लगाते हुए कहा है कि उन्हें आशंका है कि उनकी बेटी को ससुराल में अवैध रूप से बंधक बनाकर रखा गया है या उसके साथ कोई अप्रिय घटना घटित कर दी गई है। खतौली पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की प्राथमिक जांच शुरू कर दी है और विवाहिता की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

खतौली में युवक के पेट में घोंपा चाकू: गंभीर हालत में अस्पताल भेजा, पुलिस में नामजद दी तहरीर

बुढ़ाना रोड पर दाल मिल के पास दिया वारदात को अंजाम, जांच में जुटी कोतवाली पुलिस

खतौली (मुजफ्फरनगर)। बुधवार सुबह बुढ़ाना रोड स्थित दाल मिल के निकट एक युवक को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिए जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और लहूलुहान पड़े युवक को उपचार के लिए तुरंत सरकारी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बड़ा बाजार निवासी असद (पुत्र असलम) बुधवार सुबह किसी काम से बुढ़ाना रोड स्थित दाल मिल के पास गया था। आरोप है कि इसी दौरान वहां मौजूद एक युवक ने अचानक उस पर हमला कर दिया और उसके पेट में चाकू घोंप

दिया। पेट में चाकू लगते ही असद चीखते हुए जमीन पर गिर पड़ा। वारदात के बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू की। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द्र बघेल ने बताया कि पीड़ित युवक के परिजनों की ओर से एक आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर दी गई है। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही स्थिति स्पष्ट कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अस्पतपाल में भर्ती, हालत गंभीर

घटना के बाद पुलिस ने घायल युवक को तुरंत सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।कोतवाली प्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द्र बघेल के अनुसार, पीड़ित के परिजनों ने एक आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

खतौली श्रावणी छड़ियांन मेले में गोगा जाहरवीर जागरण: उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, भजनों पर झूमे भक्त

श्रावणी छड़ियांन मेला हमारी सांझी विरासत की अनमोल सौगात: चेयरमैन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। मेला श्रावणी छड़ियांन के अवसर पर नगर पालिका परिषद के तत्वावधान में आयोजित द्वितीय गोगा जाहरवीर जागरण में श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ा। शाम से ही जागरण स्थल पर भक्तों के पहुँचने का सिलसिला शुरू हो गया था, जो देर रात तक निरंतर जारी रहा। बाबा जाहरवीर गोगा के भजनों और गगनभेदी जयकारों से पूरा खतौली क्षेत्र पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

सांझी विरासत और आपसी भाईचारे का प्रतीक: चेयरमैन

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगर पालिका परिषद के चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू ने कहा कि बाबा गोगा जाहरवीर जी की स्मृति में आयोजित होने वाले मेला श्रावणी छड़ियांन का प्राचीन एवं धार्मिक महत्व है। यह केवल एक

धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांझी विरासत और आपसी भाईचारे की मजबूत परंपरा से जुड़ा हुआ है। उन्होंने इस वर्ष के मेले को और अधिक भव्य व व्यवस्थित रूप में आयोजित करने का संकल्प जताया।

कलाकारों की प्रस्तुतियों ने मंत्रमुग्ध किए भक्त

जागरण के दौरान मोनू पिपलेहड़ा एंड पार्टी ने बाबा जाहरवीर गोगा की महिमा का गुणगान करते हुए एक से बढ़कर एक मनमोहक भजन प्रस्तुत किए। इसके बाद, प्रसिद्ध कलाकार राहुल बालियान ने अपनी शानदार गायकी से उपस्थित श्रद्धालुओं को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों की धुनों पर तालियां बजाते हुए श्रद्धालु देर रात तक झूमते नजर आए। प्रशासन का सहयोग और शांतिपूर्ण आयोजन

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए एसडीएम डॉ. ललित मिश्रा ने सभी से मेला श्रावणी छड़ियांन को सफल बनाने में पूरा सहयोग करने की अपील की। उन्होंने नागरिकों से मेले के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने का आह्वान किया। इस अवसर पर नगर पालिका सभासद संयोजक श्रीमती मनीषा मोतला, कार्यक्रम प्रभारी संदीप अग्रवाल टीसी, कपिल मोतला, कमल वर्मा और अमित त्यागी सहित क्षेत्र के तमाम गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। समापन पर आयोजकों ने सभी का आभार व्यक्त किया।

खतौली में कोर्ट मैरिज से नाराज युवती के परिजनों की दबंगई:घर में तोड़फोड़ व महिला से की मारपीट, चार पर एफआईआर दर्ज

फुलत गांव में अदालती शादी से बिफरे युवती पक्ष के लोगों ने घटना को दिया अंजाम, पुलिस जांच में जुटी

खतौली (मुज़फ़्फ़रनगर)। क्षेत्र के फुलत गांव में एक प्रेमी जोड़े द्वारा किए गए कोर्ट मैरिज (अदालती विवाह) के फैसले से नाराज परिजनों ने खौफनाक कदम उठा लिया। शादी की रंजिश के चलते युवती पक्ष के लोग जबरन महिला के घर में घुसे, महिला के साथ जमकर मारपीट की और घर में रखा सामान तोड़कर तहस-नहस कर दिया। चीख-पुकार सुनकर जब आसपास के ग्रामीण मौके की ओर दौड़े, तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मामला 3 अगस्त का बताया जा रहा है। पुलिस को दी गई शिकायत के

अनुसार, फुलत गांव निवासी पीड़िता नजराना का भतीजा खतौली में रहता है, जो गांव की ही एक युवती को अपने साथ ले गया था। इसके बाद दोनों ने न्यायालय में विवाह हेतु याचिका दाखिल कर कोर्ट मैरिज कर ली थी। जब इस शादी की जानकारी युवती के परिजनों को हुई, तो दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया।

घर में महिला को धमकी भी दी

पीड़िता नजराना का आरोप है कि 3 अगस्त को जब वह घर में अकेली थीं, तब इसी रंजिश के चलते चार लोग लाठी-डंडे लेकर उनके घर में घुस आए। आरोपियों ने महिला को अकेला पाकर उनके साथ बर्बरता से मारपीट की और विरोध करने पर घर के कीमती सामान में तोड़फोड़ की। शोर-शराबा सुनकर पड़ोसियों को आता देख आरोपी अंजाम भुगतने की चेतावनी देते हुए वहां से निकल भागे।

नामदज आरोपियों की तलाश में पुलिस

पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर जैन नगर (खतौली) निवासी शहजाद (पुत्र अब्बू), सोनू (पुत्र यामीन), बबला (पुत्र शहजाद) और बबली के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। रतनपुरी पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुजफ्फरनगर-भोपा मार्ग पर ट्रक की टक्कर से उड़े ई-रिक्शा के परखच्चे: महिला की मौत, 3 मासूमों समेत 6 घायल, हिरासत में ट्रक चालक

देवता पूजन पर जा रहे परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, पुलिस के कब्जे में ट्रक

भोपा (मुजफ्फरनगर)। भोपा-मुजफ्फरनगर मार्ग पर कासमपुर गाँव के पास एक तेज रफ्तार व अनियंत्रित ट्रक ने सामने से आ रही ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार 3 मासूम बच्चों तथा महिलाओं समेत कुल 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पहुँची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुँचाया, जहाँ से दो की हालत गंभीर देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया, जहां गांव कूकडा निवासी कुसुम पत्नी राजेंद्र की इलाज के दौरान मौत हो गई।

देवता पूजन के लिए भुवापुर जा रहा था परिवार

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नई मंडी थाना क्षेत्र के ग्राम कुकड़ा निवासी एक परिवार ई-रिक्शा में सवार होकर

ककरौली थाना क्षेत्र के गाँव भुवापुर में देवता पूजन के लिए जा रहा था। रास्ते में रहकड़ा गाँव की निवासी दीपा पत्नी रोहताश और अपर्णा पुत्री मिंटू भी इसी ई-रिक्शा में सवार हो गईं। जैसे ही ई-रिक्शा कासमपुर गाँव स्थित स्कूल के सामने पहुँची, तभी सामने से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने ई-रिक्शा को अपनी चपेट में ले लिया।

एक महिला कुसुम की मौत, हादसे में घायल हुए 6 लोग

ट्रक की टक्कर लगते ही ई-रिक्शा में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। इस दर्दनाक हादसे में कुसुम पत्नी राजेंद्र की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि कूकड़ा निवासी गुड्डी (30) पत्नी कपिल, सानू (10) पुत्री कपिल, शिवांगी (8) पुत्री कपिल, अक्षित पुत्र कपिल, रहकड़ा निवासीदीपा पत्नी रोहताश और अपर्णा पुत्री मिंटू और ई-रिक्शा चालक रऊफ घायल हो गये।

चालक और महिला जिला अस्पताल रेफर

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुँची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भोपा में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद ई-रिक्शा चालक रऊफ और गुड्डी की चिंताजनक स्थिति को देखते हुए उन्हें तुरंत जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

ट्रक जब्त, चालक हिरासत में

मामले की जानकारी देते हुए उप-निरीक्षक आकाश शर्मा ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुर्घटना में शामिल ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने चालक को हिरासत में ले लिया है और अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ट्रैक्टर वापस लाने को लेकर दो सगे भाइयों में विवाद, गोली चलने से मचा हड़कंप

खेत पर पहुंचे युवक के सिर के पास लगी गोली, घायल की हालत सामान्य, प्रारंभिक जांच में सामने आया जमीन-बंटवारे और ट्रैक्टर के बंटवारे का विवाद

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव खाईखेड़ी में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब खेत से ट्रैक्टर वापस लाने को लेकर दो सगे भाइयों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान एक भाई ने अपने ही सगे भाई पर गोली चला दी। गोली लगने से युवक घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, गांव खाईखेड़ी निवासी धीरज त्यागी सुबह ट्रैक्टर लेकर अपने खेत पर गया था। खेत से ट्रैक्टर वापस लाने को लेकर वह अपने भाई से बातचीत कर रहा था। इसी दौरान दोनों भाइयों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर धीरज के सगे भाई सतीश त्यागी ने उस पर गोली चला दी।

कान के ऊपर लगी गोली, हालत सामान्य

गोली धीरज के कान के ऊपर लगी,

जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल के संबंध में जानकारी जुटाई और घटना की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार घायल की हालत फिलहाल सामान्य बताई जा रही है।

बंटवारे और ट्रैक्टर के हिस्से को लेकर चल रहा था विवाद

प्रारंभिक पुलिस जांच में मामला किसी बाहरी रंजिश से जुड़ा नहीं, बल्कि पारिवारिक विवाद से जुड़ा सामने आया है। पुलिस के मुताबिक दोनों भाइयों के बीच परिवार के बंटवारे तथा ट्रैक्टर के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के दौरान कहासुनी हुई और गोली चलने की बात सामने आई है।

शिकायत के आधार पर पुलिस कर रही कार्रवाई

घटना की सूचना मिलने के बाद पुरकाजी पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। घटनास्थल, विवाद की वजह और गोली चलने की परिस्थितियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

सीओ सदर ने बताया–मामले की जांच जारी

सीओ सदर सुनील कुमार के अनुसार, प्रारंभिक जांच में दोनों भाइयों के बीच पारिवारिक बंटवारे और ट्रैक्टर के बंटवारे को लेकर विवाद सामने आया है। घायल की हालत सामान्य है। पुलिस द्वारा शिकायत के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सामान्य है। पुलिस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

संपादकीय

दागी उम्मीदवारों को टिकट देने की वजह बताने में 51 दल नाकाम, 191 मामलों में जानकारी अधूरी

बड़ा सवाल यह है कि आखिर दागी नेताओं पर पर्दा क्यों रखा जाता है? उम्मीदवार चुनने की वजह बताने से क्यों पार्टियां कतराती हैं? इस साल की शुरुआत में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में दागी पृष्ठभूमि के लोगों को उम्मीदवार बनाने के कारणों को सार्वजनिक करने में सभी दल विफल रहे इस साल की शुरुआत में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में दागी पृष्ठभूमि के लोगों को उम्मीदवार बनाने के कारणों को सार्वजनिक करने में सभी दल विफल रहे। देश की राजनीति को आपराधिक छवि के नेताओं से मुक्त कराने के लिए दावे करने में कोई कमी नहीं होती है। राजनीति के अपराधीकरण या संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों के बढ़ते दखल पर चिंता जाहिर करने के मामले में देश की सभी पार्टियां आगे रहती हैं।मगर जब गंभीर अपराधों के आरोप या मुकदमे झेल रहे लोगों को उम्मीदवार न बनाने का सवाल आता है, तब शायद ही किसी पार्टी को इस तकाजे का खयाल रखना जरूरी लगता है। यह बेवजह नहीं है कि पिछले कई दशकों से चुनावी राजनीति में वैसे लोग भी आम होते गए हैं, जिन पर छोटे-बड़े से लेकर जघन्य अपराधों तक में शामिल रहने का आरोप होता है।हैरानी की बात यह भी है कि जब कोई दागी पृष्ठभूमि का व्यक्ति चुन कर जनप्रतिनिधि बन जाता है, तो उसे टिकट देने वाली पार्टी यह बताना भी जरूरी नहीं समझती कि उसके सामने ऐसी क्या मजबूरी या वजह थी कि जानते-बूझते हुए भी उसने आपराधिक छवि के किसी व्यक्ति को उम्मीदवार बनाने लायक समझा। राजनीतिक दलों के इस रुख पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में दागी पृष्ठभूमि के लोगों को उम्मीदवार बनाने के कारणों को सार्वजनिक करने में सभी दल विफल रहे। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) ने इक्यावन राजनीतिक दलों की ओर से दाखिल किए गए दस्तावेजों के आधार पर तैयार अपनी रिपोर्ट में बताया कि 1,405 उम्मीदवारों में से 191 के बारे में जरूरी जानकारी नहीं दी गई।जबकि नियमों के मुताबिक मतदाताओं को उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठभूमि के बारे में बताने के साथ-साथ यह भी बताना जरूरी है कि किसी राजनीतिक दल ने एक दागी को ही उम्मीदवार क्यों चुना और इसके लिए किसी बेदाग छवि वाले व्यक्ति को क्यों नहीं चुना।जाहिर है, ऐसा करने पर पार्टियों के सामने एक नैतिक बाधा खड़ी हो जाएगी कि उन्हें राजनीति में अपराधीकरण को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। मगर लगभग सभी राजनीतिक दलों का इस तरह का रुख ही क्या इसके लिए जिम्मेदार नहीं है कि आज नागरिकों के सामने ईमानदार और बेदाग जनप्रतिनिधि चुनने के विकल्प सिमटते जा रहे हैं?

भारत की आर्थिक ताकत का लोहा मानने के पीछे देश का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रदैनिक भास्कर र और तकनीकी क्रांति एक बड़ा कारण है। भारत ने ब्रिक्स देशों के सामने अपने सफल इंडिया स्टैक यानी यूपीआई, आधार और डिजीलॉकर जैसे स्वदेशी डिजिटल समाधानों को पेश किया है। आज जब विकसित देश भी डिजिटल भुगतान के महंगे और एकाधिकारवादी मॉडलों पर निर्भर हैं, तब भारत ने एक ऐसा लोकतान्त्रिक और समावेशी वित्तीय ढांचा खड़ा किया है जिसने करोड़ों लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा है। ब्रिक्स सम्मेलन में भारत ने इन तकनीकों को अन्य विकासशील देशों के साथ साझा करने का जो प्रस्ताव रखा है, वह इन देशों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के नए व आकांक्षी ब्रिक्स सदस्यों के लिए भारत का यह मॉडल वित्तीय समावेशन का एक ऐसा ब्लूप्रिंट है, जिसे वे बिना किसी भारी कर्ज के अपने देशों में लागू कर सकते हैं। यही वह बिंदु है जहां भारत दुनिया को केवल पूंजी का नहीं, बल्कि विकास के व्यावहारिक रास्तों का भरोसा दे रहा है।

वैश्विक अनिश्चितता के दौर में आर्थिक संबल बनता भारत- ब्रिक्स में नई दिल्ली की कूटनीतिक धमक

(अशोक भाटिया)

भारत की आर्थिक ताकत का लोहा मानने के पीछे देश का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी क्रांति एक बड़ा कारण है। भारत ने ब्रिक्स देशों के सामने अपने सफल 'इंडिया स्टैक' यानी यूपीआई, आधार और डिजीलॉकर जैसे स्वदेशी डिजिटल समाधानों को पेश किया है।वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय एक ऐसे दोराहे पर खड़ी है जहां अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और मंदी की आशंकाओं ने विकसित देशों की रफ्तार को धीमा कर दिया है। ऐसे संकटपूर्ण वैश्विक परिदृश्य में नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' में आयोजित 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन दुनिया के लिए एक नई उम्मीद बनकर उभरा है। इस सम्मेलन का सबसे बड़ा और स्पष्ट संदेश यह है कि जब पूरी दुनिया युद्धों के साए और आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, तब भारत वैश्विक मंच पर आर्थिक विकास (ग्रोथ) का सबसे मजबूत और भरोसेमंद चेहरा बनकर सामने आया है। ब्रिक्स के मंच पर भारत की इस आर्थिक धमक और कूटनीतिक कौशल ने यह साबित कर दिया है कि नई दिल्ली अब केवल वैश्विक विमर्श का हिस्सा नहीं है, बल्कि वह वैश्विक एजेंडा तय करने वाली महाशक्ति बन चुकी है। 'भारत का डंका' बजने का यह स्वर केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं, बल्कि ठोस आर्थिक आंकड़ों, सुधारों और कूटनीतिक परिपक्वता की बुनियाद पर टिका हुआ है।

इस शिखर सम्मेलन में भारत की केंद्रीय भूमिका को समझने के लिए सबसे पहले उस वैश्विक पृष्ठभूमि को देखना होगा जिसमें इसका आयोजन हो रहा है। एक तरफ जहां यूरोप और अमेरिका जैसे पारंपरिक आर्थिक पावरहाउस उच्च मुद्रास्फीति, कर्ज के संकट और अंदरूनी राजनीतिक अस्थिरता से कमजोर हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व के संकट ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को छिन्न-भिन्न कर दिया है। इस चौतरफा संकट के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाएं लगातार भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था मान रही हैं। जब ब्रिक्स के पुराने और नए सदस्य देश नई दिल्ली में एकत्रित हुए, तो उनके सामने एक ऐसा भारत था जिसने न केवल महामारी और युद्ध के झटकों को सफलतापूर्वक झेला है, बल्कि अपनी विकास दर को 7 प्रतिशत से ऊपर बनाए रखा है। यही कारण है कि इस सम्मेलन में भारत द्वारा दिए गए ग्रोथ के भरोसे को दुनिया ने हाथों-हाथ लिया है। भारत की इस सफलता का सबसे मजबूत स्तंभ उसकी रणनीतिक स्वायत्तता और संतुलित कूटनीति है। ब्रिक्स समूह का इस समय अभूतपूर्व विस्तार हो चुका है, जिसमें अब ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र जैसे देश शामिल हैं। इन देशों के आने से ब्रिक्स की आर्थिक ताकत तो बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही समूह के भीतर भू-राजनीतिक जटिलताएं और आपसी मतभेद भी गहरे हुए हैं। मिसाल के तौर पर, ईरान और खाड़ी देशों के बीच के ऐतिहासिक तनाव या फिर अमेरिका के साथ उनके समीकरणों को संभालना बेहद नाजुक काम है। इसके अलावा, चीन की इस समूह को एक पश्चिम-विरोधी ब्लॉक बनाने की महत्वाकांक्षा भी किसी से छिपी नहीं है। ऐसे जटिल माहौल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ब्रिक्स को पश्चिम-विरोधी बनने से रोककर उसे गैर-पश्चिम मंच के रूप में बनाए रखने में सफलता पाई है। भारत ने स्पष्ट किया है कि ब्रिक्स का उद्देश्य किसी देश या ब्लॉक के खिलाफ मोर्चा खोलना नहीं, बल्कि वैश्विक दक्षिण की आवाज को बुलंद करना और एक न्यायसंगत वैश्विक व्यवस्था का निर्माण करना है।

भारत की आर्थिक ताकत का लोहा मानने के पीछे देश का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी क्रांति एक बड़ा कारण है। भारत ने ब्रिक्स देशों के सामने अपने सफल इंडिया स्टैक यानी यूपीआई, आधार और डिजीलॉकर जैसे स्वदेशी डिजिटल समाधानों को पेश किया है। आज जब विकसित देश भी डिजिटल भुगतान के महंगे और एकाधिकारवादी मॉडलों पर निर्भर हैं, तब भारत ने एक ऐसा लोकतान्त्रिक और समावेशी वित्तीय ढांचा खड़ा किया है जिसने करोड़ों लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा है। ब्रिक्स सम्मेलन में भारत ने इन तकनीकों को अन्य विकासशील देशों के साथ साझा करने का जो प्रस्ताव रखा है, वह इन देशों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के नए व आकांक्षी ब्रिक्स सदस्यों के लिए भारत का यह मॉडल वित्तीय समावेशन का एक ऐसा ब्लूप्रिंट है, जिसे वे बिना किसी भारी कर्ज के अपने देशों में लागू कर सकते हैं। यही वह बिंदु है जहां भारत दुनिया को केवल पूंजी का नहीं, बल्कि विकास के व्यावहारिक रास्तों का भरोसा दे रहा है। इसके साथ ही, विनिर्माण और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की छलांग ने निवेशकों के भीतर एक नया विश्वास पैदा किया है। मेक इन इंडिया और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव जैसी योजनाओं के माध्यम से भारत अब दुनिया का वैकल्पिक विनिर्माण हब बन चुका है। चीन पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश में जुटी वैश्विक कंपनियां भारत को प्लस वन रणनीति के तहत सबसे सुरक्षित और व्यवहार्य ठिकाने के रूप में देख रही हैं। ब्रिक्स देशों के बीच व्यापारिक चर्चाओं में भारत ने खुद को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के एक मजबूत और अटूट लिंक के रूप में स्थापित किया है। चाहे वह सेमीकंडक्टर का क्षेत्र हो, मोबाइल विनिर्माण हो या फिर फार्मास्यूटिकल्स–भारत की क्षमताएं अब वैश्विक स्तर पर प्रमाणित हो चुकी हैं। हरित ऊर्जा के मोर्चे पर भी, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और जैव ईंधन गठबंधन जैसी पहलों के जरिए भारत ने यह दिखाया है कि वह आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी उतना ही गंभीर है।

शिखर सम्मेलन का एक और अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू ब्रिक्स के भीतर डी-डॉलराइजेशन यानी अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की चर्चा है। इस मोर्चे पर भारत की नीति अत्यंत व्यावहारिक और दूरदर्शी रही है। जहां कुछ सदस्य देश पूरी तरह से डॉलर को उखाड़ फेंकने की आक्रामक और जल्दबाजी भरी वकालत कर रहे हैं, वहीं भारत ने रुपी-ट्रेड के अपने सफल प्रयोगों को सामने रखकर एक मध्यम मार्ग दिखाया है। भारत ने रूस, यूएई और कई अन्य देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार की शुरुआत करके यह साबित किया है कि बिना किसी वैश्विक वित्तीय उथल-पुथल के भी अपनी मुद्रा को मजबूत किया जा सकता है। ब्रिक्स के मंच पर भारतीय रुपये की स्वीकार्यता बढ़ाने की इस कोशिश को व्यापक समर्थन मिला है, जो आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारत के प्रभुत्व को और बढ़ाएगा। भारत के इस आर्थिक उभार ने चीन की उस रणनीति को भी तगड़ा झटका दिया है जिसके तहत वह ब्रिक्स को अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव जैसी विस्तारवादी योजनाओं के विस्तार का जरिया बनाना चाहता था। भारत ने हमेशा संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने वाले पारदर्शी बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया है। इस सम्मेलन में भी भारत ने यह सुनिश्चित किया कि ब्रिक्स का एजेंडा किसी एक देश की विस्तारवादी सोच से संचालित न होकर सामूहिक विकास पर केंद्रित रहे। यही कारण है कि वैश्विक दक्षिण के देश अब चीन के कर्ज जाल से डरकर भारत को एक अधिक विश्वसनीय और लोकतांत्रिक भागीदार के रूप में देख रहे हैं। भारत की वसुधैव कुटुंबकम की भावना ब्रिक्स के सिद्धांतों में साफ झलकती है, जो इसे केवल एक आर्थिक मंच से ऊपर उठाकर एक मानवीय और न्यायसंगत संगठन बनाती है। हालांकि, इस सफलता के बीच चुनौतियां कम नहीं हैं। ब्रिक्स के भीतर आंतरिक अंतर्विरोध हमेशा से इसकी सबसे बड़ी कमजोरी रहे हैं। भारत और चीन के बीच का सीमा विवाद, नई दिल्ली और बीजिंग के रणनीतिक संबंधों में पूरी तरह से बर्फ पिघलने की राह में अब भी एक बड़ी रुकावट है। इसके अतिरिक्त, रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों का साया और ईरान की भागीदारी के कारण इस समूह पर पश्चिमी देशों की पैनी और संदेहास्पद नजर बनी हुई है। लेकिन इन सबके बावजूद, भारत ने अपनी कूटनीतिक चतुरता से इन अंतर्विरोधों को अपने विकास एजेंडे पर हावी नहीं होने दिया। नई दिल्ली ने यह स्पष्ट कर दिया है कि द्विपक्षीय मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन बहुपक्षीय मंचों पर आर्थिक सहयोग और वैश्विक विकास की प्राथमिकताओं को रोका नहीं जा सकता। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का समापन भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक विजय के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत ने न केवल एक सफल और निर्बाध सम्मेलन की मेजबानी की है, बल्कि दुनिया को मंदी के दौर से बाहर निकलने का एक नया विजन भी दिया है। भारत की विशाल घरेलू मांग, युवा जनसांख्यिकी, राजनीतिक स्थिरता और निरंतर होते आर्थिक सुधारों ने इसे वैश्विक विकास का एक ऐसा इंजन बना दिया है जिसे कोई भी नजरअंदाज नहीं कर सकता। भारत का डंका बजने का सीधा अर्थ यह है कि अब वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े फैसले नई दिल्ली की सहमति के बिना नहीं लिए जा सकते। भारत ने इस ब्रिक्स सम्मेलन के माध्यम से दुनिया को जो ग्रोथ का भरोसा दिया है, वह आने वाले दशकों में एक विकसित भारत और एक अधिक संतुलित, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का रास्ता साफ !यूएस,यूके, फ्रांस, रुस के बाद चीन भी आ गया साथ

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको यह भी बता दें कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की नई दिल्ली घोषणा में चीन और रूस ने स्पष्ट रूप से भारत और ब्राजील की संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका निभाने की आकांक्षा के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। चीन का यह रुख खास तौर पर महत्वपूर्ण है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी को अब वह बड़ा रणनीतिक समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है, जिस पर लंबे समय से पूरी दुनिया की नजर थी। नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान, संयुक्त राष्ट्र महासचिव अंतोनियो गुतारेस की मौजूदगी में चीन और रूस ने भारत को संयुक्त राष्ट्र, विशेषकर सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराकर भारत के दावे को नई ताकत दे दी है। इससे पहले ब्रिटेन, फ्रांस और अमेरिका भी सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन कर चुके हैं, लेकिन हर बार यह मामला चीन की असहमति पर आकर अटक जाता था। अब पहली बार ऐसा संकेत मिल रहा है कि चीन का रुख भी बदल रहा है। रूस के साथ चीन का समर्थन मिलना केवल भारत की कूटनीतिक जीत नहीं, बल्कि सुरक्षा परिषद की दशकों पुरानी शक्ति-संरचना के सामने एक बेहद महत्वपूर्ण रणनीतिक संदेश भी है।

इस घटनाक्रम को तमाम अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक भारत के लिए बड़ी जीत बता रहे हैं। अमेरिकी अर्थशास्त्री और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जेफ्री सैक्स ने तो यहां तक कहा है कि भारत के अलावा कोई दूसरा देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के छठे स्थायी सदस्य बनने का इतना मजबूत दावा नहीं रखता। सैक्स ने भारत की करीब डेढ़ अरब की आबादी, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, वैश्विक प्रभाव और कूटनीतिक क्षमता को इसकी सबसे बड़ी ताकत बताया। उनका कहना है कि भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, क्रय शक्ति के आधार पर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में लगातार अपनी प्रभावशाली भूमिका साबित कर रहा है।

हम आपको यह भी बता दें कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की नई दिल्ली घोषणा में चीन और रूस ने स्पष्ट रूप से भारत और ब्राजील की संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका निभाने की आकांक्षा के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। चीन का यह रुख खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह लंबे समय से भारत की स्थायी सदस्यता की मांग का खुलकर समर्थन करने से बचता रहा है। सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता रखने वाला चीन यदि भारत के दावे के समर्थन में खड़ा होता है, तो यह भारत के लिए बड़ी राहत की बात है।

उल्लेखनीय है कि सुरक्षा परिषद में फिलहाल पांच स्थायी सदस्य हैं। चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका। इनके पास वीटो पावर है, जिसके जरिये इनमें से कोई भी देश किसी महत्वपूर्ण प्रस्ताव को रोक सकता है। इसके अलावा दस अस्थायी सदस्य होते हैं, जिनका कार्यकाल दो वर्ष का होता है। इसके अलावा, विडंबना देखिए कि 1945 में जिस वैश्विक शक्ति-संतुलन को ध्यान में रखकर यह व्यवस्था बनाई गई थी, वही ढांचा आज भी लगभग उसी रूप में कायम है। जबकि दुनिया की आबादी, अर्थव्यवस्था, शक्ति-संतुलन और राजनीतिक वास्तविकताएं बदल गई, लेकिन सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का ढांचा नहीं बदला।

यही वह बिंदु है जहां संयुक्त राष्ट्र सुधार की जरूरत सबसे ज्यादा दिखाई देती है। जिस संस्था का मूल उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा कायम करना है, वही संस्था जब दुनिया के बड़े हिस्से को निर्णय प्रक्रिया से पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दे पाती, तो उसकी वैधता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की विशाल आबादी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का ढांचा बेहद असंतुलित है। देखा जाये तो दुनिया के संकटों का असर जिन देशों और समाजों पर सबसे ज्यादा पड़ता है, निर्णय लेने की मेज पर उनकी आवाज उतनी ही कमजोर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी असमानता को रेखांकित करते हुए वैश्विक निर्णय व्यवस्था को विशेषाधिकारों की पिरामिड जैसी संरचना बताया है। उन्होंने कहा कि ऊपर बैठे शक्तिशाली देश निर्णय लेते हैं और नीचे मौजूद देशों को उन निर्णयों के परिणाम भुगतने पड़ते हैं। उन्होंने इस विशेषाधिकार की पिरामिड को साझेदारी के मंच में बदलने का आह्वान किया है। उनका यह संदेश केवल ब्रिक्स तक सीमित नहीं है, बल्कि मौजूदा वैश्विक व्यवस्था के सामने एक सीधी चुनौती है। सरकारीएजेंसियां खोजें

प्रधानमंत्री मोदी और संयुक्त राष्ट्र महासचिव अंतोनियो गुतारेस की मुलाकात में भी बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और बहुपक्षीय संस्थाओं, विशेषकर सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया गया। दोनों नेताओं ने संघर्षों, समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता, सतत विकास, मानव-केंद्रित कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवीकरणीय ऊर्जा और वैश्विक खाद्य सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा की। यह अपने आप में संकेत है कि आज की वैश्विक समस्याएं इतनी व्यापक हो चुकी हैं कि उन्हें पुराने शक्ति-संतुलन और सीमित प्रतिनिधित्व वाली संस्थाओं के सहारे नहीं संभाला जा सकता।

भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ोतरी

विश्व की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों द्वारा विभिन्न देशों की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति के आधार पर इन देशों की क्रेडिट रेटिंग निर्धारित की जाती है। इन देशों द्वारा अथवा इन देशों के बैकों द्वारा एवं इन देशों की कम्पनियों द्वारा वैश्विक बाजार से उधार ली जाने वाली राशि पर ब्याज की दर इस क्रेडिट रेटिंग के आधार पर निर्धारित होती है। यदि क्रेडिट रेटिंग उच्च स्तर की रहती है तो उस देश द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजार में ली जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज की दर कम निर्धारित होती है।

(प्रह्लाद सबनानी)

विश्व की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों द्वारा विभिन्न देशों की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति के आधार पर इन देशों की क्रेडिट रेटिंग निर्धारित की जाती है। इन देशों द्वारा अथवा इन देशों के बैकों द्वारा एवं इन देशों की कम्पनियों द्वारा वैश्विक बाजार से उधार ली जाने वाली राशि पर ब्याज की दर इस क्रेडिट रेटिंग के आधार पर निर्धारित होती है।

जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी (जेसीआरए) ने भारत की सार्वभौम (सावरेन) क्रेडिट रेटिंग में सुधार करते हुए इसे बीबीबी प्लस से बढ़ाकर यूए- कर दिया है। भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ोतरी कई कारणों के चलते की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार विकास के पथ पर तेजी से दौड़ रही है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी हुई है। भारत आज पूरे विश्व में समस्त बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है एवं भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करता हुआ दिखाई दे रहा है। दूसरा, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, इस देश में नागरिकों को अपने विचार रखने की आजादी है अतः विश्व के अन्य देश भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। अभी हाल ही में अन्य देशों में निवासरत भारत के मूल नागरिकों ने भारत में 13,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारतीय बैंकों में जमा की है। यह भारत की शक्ति एवं मजबूती को दर्शाता है। तीसरा, भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रम लगातार चल रहे है। हाल ही में, वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कमी की गई थी जिसके चलते भारतीय नागरिकों की जेब में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहुंची है, इससे भारतीय नागरिकों की खर्च करने की क्षमता में वृद्धि हुई है। चौथा, भारत में डिजिटल आधारभूत संरचना को मजबूती प्रदान की गई है। भारतीय यूपीआई की मांग अब विश्व के अन्य देशों द्वारा भी की जा रही है। जनधन योजना के अंतर्गत देश के करोड़ों नागरिकों के बैंक खाते खोले गए हैं, जिन्हें आधार से जोड़ दिया गया है और स्मार्ट मोबाइल आज जैसे जेब में बैंक का कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। डिरेक्ट बेनिफिट ट्रान्स्फर योजना को भी बहुत सरल बना दिया गया है। इससे देश में भ्रष्टाचार में कमी आई है। पांचवां, भारत में हाल ही के समय में वित्तीय क्षेत्र में मजबूती आई है। मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में भारतीय बैंकों में सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियां 1.8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई हैं। यह अपने आप में एक रिकार्ड है। छठा, सरकारी खर्चों के उपयोग में अब सुधार दृष्टिगोचर है और इसकी गुणवत्ता भी सुधरी है। केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्च पिछले 5 वर्षों में तीन गुना हो गए हैं। इससे भारत में रेल, रोड एवं पोर्ट की आधारभूत संरचना विकसित हुई है, जो विदेशी निवेशकों को भी भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित कर रही है। सांतवा, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 68,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं, जो कि भारत के लिए बहुत अच्छा सुरक्षा कवच बन गया है। आंठवां, भारत का वित्तीय घाटा वित्तीय वर्ष 2020-21 में 9.2 प्रतिशत था, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था में उक्त 8 मानकों पर हुए सुधार के चलते जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत के सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी की है।

विश्व की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों द्वारा विभिन्न देशों की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति के आधार पर इन देशों की क्रेडिट रेटिंग निर्धारित की जाती है। इन देशों द्वारा अथवा इन देशों के बैकों द्वारा एवं इन देशों की कम्पनियों द्वारा वैश्विक बाजार से उधार ली जाने वाली राशि पर ब्याज की दर इस क्रेडिट रेटिंग के आधार पर निर्धारित होती है। यदि क्रेडिट रेटिंग उच्च स्तर की रहती है तो उस देश द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजार में ली जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज की दर कम निर्धारित होती है। दूसरे, इससे उस देश में विदेशी निवेश आकर्षित होता है, क्योंकि इन देशों में किया गया विदेशी निवेश सुरक्षित माना जाता है। विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा निम्न प्रकार की क्रेडिट रेटिंग प्रदान की जाती है। एएए- यह प्राइम क्रेडिट रेटिंग मानी जाती है एवं यह देश निवेश की दृष्टि से इन्वेस्टमेंट ग्रेड का है। एए- क्रेडिट रेटिंग भी हाई ग्रेड की मानी जाती है।ए- क्रेडिट रेटिंग अपर मीडीयम ग्रेड की मानी जाती है। बीबीबी - क्रेडिट रेटिंग लोअर मीडीयम ग्रेड को दर्शाती है। बीबी - क्रेडिट रेटिंग नोन-इन्वेस्टमेंट ग्रेड एवं स्पेक्युलेटिव की श्रेणी में गिनी जाती है। बी- क्रेडिट रेटिंग हाइली स्पेक्युलटिव श्रेणी में आती है एवं सी- क्रेडिट रेटिंग अधिकतम रिस्क की श्रेणी में गिनी जाती है। भारत की क्रेडिट रेटिंग बीबीबी+ ग्रेड में मानी जा रही थी जो अब सुधरकर ए-कर दिया गया है।

पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में पिछले कई वर्षों से बदलाव ही नहीं किया है जबकि भारत ने इस दौरान विशेष रूप से आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में अतुलनीय सुधार करते हुए विकास दर को बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। फिच नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को अगस्त 2006 के बाद से परिवर्तित ही नहीं किया है, जो बीबीबी- के स्तर पर लगातार बनी हुई है। इसी प्रकार, स्टैंडर्ड एंड पूअर नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा 18 वर्ष पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को 27 अगस्त 2026 को अपग्रेड करते हुए इसे बीबीबी के स्तर पर ले आया गया है। एक अन्य क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी मूडी ने जून 2020 के पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में कोई परिवर्तन नहीं किया है और भारत को बीएए 3 की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग दी हुई है। उक्त एजेन्सीयां भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को उचित तरीके से नहीं दर्शाती हैं। जबकि, भारत के आर्थिक संकेतक बहुत मजबूत बने हुए हैं।

हाल ही में, विश्व के चार प्रमुख वित्तीय संस्थानों ने भारत के आर्थिक विकास के संदर्भ में विशेष रिपोर्ट जारी की है। जिसमें भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना की गई है। जेफ्रीज नामक वित्तीय संस्थान की रिपोर्ट कहती है कि मोबाइल फोन, स्टील, सीमेंट, सोलर पैनल एवं ट्रक के निर्माण के क्षेत्र में भारत आज दुनिया में दूसरे स्थान पर आ गया है। वर्ष 2014 में स्पेस के क्षेत्र में भारत में केवल एक स्टार्टअप था आज भारत में इस क्षेत्र में 400 से अधिक स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं। चिप निर्माण में 12 प्रोजेक्ट पर भारत में काम हो रहा है एवं 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश इस क्षेत्र में हो रहा है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ऊन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत क्षमता संवर्धन कार्यक्रम संपन्न

ऊन के स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकताओं को दी गई विभागीय योजनाओं की जानकारी

शामलीः बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ऊन में बालिकाओं के समग्र विकास, उनकी सुरक्षा और शिक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत एक क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पूरा कार्यक्रम महिला कल्याण विभाग, शामली के तत्वावधान में आयोजित किया गया था, जिसका मुख्य लक्ष्य महिला एवं बाल विकास से जुड़े फ्रंटलाइन वर्कर्स और अधिकारियों को सशक्त बनाना था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस प्रशिक्षण सत्र में 100 से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। योजनाओं की दी गई जानकारीकार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्रेरित किया गया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं ताकि हर बेटी को सुरक्षित और समान अवसर मिल सकें। महिला कल्याण विभाग से जिला मिशन कोर्डीनेटर सदफ खान ने कार्यक्रम में उपस्थित स्वास्थ्य कार्यकत्रियों को विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में बताया गया कि यदि किसी भी परिवार में माता-पिता या कोई एक न रहे तो ऐसे परिवार के बच्चों के लिए सरकार ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना चलाई है। इस योजना में परिवार के दो बच्चों को

2500 रुपए प्रति माह प्रति बच्चा स्कॉलरशिप के तौर पर दिया जाता है, जिसका आवेदन ऑनलाइन किया जा सकता है।विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और योजनाओं की समीक्षा जेंडर स्पेशलिस्ट श्री कुलदीप शर्मा ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री निराश्रित महिला पेंशन योजना, बाल सेवा योजना सामान्य या कॉविड, स्पॉन्सरशिप योजना और वन स्टाप केंद्र में संचालित सुविधाओं की जानकारी साझा की। इसके साथ ही 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन की जानकारी और विभाग द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे- 1098, 102, 108, 112, 181, 1090 और 1076 की जानकारी भी विस्तृत रूप से दी गई। इस आयोजन में महिला कल्याण विभाग से बाल संरक्षण अधिकारी मंजू चौधरी, हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन से कुलदीप शर्मा (जेन्डर स्पेशलिस्ट), अंकित कुमार (सहायक लेखाकार), शुभम कुमार (एम.टी.एस), ब्लॉक प्रदीप (को-ओर्डिनेटर), मोहन चौधरी, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग से राखी (सुपरवाईजर), उर्मिला (सुपरवाईजर) व आंगनवाडी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

शामली में फॉलोअर्स बढ़ाने का ऐसा जुनून! अंकित बालियान हत्याकांड की फर्जी जिम्मेदारी ली, 28 से 7 हजार हुए फॉलोअर्स; पुलिस ने दबोचा

शामली। हरियाणवी कलाकार अंकित बालियान हत्याकांड की जिम्मेदारी सोशल मीडिया पर लेकर पुलिस को गुमराह करने के आरोप में शामली पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी का वास्तविक हत्याकांड से कोई संबंध नहीं था। उसने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए हत्या की जिम्मेदारी लेने वाला वीडियो पोस्ट किया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी के बारे में यह जानकारी सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार, बीती 26 अगस्त को शामली में हरियाणवी कलाकार अंकित बालियान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात को चार अज्ञात बदमाशों द्वारा अंजाम दिए जाने की बात सामने आई थी। हत्याकांड के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक युवक का वीडियो

सामने आया, जिसमें उसने अंकित बालियान की हत्या की जिम्मेदारी लेने का दावा किया था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए वीडियो पोस्ट करने वाले व्यक्ति की पहचान और उसके संबंध में जानकारी जुटानी शुरू की।पुलिस जांच में वीडियो पोस्ट करने वाले युवक की पहचान भूपेंद्र ढींगरा के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक भूपेंद्र मूल रूप से हरियाणा के गुरुग्राम का रहने वाला है और वर्तमान में बेंगलुरु में रहकर एक होटल में शेफ की नौकरी कर रहा था। पुलिस टीम ने तकनीकी जानकारी और अन्य माध्यमों से उसकी तलाश शुरू की और उसे गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गायकी और अभिनय से जुड़ा छोटा-मोटा कलाकार है। उसकी पुरानी इंस्टाग्राम आईडी बंद हो गई थी। इसके बाद उसने नई आईडी बनाई, लेकिन काफी प्रयास के बावजूद उसके फॉलोअर्स नहीं बढ़ रहे थे। पुलिस का कहना है कि इसी दौरान आरोपी ने सोशल मीडिया पर अंकित बालियान हत्याकांड से जुड़ा वीडियो देखा।

शामली में टैक्स बढ़ोतरी पर बनत नगर पंचायत में घमासान! सभासदों ने खोला मोर्चा, मुख्यमंत्री से ईओ की जांच और कार्रवाई

शामली। नगर पंचायत बनत में हाउस टैक्स, जल शुल्क और व्यापार कर में बढ़ोतरी को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष, सभासदों और स्थानीय लोगों में नाराजगी सामने आई है। नगर पंचायत अध्यक्ष एवं सभासदों ने जिलाधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम शिकायती पत्र भेजकर बढ़ाए गए टैक्स और जल शुल्क को कम कराने की मांग की है। साथ ही नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी के कार्य एवं व्यवहार की जांच कर आवश्यक कार्रवाई और स्थानांतरण की मांग भी की गई है।सभासदों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि हाउस टैक्स और वाटर टैक्स की दरों में बढ़ोतरी से कस्बे की जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उनका कहना है कि नगर पंचायत क्षेत्र में अपेक्षित विकास कार्य नहीं कराए जाने के बावजूद विभिन्न

करों में वृद्धि किया जाना उचित नहीं है।शिकायती पत्र में पानी के टैंकर की आपूर्ति को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। सभासदों के अनुसार पहले पानी के टैंकर की आपूर्ति और उसे घर तक पहुंचाने के लिए करीब 50 से 100 रुपये शुल्क लिया जाता था, लेकिन वर्तमान में करीब 1,200 रुपये प्रति टैंकर शुल्क लिया जा रहा है। सभासदों ने इस शुल्क में हुई वृद्धि का आधार और टैंकर की आपूर्ति में आने वाले वास्तविक खर्च का विवरण सार्वजनिक किए जाने की मांग की है।सभासदों का कहना है कि नगर पंचायत द्वारा करों और जल शुल्क में कोई भी महत्वपूर्ण बदलाव करने से पहले निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों की आपत्तियों एवं सुझावों पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की है कि बिना जनप्रतिनिधियों से विचार-विमर्श किए टैक्स और जल शुल्क में वृद्धि न की जाए तथा आम जनता की शिकायतों और आपत्तियों की उचित सुनवाई सुनिश्चित की जाए।शिकायती पत्र में अधिशासी अधिकारी के कार्य एवं व्यवहार को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सभासदों का आरोप है कि निर्वाचित सदस्यों की समस्याओं और आपत्तियों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है तथा नगर पंचायत से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय एकतरफा तरीके से लिए जा रहे हैं।

लिसाड़ गांव में दो दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण जागरूकता शिविर संपन्न, युवाओं को मिली स्वरोजगार की जानकारी

मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत युवाओं को दी गई उद्योग और अनुदान संबंधी जानकारी

शामलीः कांधला विकास खण्ड के लिसाड़ गांव में ग्रामीण बेरोजगार युवक और युवतियों के लिए दो दिन के जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र शामली की ओर से लगाया गया था। इस कार्यक्रम की शुरूआत उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2023 और मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत की गई। शिविर का शुभारंभ गांव के प्रधान श्री अजीत सिंह ने फीता काटकर किया। इसके साथ ही उन्होंने शिविर में हिस्सा लेने पहुंचे प्रशिक्षार्थियों को पढ़ाई-लिखाई की सामग्री भी बांटी।

रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पर जोरजागरूकता शिविर के दौरान ग्राम प्रधान श्री अजीत सिंह ने कहा कि सरकार की यह एक बहुत ही

महत्वाकांक्षी योजना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त करके युवा खाद्य प्रसंस्करण की छोटी इकाई स्थापित कर सकते हैं। खुद का काम या उद्योग शुरू करने से न केवल युवाओं को स्वरोजगार मिलेगा, बल्कि इससे दूसरे लोगों के लिए भी रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत प्रभारी श्री सुशील कुमार सिरोही ने भी लोगों को महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।सेवानिवृत प्रभारी श्री सुशील कुमार सिरोही ने बताया कि लोगों को मिलावटी और अधिक रंग वाले खाद्य पदार्थों के इस्तेमाल से बचना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि सभी को हमेशा साफ-सुथरा और बीमारी से मुक्त खाद्य पदार्थों का ही सेवन करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, उत्पादकता और उनके सही रख-रखाव के तरीकों के बारे में भी विस्तार से समझाया।योजनाओं के तहत मिलने वाले अनुदान की जानकारी

शिविर में मौजूद डीआरपी (पीएमएफएमई) श्री बिजेन्द्र गिरी ने योजना से मिलने वाले आर्थिक लाभ के बारे में बताया। श्री बिजेन्द्र गिरी ने जानकारी दी कि इस योजना के तहत बहुत कम पूंजी का निवेश करके लोग बड़ा लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पीएमएफएमई योजना के तहत कुल प्रोजेक्ट लागत का 35 प्रतिशत और अधिकतम 10 लाख रुपये तक का अनुदान प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के उद्योगों से गांव के लोगों का रोजगार की तलाश में शहर की तरफ होने वाला पलायन भी रुकेगा।

इसके बाद केंद्र प्रभारी श्री धर्मेन्द्र राठी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा पेश की। केंद्र प्रभारी श्री धर्मेन्द्र राठी ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर 15 सितंबर 2026 से 16 सितंबर 2026 तक कुल दो दिनों तक चला। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण खत्म होने के बाद जो व्यक्ति अपना छोटा उद्योग लगाने के इच्छुक होंगे, उनके प्रस्ताव तैयार करवाए जाएंगे। विभाग की तरफ से मशीन और जरूरी उपकरण खरीदने के लिए 1 लाख रुपये का अनुदान भी दिया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र शामली के फील्ड ऑफिसर श्री अमित यादव भी मौजूद रहे। फील्ड ऑफिसर श्री अमित यादव ने अपने विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर ग्राम प्रधान श्री अजीत सिंह ने सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने युवाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही इस योजना का पूरा लाभ उठाने की सलाह दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 30 प्रशिक्षार्थी और गांव के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शामली में 8 अक्टूबर को लगेगा वृहद रोजगार मेला, 2000 से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार

जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक, 50 से अधिक कंपनियां लेंगी हिस्सा

शामलीः जनपद में आगामी 08 अक्टूबर को एक वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस रोजगार मेले के माध्यम से 2000 से अधिक अभ्यर्थियों को रोजगार प्रदान किया जाएगा। मेले में 50 से अधिक स्थानीय व बाहरी कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जनपद शामली के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर प्रदान करना है।आगामी 08 अक्टूबर को आयोजित होने वाले इस रोजगार मेले की तैयारी के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अन्तर्गत जिला शामली की जिला कार्यकारी समिति की थी। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी आलोक यादव द्वारा की गई।वी०वी० स्नातकोत्तर महाविद्यालय में होगा आयोजन

बैठक में कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी आलोक यादव ने आगामी 08 अक्टूबर को वी०वी० स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शामली में वृहद रोजगार मेला आयोजित करने के निर्देश दिए।

इस बैठक के दौरान वृहद रोजगार मेले की कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।अधिकारियों की मौजूदगी और निर्देश इस बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी, अग्रणी बैंक प्रबंधक और आई०आई०ए के चैयरमेन विशाल गुप्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा आईटीआई, पॉलिटेक्निक, महाविद्यालय और कौशल विकास मिशन को यह निर्देशित किया गया कि वे अधिक से अधिक अभ्यर्थियों का पंजीकरण rojgaarsangam.up.gov.inपोर्टल पर कराते हुए उनकी प्रतिभागिता सुनिश्चित करें। वहीं, उपायुक्त उद्योग, सहायक श्रमायुक्त और प्राचार्य आईटीआई को निर्देशित किया गया कि वे वृहद रोजगार मेले में अधिक से अधिक स्थानीय व बाहरी प्रतिष्ठानों की कम्पनियों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करें। बैठक का संचालन जिला सेवायोजन अधिकारी डॉ सुशील कुमार द्वारा किया गया।

शामली में 17 सितंबर से शुरू होगा सेवा संकल्प अभियान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवाकाल पर होंगे कार्यक्रम

शामली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा।

शामलीः जनपद में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 25 वर्षों के निरंतर सेवाकाल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत 2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के लिए सेवा संकल्प अभियान व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाएगा। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित होगा। इस पूरे आयोजन का मूल भाव और दृष्टि 25 वर्षों की अविरल जनसेवा का सम्मान करना है। अभियान के प्रथम दिवस का मुख्य आकर्षण आशीर्वाद का दीया होगा। अभियान के मुख्य बिंदु और उद्देश्यसेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के तहत माननीय प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल में हुए नीतिगत सुधारों, जनकल्याणकारी कार्यों व देश-प्रदेश में आए ऐतिहासिक बदलावों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा और आम जन की स्मृति में इन्हें स्थायित्व प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों के अंतर्गत केंद्र सरकार के 12 वर्षों एवं राज्य सरकार के 10 वर्षों के विकास कार्यों से जनजीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों को प्रामाणिक रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।

विकसित भारत 2047 के तहत युवा, महिला, किसान और वंचित वर्ग को आत्मनिर्भर राष्ट्र निर्माण के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ा जाएगा।प्रमुख कार्यक्रम और तिथियां 17 सितंबर 2026 को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए सेवा दिवस-आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम सायं 7:00 बजे आयोजित किया जाएगा। इस दिन अस्पतालों में फल वितरण, रक्तदान शिविर, और विश्वकर्मा जयंती पर टूल किट वितरण का कार्यक्रम आयोजित होगा। केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में लाभान्वित परिवार एवं समस्त जन समुदाय सायं 7:00 बजे अपने घर या प्रतिष्ठान में दीप प्रज्वलन करेंगे। वर्ष 2014 के बाद केंद्र एवं 2017 के बाद केंद्र तथा प्रदेश सरकार द्वारा संपन्न सभी विभागों के प्रमुख विकास कार्यों और अवस्थापना परियोजनाओं जैसे एक्सप्रेसवे, शिक्षण संस्थानों, चिकित्सा संस्थानों, कार्यालयों, तीर्थ स्थलों, आवासों, तथा शहरी निकायों एवं पंचायतों द्वारा किए गए निर्माण कार्यों जैसे पंचायत सचिवालय, अन्नपूर्णा भवन, पार्क, काम्प्लेक्स, सरोवर आदि प्रमुख स्थलों पर दीप प्रज्वलन किया जाएगा।

रंग संसार

ट्विन बच्चों के आने के बाद दिव्यांका त्रिपाठी के घर पहला गणपति उत्सव, कहा- 'दिमाग 60 नहीं, 160 की स्पीड से चलता है'

दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया ने ट्विन बच्चों के साथ मनाया पहला गणपति उत्सव

मुंबईः एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी और उनके पति विवेक दहिया इन दिनों अपनी जिंदगी के सबसे खूबसूरत दौर से गुजर रहे हैं। हाल ही में ट्विन बेबी बॉयज के पैरेंट्स बने दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया के घर इस बार गणपति बप्पा का स्वागत भी बेहद खास अंदाज में हुआ है। बच्चों के साथ यह कपल पहली बार गणपति उत्सव मना रहा है और जाहिर है कि इस बार सेलिब्रेशन का रंग भी थोड़ा अलग है। घर की सजावट से लेकर गणपति की मूर्ति तक, हर चीज में उनके नन्हे बेटों की झलक देखने को मिल रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिव्यांका त्रिपाठी ने बताया कि इस बार उन्होंने घर में ब्लू थीम रखी है और पूरी सजावट अपने बच्चों को ध्यान में रखकर की है। दिव्यांका त्रिपाठी ने कहा कि हमारे दोनों बच्चे अभी बहुत छोटे हैं, इसलिए हमने गणपति सेलिब्रेशन को बहुत ज्यादा बड़ा या ग्रैंड रखने के बजाय सिंपल और क्यूट रखा है। हम भगवान गणपति को घर लाए, ताकि उनका आशीर्वाद बच्चों को भी मिले। सजावट में ब्लू कलर के साथ पर्ल्स, रैबिट्स और मशरूम जैसी चीजें शामिल की गई हैं। इस बार घर की सजावट का पूरा आइडिया हमारे दोनों बेटों को लेकर था।छोटे बच्चों की देखभाल के बीच घर पर आने वाले मेहमानों और त्योहार की तैयारियों को संभालना काफी मुश्किल हो गया है। अब हर काम करते समय सबसे पहले बच्चों के आराम और सुविधा का ध्यान रखना पड़ता है। दिव्यांका त्रिपाठी ने कहा कि अगर पहले मेरा दिमाग 60 की स्पीड से चलता था, तो अब इसे 160 की स्पीड से चलाना पड़ता है। मुझे इस बात का ध्यान रखना होता है कि बच्चे कंफर्ट रहें, घर आने वाले लोगों को भी संभाला जा सके और गणपति का सेलिब्रेशन भी अच्छे से हो। इसके लिए मुझे हर चीज में पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ी है। इस भागदौड़ के बीच भी मैंने और विवेक दहिया ने इस पूरे फेज को एंजॉय किया

राज काज

गिरावट से उबरकर बाजार हरे निशान में बंद, सेंसेक्स में 333 अंकों की बढ़त, निफ्टी आईटी पर सबसे ज्यादा दबाव

मुंबई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक के फैसले से पहले तेल की कीमतों में नरमी आने से बुधवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार पिछले दो दिनों की गिरावट से उबरकर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस बीच, एफएमसीजी, रियल्टी और पीएसयू बैंक के शेयरों के समर्थन से प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी और सेंसेक्स में 0.45 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 332.63 अंकों यानी 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,336.45 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी50 99 अंक यानी 0.43 प्रतिशत बढ़कर 23,217.60 पर बंद हुआ।व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में क्रमशः 0.01 प्रतिशत और 0.18 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी रियल्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया, जिनमें क्रमशः 1.63 प्रतिशत, 1.44 प्रतिशत और 0.99 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई, जबकि निफ्टी आईटी, निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी50 इंडेक्स में, टीसीएस, विप्रो, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एलएंडटी और बजाज फिनसर्व के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली, तो वहीं एचडीएफसी लाइफ, एसबीआई लाइफ, एसबीआई और आ-ईटीसी के शेयर आज के टॉप गेनर्स रहे।निफ्टी के टेक्निकल आउटलुक पर बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि ऊपर की ओर 23,300 से 23,400 का दायरा अभी भी रिकवरी के लिए बाधा बना हुआ है। व्यापक तकनीकी स्थिति में सुधार के लिए निफ्टी का 23,500 के ऊपर टिकना जरूरी होगा। उन्होंने आगे कहा कि नीचे की ओर 23,100 से 23,070 का क्षेत्र तत्काल समर्थन का काम कर रहा है। यदि निफ्टी 23,070 के नीचे निर्णायक रूप से फिसलता है तो बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है और सूचकांक 23,000 से 22,800 के दायरे तक जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार की नजर अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति बैठक के नतीजों पर टिकी हुई है। निवेशक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आगे ब्याज दरों को लेकर केंद्रीय बैंक का रुख कैसा रहेगा। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, यदि फेड की टिप्पणी संतुलित रहती है तो बाजार में आगे रिकवरी देखने को मिल सकती है।

दैनिक राशिफल गुरूवार 17 सितम्बर 2026

मेष – परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

वृष – जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें।

मिथुन : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कर्क – किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा।

सिंह– भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग।

कन्या – शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

तुला – लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागेइ वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

वृश्चिक – कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी।

धनु – कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी।

मकर – सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक ङूषचताएं कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा।

कुंभ – विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मीन – कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी।

दैनिक पंचांग

17 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	05.51 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	तुला	08.02 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.16 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.32 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.38 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.24 बजे से
शनि	मीन में	मीन	17.57 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.27 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.08 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मिथुन	23.06 बजे से
		कर्क	01.19 बजे से
		सिंह	03.35 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 260 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 10.48 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 19.54 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 12.50 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 10.48 बजे तदनन्तर गर 23.53 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 05.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 02° 20'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872835
जूलियन दिन 2461300.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी
तारीख 05
विशेष कन्या संक्रांति, विश्वकर्मा पूजा।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

डीएवी कॉलेज में छात्र से मारपीट का वीडियो वायरल, मचा हड़कंप

बीसीए अंतिम वर्ष के छात्र के साथ कॉलेज परिसर में मारपीट का आरोप, दो नामजद समेत तीन-चार अज्ञात युवकों के खिलाफ तहरीर, घायल छात्र का कराया गया मेडिकल

मुजफ्फरनगर। शहर के डीएवी डिग्री कॉलेज में बीसीए अंतिम वर्ष के छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ युवक एक छात्र के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा और सिविल लाइन थाना पुलिस ने पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। घायल छात्र का चिकित्सीय परीक्षण भी कराया गया है।

कॉलेज जाने के बाद सामने आया मारपीट का मामला

जानकारी के अनुसार, खादरवाला, खालापार निवासी दिलशाद पुत्र फतेह मोहम्मद का पुत्र शाहजेब खान उर्फ अमन डीएवी डिग्री कॉलेज में बीसीए अंतिम वर्ष का छात्र है। बताया गया कि छात्र कॉलेज गया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर कुछ युवकों से उसका विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर युवकों ने शाहजेब उर्फ अमन के साथ मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में कुछ युवक छात्र के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, वायरल वीडियो में दिखाई दे रही घटना की परिस्थितियों और विवाद की वास्तविक वजह की पुलिस जांच कर रही है। मामले को लेकर छात्र पक्ष की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है। तहरीर में छात्र आदेश और देव कर्ण त्यागी के अलावा तीन-चार अज्ञात युवकों के खिलाफ मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है।

तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब तहरीर में लगाए गए आरोपों के साथ-साथ वायरल वीडियो, मौके पर मौजूद लोगों और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मारपीट की शुरूआत किस बात को लेकर हुई और घटना में कौन-कौन लोग शामिल थे।

वायरल वीडियो बना जांच का अहम हिस्सा

मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस के सामने घटना से जुड़े कई अहम सवाल भी हैं। वीडियो में दिखाई दे रहे युवकों की पहचान और वीडियो के घटनाक्रम से संबंधित होने की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी देख रही है कि वीडियो कब और कहां बनाया गया तथा उसमें दिखाई दे रहे सभी लोग इसी घटना से संबंधित हैं या नहीं।

घायल छात्र का कराया मेडिकल

मारपीट में घायल बताए जा रहे शाहजेब उर्फ अमन का पुलिस द्वारा मेडिकल परीक्षण कराया गया है। मेडिकल रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

पुलिस बोली–जांच जारी, आवश्यक विधिक कार्रवाई होगी

स्टेडियम चौकी प्रभारी अरुण चाहर ने बताया कि मारपीट की घटना के संबंध में जानकारी मिली है। घायल छात्र का मेडिकल कराया जा चुका है। मामले की जांच की जा रही है तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल कॉलेज में छात्र के साथ हुई मारपीट और वायरल वीडियो को लेकर मामला चर्चा में है। पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि विवाद की वास्तविक वजह क्या थी और मारपीट की घटना में कौन-कौन लोग शामिल थे।

बाल सुरक्षा को लेकर पुलिस सख्त, मानव तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश

पुलिस अधीक्षक अपराध ने एएचटीयू, बाल कल्याण अधिकारियों और संबंधित विभागों के साथ की मासिक गोष्ठी; पोक्सो, बाल श्रम, भिक्षावृत्ति और मिशन शक्ति की कार्रवाई की समीक्षा

मुजफ्फरनगर। महिला एवं बाल सुरक्षा, मानव तस्करी की रोकथाम और मिशन शक्ति अभियान को प्रभावी बनाने के लिए बुधवार को पुलिस विभाग ने व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की। पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ की अध्यक्षता में आयोजित मासिक गोष्ठी में एएचटीयू टीम, जनपद के सभी थानों पर नियुक्त बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों तथा विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। बैठक में बच्चों और महिलाओं से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई के साथ-साथ विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया।

गोष्ठी के दौरान पोक्सो अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम, बाल अपचारी, बाल श्रम, भिक्षावृत्ति, मानव तस्करी, कोटपा अधिनियम तथा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत पुलिस और संबंधित विभागों द्वारा की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक अपराध ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

मानव तस्करी की रोकथाम पर विशेष जोर

बैठक में मानव तस्करी की रोकथाम को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाए और बच्चों या महिलाओं के शोषण, जबरन श्रम, भिक्षावृत्ति अथवा अन्य किसी प्रकार के उत्पीड़न से संबंधित सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। जरूरत पड़ने पर संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर पीड़ितों को आवश्यक सहायता और संरक्षण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

बाल श्रम और भिक्षावृत्ति के खिलाफ कार्रवाई पर चर्चा

गोष्ठी में बाल श्रम और भिक्षावृत्ति से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ऐसे बच्चों की पहचान कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने तथा नियमानुसार पुनर्वास की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। पुलिस के साथ श्रम विभाग, बाल कल्याण समिति और अन्य संबंधित संस्थाओं के बीच समन्वय मजबूत करने पर भी जोर दिया गया।

महिला एवं बाल सुरक्षा के लिए संचालित मिशन शक्ति अभियान के तहत की जा रही गतिविधियों की भी समीक्षा हुई। पुलिस अधीक्षक अपराध ने महिला और बाल सुरक्षा से संबंधित शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई, पीड़ितों को आवश्यक सहायता और संबंधित मामलों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

टूटी सड़क और बारिश में जलभराव से परेशान सैनिक विहार की महिलाओं का फूटा गुस्सा

जिम वाली गली और मंदिर के सामने बदहाल सड़क को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचीं महिलाएं, प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन; सड़क निर्माण के साथ जलभराव के स्थायी समाधान की मांग

मुजफ्फरनगर। सड़क की बदहाली और बारिश के बाद गली में होने वाले जलभराव से परेशान सैनिक विहार की महिलाओं का गुस्सा बुधवार दोपहर सामने आ गया। बड़ी संख्या में महिलाएं अपनी समस्या लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचीं और प्रदर्शन करते हुए सड़क निर्माण की मांग उठाई। महिलाओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जिम वाली गली और मंदिर के सामने लंबे समय से खराब पड़ी सड़क का निर्माण कराने तथा जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की।

गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी है सड़क

प्रदर्शन कर रही महिलाओं में बालेश, रेखा, अंजू, मनीषा, अनीता, अनीता, गीता, पूजा, करेशना, सरस्वती, रीना, प्रियंका, स्वाती और बिमलेश ने बताया कि सैनिक विहार की जिम वाली गली और मंदिर के सामने की सड़क काफी समय से बदहाल स्थिति में है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिसके कारण पैदल चलने वाले लोगों के साथ ही दोपहिया और अन्य वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। महिलाओं का कहना है कि सामान्य दिनों में भी गड्ढों के कारण आवागमन मुश्किल रहता है, लेकिन बारिश होते ही समस्या और गंभीर हो जाती है। बारिश का पानी सड़क के गड्ढों में भर जाने से पूरी सड़क जलमग्न जैसी स्थिति में पहुंच जाती है।

बारिश होते ही गड्ढों में भर जाता है पानी

स्थानीय लोगों के मुताबिक, बारिश के बाद गली में पानी की निकासी ठीक से नहीं हो पाने के कारण सड़क पर लंबे समय तक पानी जमा रहता है। पानी भरने के कारण सड़क के गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। महिलाओं ने कहा कि जलभराव के

कारण सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ती है। बच्चों को स्कूल आने-जाने के दौरान पानी से होकर गुजरना पड़ता है। कई बार गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाने से उनके गिरने की आशंका बनी रहती है।

बच्चों और राहगीरों का निकलना हुआ मुश्किल

प्रदर्शनकारी महिलाओं ने कहा कि सड़क की हालत खराब होने और बारिश के बाद जलभराव होने से स्थानीय लोगों का दैनिक आवागमन प्रभावित हो रहा है। सुबह और दोपहर के समय स्कूली बच्चों के आने-जाने के दौरान परेशानी और बढ़ जाती है।महिलाओं का कहना है कि सड़क पर पानी जमा होने के कारण कई बार लोगों को दूसरे रास्तों का सहारा लेना पड़ता है। बुजुर्गों और बच्चों के लिए स्थिति विशेष रूप से परेशानी वाली हो जाती है।

वार्ड सदस्य से कई बार शिकायत का दावा

महिलाओं ने आरोप लगाया कि सड़क की समस्या को लेकर स्थानीय स्तर पर कई बार शिकायत की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि वार्ड सदस्य को भी सड़क की बदहाली और जलभराव की समस्या के बारे में कई बार अवगत कराया गया, लेकिन इसके बावजूद सड़क निर्माण की दिशा में प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय स्तर पर समस्या का समाधान नहीं होने के बाद महिलाओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपनी आवाज उठाने का निर्णय लिया।

जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, जल्द निर्माण की मांग

बुधवार दोपहर करीब 12 बजे महिलाएं जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचीं और प्रदर्शन करते हुए अपनी मांग रखी। इसके बाद महिलाओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौके पर भेजकर सैनिक विहार की जिम वाली गली और मंदिर के सामने की सड़क की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण कराया जाए। महिलाओं ने जल्द सड़क निर्माण कराने की मांग की।

पीछे से आई तेज रफ्तार बाइक ने साइकिल में मारी टक्कर, सड़क पर जा गिरे दोनों

शाहपुर-मुजफ्फरनगर मार्ग पर काकड़ा के पास हादसा; साइकिल सवार और बाइक चालक गंभीर घायल, सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर

मुजफ्फरनगर। शाहपुर-मुजफ्फरनगर मार्ग पर काकड़ा गांव के निकट बुधवार को तेज रफ्तार मोटरसाइकिल और साइकिल की भिड़ंत में दोनों वाहन सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना जोरदार था कि टक्कर लगते ही साइकिल सवार सड़क पर जा गिरा, जबकि मोटरसाइकिल चालक भी अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। जानकारी के अनुसार रसूलपुर निवासी करीब 45 वर्षीय रामबीर पुत्र भिखारी बुधवार को साइकिल से कस्बा शाहपुर से अपने गांव लौट रहा था। बताया गया कि वह काकड़ा गांव के निकट पहुंचा ही था कि पीछे से तेज गति से आ रही मोटरसाइकिल ने उसकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही रामबीर संतुलन खो बैठा और सड़क पर गिर गया। हादसे में उसके शरीर में गंभीर चोटें आईं। वहीं मोटरसाइकिल चालक आसिफ पुत्र नसीर निवासी गांव जोली भी बाइक के अनियंत्रित होने के बाद

सड़क पर गिरकर घायल हो गया। सड़क पर दो लोगों को घायल पड़ा देखकर राहगीर मौके पर रुक गए। लोगों ने दोनों घायलों को संभाला और तत्काल घटना की सूचना थाना पुलिस को दी। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर में तैनात चिकित्सक डॉ. असद अजहर ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार किया। दोनों की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास मौजूद लोगों से घटना के संबंध में जानकारी जुटा रही है। प्रारंभिक जानकारी में मोटरसाइकिल की तेज गति को हादसे की वजह बताया जा रहा है, हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि पुलिस की जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस द्वारा यह भी पता लगाया जा रहा है कि हादसे के समय दोनों वाहन किस दिशा में जा रहे थे और टक्कर किन परिस्थितियों में हुई। फिलहाल दोनों घायलों का उपचार जिला अस्पताल में कराया जा रहा है।

ऑपरेशन सवेरा में नशे की बड़ी खेप पकड़ी, 103.90 किलो गांजा बरामद

नई मंडी पुलिस ने एनएच-58 पर पचेंडा बाईपास के पास संदिग्ध ट्रक को रोककर की कार्रवाई, करीब 52 लाख रुपये कीमत की गांजे की खेप बरामद, मेरठ निवासी आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा के तहत थाना नई मंडी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एनएच-58 पर पचेंडा बाईपास के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली। ट्रक में छिपाकर रखा गया 103.90 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 52 लाख रुपये बताई है। मौके से तस्करी में प्रयुक्त ट्रक भी कब्जे में लिया गया है।

पुलिस लाइन में एसएसपी ने किया खुलासा

पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि जनपद में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए ऑपरेशन सवेरा अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत नई मंडी पुलिस को 16 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली

थी कि कुछ मादक पदार्थ तस्कर ट्रक में गांजा लेकर मुजफ्फरनगर की ओर आने वाले हैं और यहां से आसपास के जिलों में उसकी सप्लाई करते हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने एनएच-58 पर पचेंडा बाईपास के आसपास सघन चेकिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध ट्रक को रुकवाकर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रक में छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ।

ट्रक में छिपाकर लाई जा रही थी गांजे की खेप

पुलिस के अनुसार ट्रक से कुल 103.90 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को कब्जे में लेकर आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे ट्रक यूपी-12 एटी-1297 को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत पुलिस ने करीब 52 लाख रुपये बताई है। इतनी बड़ी मात्रा में गांजा बरामद होने के बाद पुलिस अब इस पूरे तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है।

मेरठ का रहने वाला है गिरफ्तार आरोपी

गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवा पुत्र धीर सिंह निवासी बिजली बंबा बाईपास, थाना लोहिया नगर, जनपद मेरठ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ थाना सिविल लाइन मुजफ्फरनगर में मुकदमा अपराध संख्या 224/2026 धारा 8/21/22 एनडीपीएस अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

आंध्र प्रदेश से गांजा लाने की बात पूछताछ में सामने आई

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि वह अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर मादक पदार्थों की तस्करी करता है। आरोपी के अनुसार वे ट्रक से आंध्र प्रदेश जाते हैं और वहां से गांजा खरीदकर ट्रक में छिपाकर लाते हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी और उसके साथी गांजे को मेरठ, मुजफ्फरनगर, शामली तथा आसपास के जनपदों में ऊंचे दामों पर बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे। पुलिस अब आरोपी के बताए तथ्यों का सत्यापन करने के साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

गिरोह की आगे और पीछे की कड़ियां खंगाल रही पुलिस

नई मंडी पुलिस द्वारा इस मामले में तस्करी के पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

ट्रांसफार्मर की कॉयल और बिजली तार चुराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

तितावी पुलिस की मुठभेड़ में चार आरोपी गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली; तमंचे, चाकू, पिकअप, दो बाइक, ट्रांसफार्मर कॉयल और 10 बंडल बिजली तार बरामद

मुजफ्फरनगर। जिले में बिजली उपकरण चोरी करने वाले गिरोह के खिलाफ तितावी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कथित अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने ऑपरेशन किसान प्रहरी के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस मुठभेड़ के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस के कब्जे से दो तमंचे, कारतूस, दो चाकू, दो मोटरसाइकिल, घटना में प्रयुक्त पिकअप गाड़ी, ट्रांसफार्मर की कॉयल, बिजली के तार और चोरी का सामान बेचकर बचे पांच हजार रुपये बरामद किए गए हैं।

पुलिस लाइन में एसएसपी ने किया खुलासा

पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि तितावी थाना पुलिस को 15 सितंबर की रात क्षेत्र में गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि विद्युत तार और ट्रांसफार्मर की कॉयल चोरी करने वाला गिरोह क्षेत्र में सक्रिय है और किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम को बताए गए स्थान की ओर रवाना किया गया। एसएसपी के अनुसार

पुलिस टीम भगत होटल के सामने अमीरनगर जाने वाले रास्ते की ओर पहुंची तो वहां मौजूद बदमाशों ने पुलिस टीम को देखकर कथित तौर पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि तीन अन्य आरोपियों को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया।

मुठभेड़ में शाहनवाज घायल

पुलिस के अनुसार मुठभेड़ में घायल आरोपी की पहचान शाहनवाज पुत्र शमीम निवासी भैसरहेड़ी, थाना छपार के रूप में हुई है। उसके पैर में गोली लगी है। घायल होने के बाद उसे पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मौके से शाहरुख उर्फ जुनैद पुत्र नबाब निवासी भैसरहेड़ी, थाना छपार, ताहिर पुत्र तैयब निवासी भैसरहेड़ी, थाना छपार तथा मौ. आसिफ पुत्र मौ. बन्ने निवासी नेहरू बिहार, गली नंबर-1, मकान नंबर ए-1/34, मुस्तफाबाद, दिल्ली को भी गिरफ्तार किया।

ट्रांसफार्मर कॉयल और 10 बंडल बिजली तार बरामद

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने दो तमंचे 315 बोर, दो खोखा कारतूस 315 बोर, दो जिंदा कारतूस 315 बोर और दो अवैध चाकू बरामद किए। इसके अलावा दो मोटरसाइकिल, घटना में इस्तेमाल की गई एक पिकअप गाड़ी, ट्रांसफार्मर की कॉयल और 10 बंडल बिजली के तार बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार चोरी किए गए सामान को बेचने के बाद आरोपियों के पास बचे पांच हजार रुपये भी बरामद किए गए हैं। दोनों मोटरसाइकिलों को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज किया गया है।

मुजफ्फरनगर से लेकर शामली और उत्तराखंड तक चोरी का दावा

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उनके द्वारा मुजफ्फरनगर, शामली और उत्तराखंड के विभिन्न स्थानों पर विद्युत उपकरणों की चोरी की गई है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ के आधार पर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और चोरी की घटनाओं की जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के विस्तृत आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। इसके साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि चोरी किए गए विद्युत उपकरण किन लोगों को बेचे जाते थे और गिरोह में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

शाहनवाज पर पहले से कई मुकदमे दर्ज

पुलिस के अनुसार घायल आरोपी शाहनवाज का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ पुरकाजी, तितावी, छपार, जानसठ, शाहपुर तथा बागपत के थानों में आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास, चोरी और विद्युत अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

सेवा संकल्प अभियान-2026 को लेकर भाजपा ने तय की 13 कार्यक्रमों की जिम्मेदारियां, 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिलेभर में होंगे सेवा, जागरूकता, सांस्कृतिक और जनसंपर्क से जुड़े कार्यक्रम

मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ह्यसेवा संकल्प अभियान-2026 आयोजित किया जा रहा है। एक माह तक चलने वाले अभियान के तहत जिले में सेवा कार्य, जनसंपर्क, सामाजिक सहभागिता, सांस्कृतिक गतिविधियां और विकसित भारत के संकल्प से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के निर्देश पर मुजफ्फरनगर में अभियान की तैयारियों को लेकर कार्यक्रमवार जिम्मेदारियां तय की गई हैं। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी पवन अरोरा ने बताया कि जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, अभियान संयोजक शरद शर्मा तथा सह संयोजक विजय प्रजापति, ममता अग्रवाल और श्याम रहेजा के नेतृत्व में जिले के लिए 13 प्रमुख कार्यक्रमों का कार्य विभाजन किया गया है।

अभियान की शुरूआत 17 सितंबर को प्रातः 11 बजे सोल्जर बोर्ड में रक्तदान शिविर से होगी। इसी दिन शाम 7 बजे बूथ स्तर पर लाभार्थी परिवारों के घरों पर आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम 17 सितंबर की शाम बूथ स्तर पर आयोजित होगा। इसमें नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप को जनप्रतिनिधि, संजय गर्ग को संयोजक तथा आंचल तोमर को सहसंयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। 17 से 27 सितंबर तक सरकारी और निजी विद्यालयों में सपनों का भारत कार्यक्रम के तहत चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। पूर्व विधायक अशोक कंसल को जनप्रतिनिधि, विशाल गर्ग को संयोजक तथा रविकांत प्रधान, पवन अरोरा और अजय सागर को सहसंयोजक बनाया गया है।

नमो सेवा गाथा कार्यक्रम में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल जनप्रतिनिधि, रोहतास पाल संयोजक और अनुज सहरावत सहसंयोजक रहेंगे। आंगनबाड़ी केंद्रों पर होगा आंगन उत्सव 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक ह्यआंगन उत्सवह्ण के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यकताओं का सम्मान किया जाएगा। महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य एवं महिला कल्याण योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। कपिल देव अग्रवाल को जनप्रतिनिधि, अंजलि चौधरी को संयोजक और प्रमेश सैनी को सहसंयोजक बनाया गया है। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक कहानी बदलाव की कार्यक्रम के अंतर्गत सरकारी योजनाओं से लाभान्वित लोगों की वास्तविक कहानियों को वीडियो और रील के माध्यम से सामने लाया जाएगा।

अपराध गोष्ठी में एसएसपी का सख्त रुख, लंबित विवेचनाओं पर जताई नाराजगी

साइबर अपराध से लेकर गैंगस्टर एक्ट तक की समीक्षा, त्योहारों से पहले संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। जनपद में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को लेकर बुधवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने पुलिस लाइन स्थित सभागार में अपराध गोष्ठी की। इस दौरान लंबित विवेचनाओं, साइबर अपराध, गैंगचार्ट, गैंगस्टर एक्ट, आईजीआरएस, न्यायालयों में लंबित मामलों और आगामी पर्व-त्योहारों की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। एसएसपी ने थाना प्रभारियों को लंबित मामलों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के साथ कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

गोष्ठी का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसमें पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन, पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ, पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे, सभी क्षेत्राधिकारी, थाना एवं शाखा प्रभारी, निरीक्षक एलआईयू तथा प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। एसएसपी ने मीडिया और साइबर अपराध से जुड़ी घटनाओं पर पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी महत्वपूर्ण घटना की सूचना मिलने पर पहले तथ्यों की तत्काल पुष्टि की जाए और उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाए। मीडिया के माध्यम से केवल प्रमाणित और तथ्यात्मक जानकारी ही साझा की जाए। साइबर अपराध की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने और साइबर

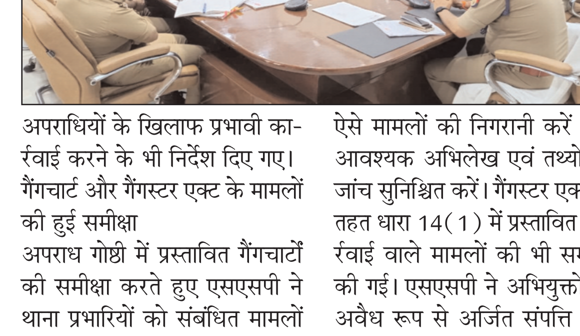

अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए।

गैंगचार्ट और गैंगस्टर एक्ट के मामलों की हुई समीक्षा

अपराध गोष्ठी में प्रस्तावित गैंगचार्टों की समीक्षा करते हुए एसएसपी ने थाना प्रभारियों को संबंधित मामलों में विधिक कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थाना प्रभारी स्वयं ऐसे मामलों की निगरानी करें और आवश्यक अभिलेख एवं तथ्यों की जांच सुनिश्चित करें। गैंगस्टर एक्ट के तहत धारा 14(1) में प्रस्तावित कार्रवाई वाले मामलों की भी समीक्षा की गई। एसएसपी ने अभियुक्तों की अवैध रूप से अर्जित संपत्ति और उससे जुड़े अभिलेखों का विधिवत परीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई के प्रस्ताव समयबद्ध तरीके से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

त्योहारों से पहले संवेदनशील क्षेत्रों पर रहेगी नजर

आगामी पर्व-त्योहारों और विभिन्न विवादों को लेकर भी अधिकारियों से जानकारी ली गई। एसएसपी ने सभी क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों के संवेदनशील स्थानों तथा विवादित मामलों को चिन्हित कर आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय स्तर पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई जाए। किसी भी छोटी सूचना को नजरअंदाज न किया जाए और समय रहते उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए।

किराना स्टोर पर खरीदारी करने पहुंची महिला का पर्स चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

दो महिलाओं ने खरीदारी के बहाने बनाया निशाना, पर्स से निकाले पांच हजार रुपये; फुटेज के आधार पर पुलिस ने शुरू की जांच

मीरापुर। मीरापुर मेन बाजार स्थित एक किराना स्टोर पर खरीदारी करने पहुंची महिला का पर्स चोरी होने से हड़कंप मच गया। आरोप है कि खरीदारी करने के बहाने दुकान पर पहले से मौजूद दो महिलाओं ने मौका पाकर महिला का पर्स चोरी कर लिया और मौके से फरार हो गईं। पर्स में पांच हजार रुपये रखे हुए थे। चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज सामने आने के बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

सामान खरीदने पहुंची थी महिला

रामराज क्षेत्र के गांव पुट्ठी इब्राहिमपुर निवासी कमरो पत्नी जमालुद्दीन मंगलवार शाम मीरापुर के मेन बाजार स्थित दीप किराना स्टोर पर घरेलू सामान खरीदने पहुंची थीं। यह दुकान व्यापारी रोहित सिंघल की बताई गई है। कमरो सामान खरीदने में व्यस्त थीं, जबकि दुकान पर दो अन्य महिलाएं भी खरीदारी करने के बहाने मौजूद थीं।

मौका मिलते ही पर्स पर किया हाथ साफ

बताया गया कि इसी दौरान दोनों महिलाओं ने कथित तौर पर मौका पाकर कमरो का पर्स चोरी कर लिया। पर्स में करीब पांच हजार रुपये की नकदी रखी थी। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों महिलाएं दुकान से निकलकर फरार हो गईं। उस समय कमरो को पर्स चोरी होने की भनक तक नहीं लगी।

बिल चुकाने के दौरान खुला चोरी का राज

सामान खरीदने के बाद जब कमरो बिल का भुगतान करने के लिए अपना पर्स निकालने लगीं तो पर्स

गायब मिला। पर्स नहीं मिलने पर उन्होंने आसपास तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद दुकान पर मौजूद व्यापारियों को घटना की जानकारी दी गई। पर्स में पांच हजार रुपये होने की बात सामने आने पर मामले को लेकर हड़कंप मच गया।

सीसीटीवी खंगालने पर सामने आई पूरी वारदात

चोरी की जानकारी मिलने के बाद व्यापारी रोहित सिंघल और पड़ोसी व्यापारी शिवम गोयल ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दो महिलाएं दुकान के अंदर कमरो के आसपास मौजूद दिखाई दीं। सीसीटीवी फुटेज में दोनों महिलाओं की गतिविधियां और पर्स चोरी किए जाने की घटना कैद होने की बात सामने आई है।

पुलिस को दी सूचना, फुटेज के आधार पर जांच शुरू

सीसीटीवी फुटेज में चोरी की वारदात सामने आने के बाद व्यापारी रोहित सिंघल ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले की जानकारी लेते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध महिलाओं की पहचान और तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के बाजार और आने-जाने वाले रास्तों पर लगे अन्य कैमरों की फुटेज भी खंगाल सकती है, ताकि दोनों महिलाओं के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। घटना के बाद बाजार के व्यापारियों में भी चर्चा रही। व्यापारियों ने दुकानों पर खरीदारी के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और सीसीटीवी कैमरों को सक्रिय रखने की जरूरत बताई। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मुजफ्फरनगर में समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी हरीराम का 97 वर्ष की उम्र में निधन

सपा के स्थापना काल से जुड़े रहे वरिष्ठ नेता चौधरी हरीराम ने ली अंतिम सांस

मुजफ्फरनगरः समाजवादी पार्टी के स्थापना काल से जुड़े रहे वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी हरीराम का मंगलवार को निधन हो गया है। वे लगभग 97 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। वे जानसठ रोड स्थित अपने चौधरी हरीराम हॉस्पिटल में स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे, जहां उन्होंने अपनी अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर फैलते ही राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में शोक छा गया।

संगठन निर्माण में निभाई थी अहम भूमिका

चौधरी हरीराम लंबे समय तक समाजवादी विचारधारा से जुड़े रहे थे। समाजवादी पार्टी के गठन के समय उन्होंने मुजफ्फरनगर में पार्टी संगठन को मजबूत करने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पार्टी के स्थापना काल में उन्होंने मुजफ्फरनगर जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाली थी। उनके निधन के बाद समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं और समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई है। बड़ी संख्या में राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

अंतिम संस्कार में उमडा सैलाब

परिजनों के अनुसार चौधरी हरीराम का अंतिम संस्कार बुधवार सुबह 9 बजे नई मंडी स्थित श्मशान घाट पर किया गया। उनके पुत्र मुकेश कुमार और राकेश कुमार ने यह जानकारी दी है। रॉयल बुलेटिन परिवार भी चौधरी हरीराम के निधन पर शोक व्यक्त करता है और शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता है।

प्रेम प्रसंग से उपजी रंजिश में सुभाष हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

पुलिस लाइन में पत्रकार वार्ता के दौरान एसएसपी ने किया खुलासा, लकड़संधा फ्लाईओवर के पास दबोचा गया बन्टी उर्फ राहुल, पांच आरोपी हैं नामजद, बाकी की तलाश में तीन टीमें जुटीं

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर क्षेत्र के पिन्ना गांव के पास शामली रोड पर 15 सितंबर की शाम हुई करीब 50 वर्षीय सुभाष की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने बुधवार को एक नामजद वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गांव किनौनी निवासी 40 वर्षीय बन्टी उर्फ राहुल पुत्र उधल उर्फ उदयवीर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे लकड़संधा फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार किया है। मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज है और अन्य वांछितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

पुलिस लाइन में एसएसपी ने बताई हत्याकांड की वजह

पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्याकांड के पीछे गांव किनौनी में कुछ दिन पूर्व हुए प्रेम प्रसंग से जुड़ी रंजिश सामने आई है। उन्होंने बताया कि गांव का एक युवक और युवती, जो एक ही जाति के हैं, प्रेम प्रसंग के चलते घर से चले गए थे। पुलिस ने युवती को सकुशल बरामद कर लिया था, जबकि युवक के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की गई थी। एसएसपी के अनुसार इस घटना के बाद दोनों परिवारों के बीच रंजिश चल रही थी। इसी रंजिश के चलते 15 सितंबर को युवती पक्ष द्वारा युवक के पिता सुभाष की गोली मारकर हत्या किए जाने की बात

जांच में सामने आई है। पुलिस के मुताबिक 15 सितंबर की शाम सुभाष अपने गांव किनौनी से संबंधित काम से क्षेत्र में थे। पिन्ना गांव के पास शामली रोड पर उन्हें गोली मार दी गई। गोली लगने से उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वारदात की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने घटना के शीघ्र अनावरण और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमों का गठन किया था। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र से साक्ष्य जुटाने के साथ ही नामजद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। प्राप्त तहरीर के आधार पर कोतवाली नगर थाने में पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 402/2026 दर्ज किया गया। मुकदमा धारा 191(2), 191(3), 109(1), 103(1) और 3(5) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। इसी कार्रवाई के दौरान बुधवार 16 सितंबर को पुलिस टीम ने नामजद आरोपी बन्टी उर्फ राहुल पुत्र उधल उर्फ उदयवीर, निवासी ग्राम किनौनी, थाना शाहपुर को लकड़संधा फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार कर लिया।

कलेक्ट्रेट में भीम आर्मी का धरना, चार सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

विनय रतन के नेतृत्व में प्रदर्शन, बाराबंकी काफिले की घटना समेत विभिन्न मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग

मुजफ्फरनगर। जिला कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को भीम आर्मी के कार्यकताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कार्यकताओं ने राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को चार सूत्रीय मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन में विभिन्न घटनाओं की निष्पक्ष जांच और संबंधित मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में गोंडा और अयोध्या में हुई घटनाओं के साथ-साथ बाराबंकी में आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद के काफिले से जुड़ी 13 सितंबर की घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की गई। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों में बाराबंकी में काफिले पर पथराव और वाहनों को नुकसान पहुंचने के आरोप सामने आए हैं। भीम आर्मी की ओर से सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने तथा घटना के दौरान मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों की भूमिका की जांच कराने की मांग भी उठाई गई।

ज्ञापन में लखनऊ के ईको गार्डन में धरना दे रहे पंचायत सहायकों की समस्याओं के समाधान, 68,500

शिक्षक भर्ती से जुड़े आरक्षण प्रकरण में पिछड़ा वर्ग आयोग के आदेश के अनुपालन तथा प्रभावित अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने की मांग शामिल रही।

इसके अलावा सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद, मुरादाबाद की मुस्तफा मस्जिद समेत अन्य धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों की निष्पक्ष समीक्षा और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की मांग भी ज्ञापन में रखी गई। इस दौरान विनय रतन ने कहा कि संगठन धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों और अन्य मुद्दों पर न्यायिक प्रक्रिया में विश्वास रखता है। उन्होंने सरकार पर धार्मिक मुद्दों के माध्यम से लोगों को आपस में बांटने का आरोप लगाया और कहा कि वे सहारनपुर सहित देशभर के उन लोगों के साथ हैं जो कानून और न्यायालय की प्रक्रिया में विश्वास रखते हैं।

विनय रतन ने कहा कि सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, उत्तराखंड सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने समझदारी का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि संगठन आगे भी विभिन्न मुद्दों को लेकर अपनी आवाज उठाता रहेगा।

उन्होंने बताया कि 24 सितंबर को भीम आर्मी की ओर से दिल्ली में प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें देशभर से लोगों के शामिल होने की बात कही गई है।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से ज्ञापन में उठाई गई मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

चार साल पुराने मुकदमे में सीकरी का ग्राम प्रधान गिरफ्तार, भाई की तलाश जारी

महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता से विवाद और सरकारी काम में बाधा के मामले में कार्रवाई; प्रधान के खिलाफ एनबीडब्ल्यू के बाद हुई गिरफ्तारी, भाई राजू उर्फ राजकुमार की तलाश में पुलिस दबिश

मोरना। भोपा थाना क्षेत्र के गांव सीकरी स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र पर महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता से विवाद, सरकारी कार्य में बाधा डालने और धमकी देने के आरोप में वर्ष 2021 में दर्ज मुकदमे में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सीकरी के ग्राम प्रधान राजेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मुकदमे में नामजद उसके बड़े भाई राजू उर्फ राजकुमार की तलाश जारी है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

चार साल पुराने इस मुकदमे में कार्रवाई उस समय तेज हुई, जब न्यायालय से आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी होने की बात सामने आई। शिकायतकर्ता महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता की ओर से 10 सितंबर 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग भी की गई थी।

मामला 2 जून 2021 का है। उस समय स्वास्थ्य विभाग के ब्लॉक मोरना के अंतर्गत उपकेंद्र सीकरी पर महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता रचना शर्मा तैनात थीं। उनकी ओर से थाना भोपा में दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया था कि सीकरी के ग्राम प्रधान राजेंद्र और उसके भाई राजू पुत्र राजपाल पिछले करीब 10-15 दिनों से उन पर अपने हिसाब से काम करने का दबाव बना रहे थे। तहरीर के अनुसार दोनों कथित तौर पर महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता से कहते थे कि उनके हिसाब से काम नहीं करने पर उन्हें सीकरी में नौकरी नहीं करने दी जाएगी और उनका स्थानांतरण करा दिया जाएगा। शिकायतकर्ता ने बताया था कि लगातार मिल रही कथित धमकियों से वह परेशान थीं। शिकायत के मुताबिक, 2 जून 2021 को शाम करीब चार बजे दोनों भाई स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता की सरकारी कुर्सी में लात मार दी। इससे वह नीचे गिर गईं और कुर्सी टूट गई। तहरीर में दोनों पर सरकारी कार्य में बाधा डालने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप भी लगाए गए थे। शिकायतकर्ता ने यह भी कहा था कि उसने घटना के संबंध में अपने अधिकारियों को जानकारी दी थी और इसके बाद पुलिस से मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी।

इन धाराओं में दर्ज हुआ था मुकदमा

महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता की शिकायत पर थाना भोपा में मुकदमा अपराध संख्या 211/2021 दर्ज किया गया था। इसमें धारा 353, 189, 427, 504 और 506 आईपीसी के तहत कार्रवाई की गई थी। मुकदमा बाद में न्यायालय में विचाराधीन हो गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, मामले का वाद संख्या 18392/2021 है और इसमें सीकरी के ग्राम प्रधान राजेंद्र तथा उसके बड़े भाई राजू उर्फ राजकुमार को अभियुक्त बनाया गया था। 10 सितंबर 2026 को एसएसपी को दिए प्रार्थना पत्र में रचना शर्मा ने दावा किया था कि ग्राम प्रधान राजेंद्र के खिलाफ न्यायालय द्वारा पिछली कई तारीखों से गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे।

सर्कुलर रोड पर छात्रों के हंगामे का वीडियो वायरल, सड़क किनारे खड़ी बाइक में तोड़फोड़ का दृश्य भी आया सामने

प्रसिद्ध कॉलेज के छात्रों के शामिल होने की चर्चा, वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं, पुलिस जांच के बाद साफ होगी घटना की पूरी तस्वीर

मुजफ्फरनगर। शहर के सर्कुलर रोड से जुड़ा एक वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद चचाओं का दौर शुरू हो गया। वायरल वीडियो में कुछ युवक, जिन्हें छात्र बताया जा रहा है, सड़क पर हंगामा करते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान सड़क किनारे खड़ी एक बाइक में तोड़फोड़ किए जाने का दृश्य भी वीडियो में दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद शहर में घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं।

सड़क पर हंगामा करते नजर आए युवक

वायरल वीडियो में कुछ युवक सड़क पर आपस में हंगामा करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में मौके का माहौल काफी शोर-शराबे वाला नजर आ रहा है। इसी दौरान सड़क किनारे खड़ी बाइक के साथ तोड़फोड़ किए जाने का दृश्य भी कैमरे में कैद बताया जा रहा है। वीडियो सोशल मीडिया के अलग-अलग माध्यमों पर प्रसारित होने के बाद लोगों का ध्यान इस ओर गया।

प्रसिद्ध कॉलेज के छात्रों के शामिल होने की चर्चा

वायरल वीडियो को मुजफ्फरनगर के सर्कुलर रोड का बताया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि हंगामे में शहर के एक प्रसिद्ध कॉलेज के कुछ छात्र शामिल थे। हालांकि, यह जानकारी अभी आधिकारिक रूप से पुष्ट नहीं हुई है और केवल वायरल वीडियो से किसी व्यक्ति की पहचान या घटना में उसकी भूमिका की स्वतंत्र पुष्टि नहीं की जा सकती। वीडियो में बाइक के साथ तोड़फोड़ का दृश्य दिखाई देने के बावजूद यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि बाइक किसकी थी और उसे नुकसान पहुंचाने की वास्तविक वजह क्या थी। यह भी स्पष्ट नहीं है कि हंगामे की शुरूआत किस बात को लेकर हुई। वीडियो में दिखाई देने वाले घटनाक्रम के पीछे का पूरा विवाद फिलहाल सामने नहीं आया है।

वीडियो कब का है, इसकी भी पुष्टि नहीं

वायरल वीडियो को लेकर एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि रिकॉर्डिंग कब की है। फिलहाल वीडियो के समय और घटनास्थल की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में केवल सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के आधार पर घटना के संबंध में किसी अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा।

सार्वजनिक स्थान पर हंगामे से राहगीरों में बनी असहज स्थिति

सर्कुलर रोड शहर का व्यस्त मार्ग है। यदि सार्वजनिक स्थान पर वास्तव में इस तरह हंगामा और वाहन में तोड़फोड़ की घटना हुई है तो इससे राहगीरों और आसपास मौजूद लोगों के बीच असहज स्थिति पैदा हो सकती है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों में भी घटना को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

पुलिस जांच के बाद सामने आएगी वास्तविक तस्वीर

फिलहाल मामले में किसी आधिकारिक कार्रवाई या घटना की विस्तृत पुलिस पुष्टि सामने नहीं आई है। वायरल वीडियो की जांच, घटनास्थल की पुष्टि और संबंधित लोगों से पूछताछ के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि वीडियो कब और कहां बनाया गया, हंगामे में कौन लोग शामिल थे और बाइक में तोड़फोड़ किस कारण से की गई। वायरल वीडियो को लेकर फिलहाल सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यही है कि घटना की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

साइबर ठगी की रकम मंगाकर कैश कराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, म्यूल बैंक खातों का खेल बेनकाब

साइबर अपराधियों के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने और कमीशन लेकर रकम निकालने का आरोप; दो मोबाइल, तीन चेकबुक, तीन पासबुक, तीन एटीएम कार्ड और फर्जी आधार कार्ड बरामद

मुजफ्फरनगर। साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बीच मुजफ्फरनगर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने साइबर ठगी की रकम को म्यूल बैंक खातों में मंगाकर उसे कैश कराने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी साइबर अपराधियों को बैंक खाते उपलब्ध कराते थे। इन खातों में साइबर धोखाधड़ी से प्राप्त रकम आने के बाद आरोपी उसे नकद निकालते और अपना कमीशन काटकर शेष रकम अपने साथियों तक पहुंचाते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन, तीन चेकबुक, तीन पासबुक, तीन एटीएम कार्ड और एक फर्जी आधार कार्ड बरामद किया है।

गृह मंत्रालय के प्रतिबिम्ब पोर्टल से मिले संदिग्ध खातों की जांच में खुलासा

पुलिस के मुताबिक गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विकसित ऑनलाइन पोर्टल ह्यप्रतिबिम्बह्न पर मुजफ्फरनगर से संबंधित साइबर धोखाधड़ी में इस्तेमाल किए गए कुछ संदिग्ध बैंक खातों की जानकारी सामने आई थी। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने इन खातों की गहनता से जांच की। जांच के दौरान सामने आया कि संबंधित बैंक खातों का इस्तेमाल कथित तौर पर साइबर धोखाधड़ी से प्राप्त धनराशि को मंगाने, हस्तांतरित करने और निकालने के लिए किया जा रहा था। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस ने खातों के संचालन और उनसे जुड़ी गतिविधियों की जानकारी जुटाई। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर इन खातों का संबंध साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के विभिन्न मामलों से सामने आया।

कमीशन के बदले उपलब्ध कराते थे म्यूल बैंक खाते

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार

आरोपियों की भूमिका साइबर ठगी करने वाले गिरोह के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने की थी। आरोपी कथित तौर पर ऐसे म्यूल बैंक खाते उपलब्ध कराते थे, जिनमें साइबर अपराधियों द्वारा लोगों से धोखाधड़ी कर हासिल की गई रकम मंगाई जाती थी। इसके बाद खाते से रकम निकालकर आरोपी अपना कमीशन रख लेते थे और बाकी रकम अपने साइबर अपराधी साथियों को भेज देते थे। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर इसी तरह की गतिविधि में शामिल होने की बात बताई है।

नकद निकालने के बाद यूएसडीटी के जरिए भेजते थे रकम

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उनके अन्य साथी साइबर धोखाधड़ी के जरिए रकम म्यूल बैंक खातों में मंगवाते थे। इसके बाद वे इन खातों से रकम नकद निकालते थे। कमीशन अपने पास रखने के बाद बची हुई धनराशि को यूएसडीटी के माध्यम से अपने साथियों को भेजने की बात भी आरोपियों ने बताई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों ने कितने बैंक खाते साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराए और इन खातों के माध्यम से कितनी धनराशि का लेनदेन किया गया।

मेरठ के रहने वाले हैं दोनों गिरफ्तार आरोपी

साइबर क्राइम थाना पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जीशान उर्फ शाहरूख पुत्र रिफाकत अली निवासी कैली, थाना दौराला, जनपद मेरठ तथा मौहम्मद हसन पुत्र जावेद निवासी कैली, थाना दौराला, जनपद मेरठ के रूप में की है। दोनों के खिलाफ थाना साइबर क्राइम मुजफ्फरनगर में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

फर्जी दस्तावेज और बैंकिंग सामान बरामद

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने दो मोबाइल फोन, तीन चेकबुक, तीन पासबुक, तीन एटीएम कार्ड और एक फर्जी आधार कार्ड बरामद किया है। पुलिस इन दस्तावेजों और बैंकिंग उपकरणों की भी जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इनका इस्तेमाल किन-किन बैंक खातों और लेनदेन में किया गया।

बुढ़ाना में ट्रक और ट्रैक्टर की आमने-सामने भिड़ंत, सात लोग घायल

सब्जी मंडी के पास हुआ भीषण सड़क हादसा, चारे से लदे ट्रैक्टर की ट्रक से टक्कर; सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर

बुढ़ाना। बुढ़ाना थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह सब्जी मंडी के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ट्रक और ट्रैक्टर की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में ट्रैक्टर सवारों समेत कुल सात लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायलों को बुढ़ाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पशुओं का चारा लेकर जा रहा था ट्रैक्टर

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब आठ बजे एक ट्रैक्टर बुढ़ाना की ओर से पशुओं का चारा लेकर जा रहा था। जैसे ही ट्रैक्टर सब्जी मंडी के पास पहुंचा, सामने से आ रहे ट्रक से उसकी आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों वाहनों में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई।

टक्कर में ट्रैक्टर सवार कई लोग घायल

हादसे में ट्रैक्टर सवार शराफत पुत्र रज्जाक, हाशिम पुत्र आकिल और अयान पुत्र अनीश समेत कई लोग घायल

बताए गए हैं। वहीं ट्रक चालक मौजीज पुत्र सलीम निवासी मल्लूपुरा, मुरादाबाद भी दुर्घटना में घायल हुआ है। हादसे में कुल सात लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है।

दुर्घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया तथा एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस के पहुंचने पर सभी घायलों को बुढ़ाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन चोटों की गंभीरता को देखते हुए सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने शुरू की हादसे की जांच

हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर पुलिस हादसे की परिस्थितियों और दोनों वाहनों की स्थिति के संबंध में जानकारी जुटा रही है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जमा होने से यातायात भी प्रभावित हुआ।

गंभीर टक्कर से मची अफरा-तफरी

सुबह के समय सब्जी मंडी के पास हुए हादसे के चलते आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने तत्काल घायलों की मदद की और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। फिलहाल घायलों का जिला अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

भगवान विश्वकर्मा के जन्म की पौराणिक कथाएं

वशिष्ठ पुराण और विश्वकर्मा समाज के मतानुसार माघ शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को विश्वकर्मा जयंती आती है, जबकि अन्य मनानुसार कन्या संक्रांति के दिन भी विश्वकर्मा जयंती मनाते हैं। भगवान विश्वकर्मा को देवताओं का शिल्पी कहा जाता है। उन्होंने देवों को लिए महल, अस्त्र और शस्त्रों का निर्माण किया था।

माघे शुकले त्रयोदश्यां दिवापुष्पे पुनर्वसौ।
अष्टा र्विशति में जातो विशवकर्मा भवनि च॥
– वशिष्ठ पुराण

पहली कथा

ब्रह्मा के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तुदेव हुए। धर्म की वस्तु नामक पत्नी से उत्पन्न वास्तु सातवें पुत्र थे, जो शिल्पशास्त्र के आदि प्रवर्तक थे। उन्हीं वास्तुदेव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा उत्पन्न हुए थे।

दूसरी कथा

स्कंद पुराण के अनुसार धर्म के आठवें पुत्र प्रभास का विवाह देवगुरु बृहस्पति की बहन भुवना ब्रह्मवादिनी से हुआ। भगवान विश्वकर्मा का जन्म इन्हीं की कोख से हुआ। महाभारत आदिपर्व अध्याय 16 श्लोक 27 एवं 28 में भी इसका स्पष्ट उल्लेख मिलता है।

तीसरी कथा

वायु पुराण अध्याय 4 के पढ़ने से यह बात सिद्ध हो जाती है कि वास्तव में विश्वकर्मा संतान भृगु ऋषि कुल उत्पन्न हैं।

चौथी कथा

वराह पुराण के अध्याय 56 में उल्लेख मिलता है कि सब लोगों के उपकारार्थ ब्रह्मा परमेश्वर ने बुद्धि से विचारकर विश्वकर्मा को पृथ्वी पर उत्पन्न किया, वह महान पुरुष विश्वकर्मा घर, कुआं, रथ, शस्त्र आदि समस्त प्रकार के शिल्पीय पदार्थों की रचना करने वाला यज्ञ में तथा विवाहादि शुभ कार्यों के मध्य, पूज्य ब्राह्मणों का आचार्य हुआ।

विश्वकर्मा के अवतार और रूप

विश्वकर्मा के पांच अवतारों का वर्णन मिलता है- 1.विराट विश्वकर्मा, 2.धर्मवंशी विश्वकर्मा, 3.अंगिरावंशी विश्वकर्मा, 4.सुधन्वा विश्वकर्म और 5.भृंगुवंशी विश्वकर्मा। इस प्रकार विश्वकर्माजी के अनेक रूपों का उल्लेख मिलता हैं- दो बाहु वाले, चार बाहु और दस बाहु वाले। इसके अलावा एक मुख, चार मुख एवं पंचमुख वाले विश्वकर्मा।

विश्वकर्मा के पांच महान पुत्र

विश्वकर्मा के उनके मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी एवं दैवज्ञ नामक पांच पुत्र थे। ये पांचों वास्तु शिल्प की अलग-अलग विधाओं में पारंगत थे। मनु को लोहे में, मय को लकड़ी में, त्वष्टा को कांसे एवं तांबे में, शिल्पी को ईंट और दैवज्ञ को सोने-चांदी में महारात हासिल थी। राजा प्रियव्रत ने विश्वकर्मा की पुत्री बहिर्ष्मती से विवाह किया था।

देवताओं को शिल्पकार हैं भगवान विश्वकर्मा

बनाई थी सोने की लंका और द्वारका नगरी

हिंदू धर्म में भगवान विश्वकर्मा को दिव्य शिल्पकार और वास्तु कला के जनक के रूप में पूजा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, उन्होंने द्वारका और इंद्रप्रस्थ जैसे भव्य नगरों के निर्माण के साथ कई दिव्य अस्त्र-शस्त्र और भवन भी तैयार किए थे। यही वजह है कि विश्वकर्मा जयंती पर कारीगरों, व्यापारी और उद्योगों से जुड़े लोग अपने कार्यस्थल, मशीनों और औजारों की पूजा करते हैं। मान्यता है कि इससे काम में सफलता और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। हर वर्ष कन्या संक्रांति के अवसर पर विश्वकर्मा पूजा मनाई जाती है।

हिंदू धर्म के अनुयायियों के लिए, विश्वकर्मा जयंती अत्यधिक धार्मिक महत्व रखती है। यह दिन पवित्र बढ़ई और दुनिया के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा के सम्मान में मनाया जाता है। वह भगवान ब्रह्मा के पुत्र भी हैं। उनकी महानता वास्तुकला और यांत्रिकी के विज्ञान, ऋग्वेद और स्थापत्य वेद में वर्णित है। कार्यकर्ता वर्ग के लिए विश्वकर्मा पूजा का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है।

इस दिन, वे भगवान विश्वकर्मा से अपने-अपने क्षेत्र में प्रगति और अपनी मशीनरी के सुचारू और सुरक्षित कामकाज के लिए प्रार्थना करते हैं। शिल्पकार इस दिन विश्वकर्मा पूजा के लिए अपने औजारों पर काम करते हैं और उनका उपयोग करने से परहेज करते हैं। इस प्रकार यह उनके लिए एक छुट्टी है और उनके लिए मुफ्त में कई जगहों पर दोपहर के भोजन का आयोजन किया जाता है।

भगवान विश्वकर्मा की रचना और जन्म से संबंधित किंवदंतियों और विवरणों के बारे में विभिन्न कथाएँ हैं। एक पौराणिक कथा के अनुसार, धर्म भगवान ब्रह्मा के पुत्र, वास्तु की पत्नी का नाम था। वास्तु, शासन करने वाले शिल्प देवता, और वास्तु वास्तु के सातवें पुत्र थे। वही वासुदेव जिन्होंने भगवान विश्वकर्मा को जन्म दिया, जिनकी पत्नी का नाम अंगिरेसी था। स्कंद पुराण के अनुसार, बुद्धिमान धर्म के आठवें पुत्र प्रभास का विवाह अब बृहस्पति की बहन, देवी वादिनी से हुआ था। दिव्य वादिनी विश्वकर्मा की माता थीं। इसके अलावा, वराह पुराण में कहा गया है कि भगवान ब्रह्मा द्वारा लोगों की भलाई के लिए विचारशील व्यक्ति विश्वकर्मा की स्थापना पृथ्वी पर की गई थी। लोगों का मानना है कि भगवान विश्वकर्मा का जन्म विश्वकर्मा दिवस पर ब्रह्मांड के संस्थापक भगवान ब्रह्मा की सातवीं संतान के रूप में हुआ था।

विश्वकर्मा पूजा उत्सव

पूर्वी भारत, जैसे उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, झारखंड और त्रिपुरा में बंगाली भद्रा के महीने के अंतिम दिनों में, विश्वकर्मा पूजा को 'विश्वकर्मा पूजा' के रूप में मनाया जाता है। इसे 'कन्या संक्रांति' या 'संक्रांति भद्रा' के रूप में भी जाना जाता है। विश्वकर्मा पूजा दुनिया भर के शिल्पकारों के लिए सबसे बड़ा और सबसे अनुकूल दिन है। विश्वकर्मा पूजा देश के कुछ हिस्सों में दिवाली के बाद भी मनाई जाती है, खासकर बिहार और कुछ उत्तरी राज्यों में। यह हिंदू कैलेंडर के अनुसार 'माघ' के महीने में मनाया जाता है। विश्वकर्मा पूजा दक्षिणी राज्य केरल में ऋषि पंचमी दिन पर की जाती है।

- विश्वकर्मा जयंती पर बाजारों, संयंत्रों, कार्यालयों और कार्यस्थलों पर विशेष पूजा की जाती है। इन स्थानों को सुंदर फूलों से सजाया जाता है और इस दिन वे उत्सव का रूप धारण करते हैं।
- इस दिन, भक्त भगवान विश्वकर्मा और उनके 'वाहन' हाथी की पूजा करते हैं। विश्वकर्मा की मूर्ति को सजावटी पंडालों में स्थापित किया गया है, जो मुख्य पूजा अनुष्ठानों की मेजबानी करते हैं। इन अनुष्ठानों में अक्सर कर्मचारियों के परिवारों द्वारा भाग लिया जाता है। वाकई बहुत अच्छा और मजेदार माहौल है। लोगों ने एक दूसरे को विश्वकर्मा पूजा दिवस की शुभकामनाएं दी। पूजा संपन्न होने के बाद सभी कार्यकर्ताओं में प्रसाद बांटा जाता है।
- इस दिन, कर्मचारी अपने उपकरणों की पूजा करते हैं और कार्यस्थल बंद रहता है। विश्वकर्मा जयंती दिवस पर एक पेटू उत्सव तैयार किया जाता है। स्टाफ़ और मालिकों सहित सभी इसे एक साथ खाते हैं।
- कुछ इलाकों में इस दिन पतंग उड़ाने की भी परंपरा है। आकाश एक रंगीन युद्धक्षेत्र की तरह दिखता है, और हर कोई सक्षम भावना से एक दूसरे की पतंग काटने का प्रयास करता है।

विश्वकर्मा पूजा का इतिहास

भगवान विश्वकर्मा ब्रह्मांड के दिव्य वास्तुकार हैं। हिंदू मिथकों, शास्त्रों और ज्योतिष की प्राचीन पुस्तकों के अनुसार। उन्होंने पूरे विश्व के विकास का खाका तैयार किया। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने द्वारका पवित्र शहर का निर्माण किया था जिस पर भगवान कृष्ण ने शासन किया था। भगवान विश्वकर्मा ने भी भगवान के लिए शक्तिशाली और विशेष अस्त्र-शस्त्र बनाए हैं और पांडवों की महासभा बनाई है। धार्मिक ग्रंथों से पता चलता है कि भगवान विश्वकर्मा वही हैं जो त्रिपक्षीय ब्रह्मांड – आकाशीय राज्यों और उनके ग्रहों, नश्वर क्षेत्र और उसकी दुनिया, और आकाशीय स्थानों और अन्य दुनियाओं को अस्तित्व में लाए। उन्होंने सत्य युग (स्वर्ग) में स्वर्ग, सोने की लंका, त्रेता युग में, द्वारका शहर, भगवान कृष्ण की द्वापर युग की राजधानी, और वास्तुकला के कई अन्य चमत्कारों का निर्माण किया। उन्होंने गाड़ियों और देवताओं की विभिन्न भुजाओं को आकार दिया और उन्हें सभी अद्वितीय दैवीय विशेषताएं प्रदान कीं। और उन्होंने हमें उद्योग विज्ञान के बारे में बताया, जो हमें हासिल की गई प्रगति को दिखाता है। ऋग्वेद, जिसका नाम संस्कृत में 'सभी पूर्णता' का अर्थ है और जिसे हिंदुओं द्वारा 'प्रिंसली यूनिवर्सल आर्किटेक्ट' माना जाता है, ने इस ब्रह्मांड में मौजूद सभी चीजों की खगोलीय वास्तुकला को अपने हाथों से आकार दिया। सभी इंजीनियरों, वास्तुकारों, शिल्पकारों, निर्माताओं, बुनकरों, इंजीनियरों, लोहार, स्वेटर, औद्योगिक श्रमिकों और कारखाने के श्रमिकों के प्रति श्रद्धा के रूप में उनकी पूजा की जाती है।

घिसी-पिटी चटनी छोड़िए,

घर पर बनाइए आंध्रा स्टाइल टमाटर का अचार; हर निवाले में आएगा स्वाद का चटकारा

नई दिल्ली। रोजाना वही दाल-सब्जी खाते-खाते कई बार मुंह का स्वाद फीका पड़ जाता है। ऐसे में, खाने का मजा बढ़ाने के लिए हम अक्सर आम की चटनी या बाजार के अचार का सहारा लेते हैं। मगर कैसा हो अगर आपको घर पर ही एक ऐसा तीखा और चटपटा स्वाद मिल जाए, जो आपके सादे खाने को भी दावत में बदल दे?

आज हम आपके लिए लाए हैं दक्षिण भारत की एक बेहद खास और लजीज रेसिपी- आंध्रा स्टाइल टमाटर का अचार। तीखेपन और इमली की खटास का यह लाजवाब कॉम्बिनेशन आपकी भूख को दोगुना कर देगा। सबसे खास बात कि इसे बनाना भी बहुत आसान है। आइए जानते हैं।टमाटर का अचार बनाने के लिए सामग्री

लाल पके टमाटरः 500 ग्राम (बारीक कटे हुए) इमलीः नींबू के आकार जितनी (बीज निकली हुई)

लहसुनः 10 से 12 कलियां

लाल मिर्च पाउडरः 2 से 3 बड़े चम्मच

राई : 1 छोटा चम्मच

मेथी दानाः आधा छोटा चम्मच

हल्दी पाउडरः आधा छोटा चम्मच

नमकः स्वादानुसार

तेलः 4-5 बड़े चम्मच (तिल या मूंगफली का तेल हो तो स्वाद और बढ़ जाएगा)

तड़के के लिएः थोड़ी सी राई, जीरा, सूखी लाल मिर्च, हींग और 8-10 कढ़ी पत्ते। टमाटर का अचार बनाने का आसान तरीका

सबसे पहले एक कड़ाही में थोड़ा-सा तेल गरम करें। इसमें कटे हुए टमाटर, इमली, हल्दी और नमक डाल दें। इसे धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक टमाटर पूरी तरह से गल कर पेस्ट जैसे न हो जाएं और इनका सारा पानी न सूख जाए। अब गैस बंद करें और इसे ठंडा होने के लिए रख दें।

जब तक टमाटर ठंडे हो रहे हैं, एक छोटे पैन में राई और मेथी दाने को बिना तेल के हल्का सा भून लें। जब इनमें से अच्छी महक आने लगे, तो गैस बंद करें और ठंडा होने पर मिक्सी में पीसकर बारीक पाउडर बना लें। अब ठंडे हो चुके टमाटर-इमली के पेस्ट में तैयार किया हुआ राई-मेथी का पाउडर और लाल मिर्च पाउडर मिला दें। साथ ही लहसुन की कलियों को हल्का सा कुचल कर इसमें डाल दें।

आंध्रा स्टाइल का कोई भी अचार अच्छे तड़के के बिना अधूरा है। एक पैन में बचा हुआ सारा तेल गरम करें। तेल गरम होते ही उसमें राई, जीरा, सूखी लाल मिर्च, हींग और कढ़ी पत्ते डालें। जब तड़का चटकने लगे, तो इसे टमाटर के पेस्ट के ऊपर डाल दें और चम्मच से अच्छी तरह मिला लें। बस, आपका चटपटा और लजीज आंध्रा स्टाइल टमाटर का अचार तैयार है। आप इसे किसी साफ और सूखे कांच के जार में भरकर रख लें।

यूपीआई सरचार्ज तोड़ेगा व्यापारियों की कमर, सरकार पुनर्विचार करे : विकास जैन

नोएडा। यूपीआई भुगतान पर सरचार्ज 0.4 लगाए जाने की चर्चाओं के बीच उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने इसका कड़ा विरोध किया है। व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए व्यापारियों ने खुले मन से यूपीआई को अपनाया है। ऐसे में यूपीआई लेनदेन पर अतिरिक्त शुल्क लगाने से व्यापारियों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ेगा।

विकास जैन ने कहा कि वर्तमान समय में अधिकांश छोटे और मध्यम व्यापारियों के कारोबार में मुनाफे का मार्जिन पहले ही काफी कम हो चुका है। कई क्षेत्रों में व्यापारी महज 2-3 प्रतिशत के मार्जिन पर कारोबार करने को मजबूर हैं। ऐसे में यदि डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त 0.4 सरचार्ज लगाया जाता है तो उसका सीधा असर व्यापारी की कमाई पर पड़ेगा।

उन्होंने कहा, 'केंद्र सरकार डिजिटल भुगतान इसलिए लेकर आई थी कि आम नागरिक और व्यापारी को सुविधा मिले, न कि व्यापारियों की लागत बढ़े। व्यापारी पहले ही महंगाई, प्रतिस्पर्धा, किराए, कर्मचारियों के वेतन और अन्य व्यावसायिक खर्चों का सामना कर रहा है। ऐसे में यूपीआई पर अतिरिक्त शुल्क उसकी कमर तोड़ने का काम करेगा।'

जरूरी: विकास जैन ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में ऑनलाइन कारोबार के साथ-साथ परंपरागत बाजारों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। स्थानीय बाजार केवल खरीद-बिक्री के केंद्र नहीं हैं, बल्कि लाखों परिवारों की आजीविका उनसे जुड़ी हुई है।

परंपरागत बाजारों की रौनक बचाना

उन्होंने कहा, 'अगर परंपरागत बाजार कमजोर होंगे तो बाजारों की गलियां कैसे गुलजार रहेंगी? सामाजिक और सामुदायिक गतिविधियों में भी स्थानीय व्यापारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लोग आज भी चंदा-चिट्ठा, सामाजिक सहयोग और अनेक सार्वजनिक कार्यों के लिए अपने स्थानीय बाजार और व्यापारियों के पास जाते हैं। इसलिए पारंपरिक बाजारों को मजबूत करना भी उतना ही जरूरी है।'

उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि यूपीआई व्यवस्था को सरल और कम लागत वाली बनाए रखा जाए तथा छोटे व्यापारियों पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त वित्तीय बोझ न डाला जाए।

व्यापारी व्यापार बंद कर क्या करे : निखिल अग्रवाल

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल ने भी यूपीआई सरचार्ज के मुद्दे पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि व्यापारी लगातार बदलती व्यापारिक परिस्थितियों के बीच अपने कारोबार को बचाने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त लागत व्यापारियों के लिए नई चुनौती बन सकती है।

निखिल अग्रवाल ने कहा, 'जब व्यापारी का मार्जिन ही दो-तीन प्रतिशत रह गया है तो अतिरिक्त शुल्क आखिर वह कहां से देगा? क्या व्यापारी अपना व्यापार बंद करके दूसरों पर निर्भर हो जाए? सरकार को जमीनी स्तर के व्यापारी की वास्तविक स्थिति को समझना होगा।'

उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान आज व्यापार की आवश्यकता बन चुका है और व्यापारी ग्राहकों की सुविधा के लिए यूपीआई स्वीकार कर रहा है। इसलिए इस व्यवस्था की लागत का बोझ छोटे व्यापारियों पर डालने के बजाय ऐसा समाधान निकाला जाना चाहिए जिससे ग्राहक और व्यापारी दोनों को सुविधा मिले।

सरकार से पुनर्विचार की मांग: विकास जैन ने कहा कि उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल व्यापारियों की इस चिंता को सरकार के समक्ष मजबूती से उठाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन वित्त मंत्रालय और संबंधित अधिकारियों के समक्ष व्यापारियों की समस्याओं को रखेगा और मांग करेगा कि यूपीआई भुगतान पर व्यापारियों से अतिरिक्त सरचार्ज न लिया जाए।

उन्होंने कहा कि देश में डिजिटल अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के साथ-साथ छोटे दुकानदार, खुदरा व्यापारी और पारंपरिक बाजार भी मजबूत रहने चाहिए। डिजिटल इंडिया और मजबूत बाजार व्यवस्था एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए, प्रतिस्पर्धी नहीं।

व्यापार मंडल ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि किसी भी नए शुल्क या चार्ज से पहले छोटे एवं मध्यम व्यापारियों पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव का व्यापक अध्ययन किया जाए और व्यापारी हित में निर्णय लिया जाए।

नोएडा सेक्टर-105 में 10-15 वर्ष पुराने मकानों पर 'लेबर सेस' के नोटिसों से भारी रोष, आरडब्ल्यूए ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

नोएडा। नोएडा सेक्टर-105 के निवासियों में उप श्रम आयुक्त कार्यालय द्वारा 10 से 15 वर्ष पूर्व बने मकानों के लिए भेजे जा रहे 'निर्माण उपकर' (लेबर सेस) के भारी-भरकम और मनमाने नोटिसों को लेकर गहरा असंतोष तथा आक्रोश फैल गया है। वर्ष 2017-18 के काल्पनिक जीआईएस सैटेलाइट सर्वे के आधार पर बिना किसी धरातलीय जांच के मकानों की निर्माण लागत कई गुना बढ़ाकर तय कर दी गई है। जिन मकानों के निर्माण में वास्तव में चार से पांच लाख रुपये का खर्च आया था, उनकी लागत जबरन 11 लाख रुपये या उससे अधिक दिखाकर दो प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज और 100 प्रतिशत पेनल्टी के साथ नोटिस जारी किए जा रहे हैं। नोटिसों की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए सेक्टर की निवासी श्रीमती कमलेश गुप्ता (मकान सं. क्र235) को 94.50 लाख रुपये की काल्पनिक लागत दर्शाकर 94,500 रुपये, श्री जमील अहमद (B-270) को 86,351 रुपये और श्री जय चंद एस. (B-229) को 11,886 रुपये के मनमाने नोटिस थमा दिए गए हैं।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने श्रम विभाग की इस पूरी कार्यप्रणाली और अपनाई गई प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। श्रम विभाग के नियमों के अनुसार यदि लेबर सेस से संबंधित कोई देयता बनती भी थी, तो निर्माण कार्य पूरा होने के अधिकतम तीन वर्ष के भीतर नोटिस जारी किया जाना चाहिए था। दस से पंद्रह वर्ष का लंबा समय बीत जाने के बाद वसूली नोटिस भेजना पूरी तरह से नियमों के विपरीत और गैर-कानूनी है। इसके अलावा जिन नागरिकों ने हाल ही में बने-बनाए मकान रीसेल में खरीदे हैं, उन्हें भी नोटिस जारी कर दिए गए हैं। पूर्व मकान मालिकों के समय की बकाया देनदारी की जिम्मेदारी नए खरीदारों पर थोपना पूरी तरह से अन्यायपूर्ण और तर्कहीन है। विभाग ने नियमानुसार प्राथमिक नोटिस, सुनवाई और सही मूल्यांकन की पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने के बजाय तीन वर्ष की कानूनी सीमा बीतने के बाद सीधे भारी पेनल्टी और ब्याज के नोटिस थमा दिए हैं। जबकि सभी निवासियों ने नोएडा प्राधिकरण से लीज डीड, जल विभाग, अकाउंट्स और कम्प्लीशन सर्टिफिकेट (सी सी) सहित सभी आवश्यक एन ओ सी प्राप्त करके ही निर्माण व खरीद की प्रक्रिया पूरी की थी, और लीज डीड या सी सी की प्रक्रिया में लेबर सेस का कोई उल्लेख तक नहीं था।

सेक्टर-105 में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारी और वरिष्ठ नागरिक निवास करते हैं, जिन्होंने अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी से मकान बनाए थे या हाल ही में खरीदे हैं। निर्माण के इतने वर्षों बाद अचानक आए इन भारी-भरकम नोटिसों से बुजुर्ग निवासी और नए खरीदार अत्यधिक मानसिक तनाव और आर्थिक उत्पीड़न झेलने को मजबूर हैं।

आरडब्ल्यूए सेक्टर-105 के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर इस गंभीर समस्या में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। आरडब्ल्यूए ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाई है कि जनहित में हस्तक्षेप करते हुए सेक्टर-105 के निवासियों व नए खरीदारों को जारी किए गए सभी अनुचित नोटिसों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कराया जाए। इसके साथ ही बंद कमरों में सैटेलाइट सर्वे के जरिए की जा रही एकतरफा उपकर निर्धारण प्रक्रिया पर तुरंत रोक लगाई जाए, पुराने मकान मालिकों की देनदारी नए खरीदारों पर डालने की व्यवस्था को बंद किया जाए तथा नोएडा प्राधिकरण से कम्प्लीशन सर्टिफिकेट और एन ओ सी प्राप्त पुराने निर्माणों को इस प्रक्रिया से पूरी तरह बाहर रखा जाए।

ग्यारहवें आयुर्वेदिक दिवस पर विकास भवन एवं आईटीबीपी परिसर में आयोजित हुए स्वास्थ्य एवं परामर्श शिविर

गौतमबुद्धनगर। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, जनपद गौतमबुद्धनगर डॉ. वन्दना रानी ग्यारहवें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आज आयुर्वेद विभाग, जनपद गौतमबुद्धनगर द्वारा विकास भवन एवं आईटीबीपी परिसर, सूरजपुर में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य एवं परामर्श शिविर आयोजित किए गए। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस की थीम 'स्वस्थ कल के लिए आयुर्वेद' है, जिसे 'एक स्वास्थ्य, एक भविष्य' के विजन से जोड़ा गया है।

आयोजित शिविरों में मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, प्रभारी जिला विकास अधिकारी नेहा सिंह, अधिशासी अधिकारी दादरी शालिनी गुप्ता सहित अन्य कार्मिकों एवं जनसामान्य द्वारा स्वास्थ्य जांच कराई गई। आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया गया। चिकित्सकों द्वारा स्वस्थ जीवनशैली, दैनिक दिनचर्या, आहार-विहार, रोगों की रोकथाम एवं आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य-संवर्धन के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ने बताया कि आयुर्वेद दिवस के अवसर पर जनपद में विभिन्न प्रमुख स्थलों पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने के साथ ही राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों के निकटवर्ती ग्रामों में चौपालों के माध्यम से जन-जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अभियान के प्रमुख केंद्रों में बेहतर स्वास्थ्य परिणामों के लिए एकीकृत स्वास्थ्य सेवा, आयुर्वेद में साक्ष्य, अनुसंधान एवं नवाचार तथा सामुदायिक कल्याण एवं सतत जीवनशैली को बढ़ावा देना शामिल है।

कार्यक्रम का उद्देश्य आयुर्वेद की रोग-निवारण एवं स्वास्थ्य-संवर्धन की अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाना तथा लोगों को संतुलित आहार, स्वस्थ दिनचर्या एवं बेहतर जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक करना है।

आयुर्वेद विभाग द्वारा जनपद में आयोजित किए जा रहे इन कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को आयुर्वेद की उपयोगिता से अवगत कराते हुए स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

इस अवसर पर जिला होम्योपैथी अधिकारी डॉ प्रीति सिंघल, आयुर्वेदिक चिकित्सक उपस्थित रहे।

300 से अधिक बेसहारा आत्माओं के 'मुक्तिदाता' बने सोनू राणा

नोएडा। जिस दौर में इंसान अपनों के कंधों की आस में दम तोड़ देता है, उस दौर में सोनू राणा जैसे फ़रिश्ते समाज के लिए उम्मीद की एक जलती शमा बनकर सामने आते हैं। अब तक 300 से भी अधिक लावारिस और अज्ञात शवों को सम्मानजनक मोक्ष दिला चुके सोनू राणा ने इंसानियत, करुणा और निस्वार्थ सेवा की ऐसी अमर पटकथा लिखी है, जिसे पढ़कर हर आँख नम हो जाए।

हाल ही में 'अपना घर आश्रम' में पिछले दो वर्षों से बेबसी का जीवन जी रही एक लावारिस बहन ने जब अपनी अंतिम सांसें लीं, तो सोनू राणा ने राजनीति, जात-पात और समाज की बंदिशों से परे हटकर एक सगे भाई की तरह उस बहन की डोर संभाली।

पिछले दो सालों से आश्रम की शांत चारदीवारी में अपनी ढलती सांसें गिन रही इस बहन का इस दुनिया में

कोई नामलेवा नहीं था। न कोई हाल पूछने वाला था और न ही अंत समय में उसकी बिन बोली वेदना को समझने वाला। जब मृत्यु के बाद उसकी देह पंचतत्व में विलीन होने का इंतज़ार कर रही थी, तब 300 से अधिक लावारिसों के 'अपने' बन चुके सोनू राणा का दिल एक बार फिर तड़प उठा। सोनू ने नम आंखों से कहा– 'यह कोई लावारिस काया नहीं, मेरी अपनी बहन है। जब तक इसका भाई ज़िंदा है, यह अकेली नहीं जाएगी।'

अंतिम यात्रा का दृश्य इतना मर्मस्पर्शी था कि श्मशान में मौजूद हर शख्स की रूह कांप उठी। सोनू ने पूरे धार्मिक विधि-विधान और वैदिक परंपराओं के साथ अपनी बहन की अर्थी को कांधा दिया। श्मशान घाट पर जब हवा में चिता की लपटें उठीं और सोनू ने कांपते हाथों से अपनी बहन को मुखाग्नि दी, तो वहां उपस्थित हर व्यक्ति की आंखें छलक पड़ीं।

300 से अधिक लावारिसों को सम्मानपूर्वक विदा करने वाले सोनू राणा ने अंतिम संस्कार के बाद रुंधे गले से बस इतना कहा– 'हर बार जब किसी बेसहारा का अंतिम संस्कार करता हूँ, तो यही महसूस होता है कि ईश्वर ने मुझे केवल इसी सेवा के लिए चुना है। रिश्ते केवल पेट की कोख से नहीं, बल्कि दिल के जुड़ाव से जन्म लेते हैं। इस बहन को विदा करके मुझे लगा कि एक भाई का फर्ज पूरा हो गया।'

सोनू राणा का यह अद्वितीय सेवा भाव और 300 से अधिक लावारिसों को सम्मान देने की यह यात्रा पूरे समाज के लिए एक महान प्रेरणा है। सोनू के इस निस्वार्थ कार्य, अद्भुत कलेजे और संस्कारों की पूरे क्षेत्र में भावुक मन से जमकर सराहना हो रही है। सोनू राणा ने यह सिद्ध कर दिया कि जब तक उनके जैसे संवेदनशील दिल इस समाज में हैं, तब तक इंसानियत कभी बेसहारा नहीं हो सकती।

वायु प्रदूषण के खिलाफ परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई

गौतमबुद्धनगर। माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के आदेशों के अनुपालन में परिवहन विभाग, गौतमबुद्धनगर द्वारा जनपद में समयसीमा पूर्ण कर चुके वाहनों के विरुद्ध सघन प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत नियमों का उल्लंघन करते पाए गए 650 से अधिक वाहनों को जब्त कर पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केंद्र को सुपुर्द किया गया है, जहां नियमानुसार वाहनों की स्क्रैपिंग की प्रक्रिया की जा रही है।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) डॉ उदित नारायण पाण्डेय ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की रोकथाम एवं पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल तथा 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध लागू है। प्रतिबंधित वाहनों का सड़कों पर संचालन अथवा सार्वजनिक स्थानों पर पार्किंग नियमों का उल्लंघन है। इसी के दृष्टिगत परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीमों द्वारा जनपद में लगातार चेकिंग एवं प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है।

प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर चलाया गया सघन चेकिंग अभियान: परिवहन विभाग की विभिन्न प्रवर्तन टीमों द्वारा जनपद के प्रमुख चौराहों, एक्सप्रेसवे एवं आंतरिक मार्गों पर विशेष चेकिंग अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वाले 650 से अधिक कारों, एसयूवी एवं व्यावसायिक वाहनों को जब्त किया गया। जब्त किए गए वाहनों को नियमानुसार अधिकृत ऋक्कस्न्न केंद्रों को सुपुर्द किया गया है, जहां उन्हें स्क्रैप किए जाने की प्रक्रिया नियमानुसार संपादित की जा रही है।

वाहन स्वामियों से प्रतिबंधित वाहनों का संचालन न करने की अपील: परिवहन विभाग द्वारा वाहन स्वामियों से अपील की गई है कि यदि उनके पास 10 वर्ष से अधिक पुराना डीजल अथवा 15 वर्ष से अधिक पुराना पेट्रोल वाहन है, तो उसका सार्वजनिक मार्गों पर संचालन न करें तथा सार्वजनिक स्थानों अथवा सड़क किनारे पार्किंग से भी बचें। ऐसे वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार प्रवर्तन कार्रवाई की जाएगी।

RVSF को सुपुर्द वाहनों के संबंध में CoD का लाभ: विभाग द्वारा बताया गया कि RVSF को सुपुर्द किए गए वाहनों के संबंध में नियमानुसार स्क्रैप मूल्य देय होगा। इसके साथ ही वाहन स्वामी को सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट (CoD)/जमा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। नियमानुसार इसका उपयोग नया वाहन खरीदते समय रोड टैक्स में छूट एवं वाहन निर्माता की ओर से उपलब्ध अतिरिक्त लाभ प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है।

समयसीमा पूरी होने वाले वाहनों के लिए NOC का विकल्प: जिन वाहन स्वामियों के वाहन निर्धारित आयु सीमा पूरी करने वाले हैं, वे समय रहते परिवहन विभाग से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर ऐसे वाहनों को उन राज्यों अथवा जिलों में स्थानांतरित कर सकते हैं, जहां संबंधित प्रतिबंध लागू नहीं है। इसके लिए वाहन स्वामियों को निर्धारित नियमों एवं प्रक्रिया का पालन करना होगा।

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वायु प्रदूषण की रोकथाम, पर्यावरण संरक्षण एवं नियमों के प्रभावी अनुपालन के लिए जनपद में प्रवर्तन अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। प्रतिबंधित एवं समयसीमा पूर्ण कर चुके वाहनों का संचालन करते पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सपा ने गौतमबुद्ध नगर में बदला जिलाध्यक्ष, इंदर प्रधान को सौंपी कमान

नोएडा। समाजवादी पार्टी ने गौतमबुद्ध नगर जिले में संगठन की कमान में बड़ा बदलाव किया है। पार्टी ने वर्तमान जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी को उनके पद से हटा दिया है। उनकी जगह पर अब इंदर प्रधान (इंद्रजीत भाटी) को नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

जानकारी के अनुसार, यह नियुक्ति बुधवार शाम को राष्ट्रीय अध्यक्ष के निजी सचिव गंगाराम की ओर से जारी किए गए पत्र के माध्यम से की गई है। हाल ही में यानी 12 सितंबर को समाजवादी पार्टी की एक जिला बैठक आयोजित की गई थी। उस बैठक की अध्यक्षता सुधीर भाटी ने ही की थी, जिसमें आगामी एमएलसी चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई थी। खास बात यह है कि उस महत्वपूर्ण बैठक में इंदर प्रधान भी मौजूद थे। गौतमबुद्ध नगर जिले में जिलाध्यक्ष के पद पर यह बदलाव ऐसे वक्त में किया गया है, जब पार्टी लगातार जिले में

अपनी संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने और आने वाले चुनावों की तैयारियों को धार देने में जुटी हुई है। पिछले दिनों 12 सितंबर को हुई जिला बैठक के दौरान पार्टी के तमाम नेताओं ने आगामी एमएलसी स्नातक एवं शिक्षक चुनाव की तैयारियों को लेकर सभी कार्यकर्ताओं से अपनी सक्रियता को और अधिक बढ़ाने का आह्वान किया था। अब नए जिलाध्यक्ष इंदर प्रधान के कंधों पर जिले के भीतर पार्टी संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। इसके साथ ही उन्हें कार्यकर्ताओं के बीच आपसी तालमेल और समन्वय बनाए रखने की भी अहम जिम्मेदारी निभानी होगी। इस अचानक हुई नियुक्ति के बाद से ही पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच नए जिलाध्यक्ष को लेकर तरह-तरह की चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

प्रदेश सरकार की पहल से अंतरा ने बदली खेती की राह, पॉली हाउस में उग रही नई उम्मीद

गौतमबुद्धनगर। खेती हमारे गांवों और किसानों के जीवन का अहम हिस्सा है। समय के साथ खेती के तरीके भी बदल रहे हैं। किसान अब पारंपरिक खेती के साथ नई तकनीक और नए विकल्पों को भी अपना रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की किसान हितैषी योजनाएं और आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने की पहल किसानों को इस बदलाव से जोड़ने में मदद कर रही हैं।

गौतमबुद्धनगर के विकास खण्ड दनकौर के ग्राम सरकपुर की श्रीमती अंतरा कुमारी भी इसी बदलाव की एक मिसाल हैं। उन्होंने सरकारी योजना के सहयोग से 2,500 वर्गमीटर क्षेत्र में पॉली हाउस स्थापित कर विभिन्न प्रकार की सब्जियों की संरक्षित खेती शुरू की है।

अंतरा के लिए यह सिर्फ खेती का एक नया तरीका अपनाने की बात नहीं थी। यह अपनी जमीन पर कुछ नया करने, नई तकनीक सीखने और खेती को एक नए नजरिए से देखने की शुरुआत थी।

जब पारंपरिक खेती से आगे बढ़ने का लिया फैसला: किसान के लिए अपनी जमीन पर कोई नई तकनीक अपनाना आसान फैसला नहीं होता। इसके लिए नई जानकारी, मेहनत और सबसे बढ़कर अपने फैसले पर भरोसा जरूरी होता है।

अंतरा कुमारी ने भी इसी भरोसे के साथ संरक्षित खेती की ओर कदम बढ़ाया। पॉली हाउस के माध्यम से उन्होंने अपनी कृषि भूमि पर विभिन्न प्रकार की सब्जियों की खेती शुरू की।

खुले खेत में मौसम का सीधा असर खेती पर पड़ता है। वहीं पॉली हाउस जैसी तकनीक खेती को अधिक व्यवस्थित तरीके से करने का अवसर देती है। अंतरा ने इसी तकनीक को अपनाकर अपनी खेती में एक नई शुरुआत की।

उनकी मेहनत और सरकारी योजना से मिले सहयोग ने मिलकर सरकपुर में खेती की एक नई तस्वीर तैयार की।

सरकारी योजना बनी नई शुरुआत का आधार: नई तकनीक अपनाने की राह में किसानों के सामने कई तरह की चुनौतियां होती हैं। ऐसे समय में सरकारी योजनाओं के माध्यम से मिलने वाला सहयोग उन्हें आगे बढ़ने का भरोसा देता है।

अंतरा कुमारी को भी सरकारी योजना के माध्यम से पॉली हाउस स्थापित करने में सहयोग मिला। परियोजना की कुल लागत ?40 लाख है, जिसमें कृषक अंश ?20 लाख तथा ?20 लाख का अनुदान शामिल है। कुल परियोजना लागत का 50 प्रतिशत सहयोग उद्यान विभाग के माध्यम से अनुदान के रूप में दिया जा रहा है, जबकि 50 प्रतिशत कृषक अंश है। इस सहयोग से उन्हें संरक्षित खेती को अपनाने और अपनी कृषि भूमि पर नए अवसर तलाशने का मौका मिला।

योजना का लाभ जब किसान की मेहनत और नई सोच से जुड़ता है, तो उसका असर जमीन पर दिखाई देता है। सरकपुर में अंतरा कुमारी का पॉली हाउस इसी बदलाव की एक तस्वीर है।

यहां आधुनिक तकनीक के साथ विभिन्न प्रकार की सब्जियों की खेती की जा रही है और खेती को नए तरीके से आगे बढ़ाने की कोशिश दिखाई देती है।

सब्जियों के साथ बढ़ता आत्मविश्वास: पॉली हाउस में तैयार होती विभिन्न प्रकार की सब्जियों के बीच अंतरा की मेहनत साफ दिखाई देती है। एक महिला किसान के रूप में आधुनिक तकनीक को अपनाने का उनका यह

कदम ग्रामीण क्षेत्र की दूसरी महिलाओं के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण बन सकता है।

आज खेती केवल पारंपरिक फसलों तक सीमित नहीं रह गई है। किसान अपनी जरूरत और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार संरक्षित खेती, सब्जी उत्पादन और आधुनिक तकनीक जैसे विकल्पों को अपना रहे हैं।

अंतरा की पहल भी इसी बदलती सोच की कहानी है। उन्होंने अपनी खेती में एक नया प्रयोग किया और दिखाया कि सही अवसर मिलने पर किसान अपनी पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर नए रास्ते तलाश सकता है।

एक पॉली हाउस, कई नई संभावनाएं: अंतरा कुमारी की कहानी में सबसे खास बात है–नई शुरुआत करने का उनका साहस।

2,500 वर्गमीटर क्षेत्र में बना पॉली हाउस आज उनके खेत की पहचान बन चुका है। इसके भीतर विभिन्न प्रकार की सब्जियों की खेती हो रही है और आधुनिक कृषि तकनीक के साथ खेती को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहल सिर्फ एक खेत तक सीमित नहीं है। यह आसपास के किसानों और विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को यह संदेश भी देती है कि खेती में बदलाव के लिए नई तकनीक और सरकारी योजनाओं की जानकारी का लाभ उठाकर नए विकल्प तलाशे जा सकते हैं।

अंतरा की कहानी बताती है कि बदलाव हमेशा बड़ा कदम उठाने से नहीं, बल्कि एक सही फैसले से शुरू होता है।

मेहनत से बनी बदलाव की कहानी: सरकपुर की अंतरा कुमारी ने सरकारी योजना से मिले सहयोग को एक अवसर के रूप में लिया और अपनी मेहनत से उसे जमीन पर उतारा।

आज उनके खेत में खड़ा पॉली हाउस केवल एक संरचना नहीं, बल्कि उनकी नई सोच और मेहनत की पहचान है। विभिन्न प्रकार की सब्जियों की खेती के साथ यहां आधुनिक कृषि की एक नई तस्वीर दिखाई देती है।

यह कहानी यह भी बताती है कि जब सरकारी सहयोग, आधुनिक तकनीक और किसान की मेहनत एक साथ आते हैं, तो खेती में नए रास्ते खुल सकते हैं।

अंतरा की यह पहल आने वाले समय में उनके लिए नई संभावनाओं का आधार बन सकती है और दूसरी महिला किसानों को भी आधुनिक खेती की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकती है।

खेत में उग रही सिर्फ सब्जियां नहीं, नई उम्मीद भी: सरकपुर की यह कहानी एक महिला किसान की मेहनत और बदलती कृषि सोच की कहानी है।

अंतरा कुमारी ने सरकारी योजना के सहयोग से 2,500 वर्गमीटर में पॉली हाउस स्थापित किया और विभिन्न प्रकार की सब्जियों की संरक्षित खेती को अपनाया। उनका यह कदम दिखाता है कि नई तकनीक को अपनाने की सोच और मेहनत के साथ खेती को एक नई दिशा दी जा सकती है।

आज पॉली हाउस में उगती सब्जियों के साथ एक और चीज भी दिखाई देती है–नई उम्मीद।

उम्मीद इस बात की कि गांव की जमीन पर नई तकनीक के साथ खेती के नए रास्ते बनाए जा सकते हैं। उम्मीद इस बात की कि महिलाओं की भागीदारी से कृषि की तस्वीर और मजबूत हो सकती है। और उम्मीद इस बात की कि सरकारी योजनाओं का सहयोग जब किसान की मेहनत से जुड़ता है, तो उसका असर खेत तक पहुंचता है।

अंतरा कुमारी की कहानी इसी नई उम्मीद की कहानी है–उत्तर प्रदेश सरकार का सहयोग, आधुनिक तकनीक और किसान की मेहनत साथ आएं, तो खेती में बदलाव की नई शुरुआत की जा सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

नोएडा प्राधिकरण में ट्रैक्टर से पहुंचे राकेश टिकैत, 17 सूत्रीय मांगों पर हुई दो घंटे की वार्ता

नोएडा। सेक्टर-96 स्थित नोएडा प्राधिकरण कार्यालय पर भारतीय किसान यूनियन के अनिश्चितकालीन धरने के दौरान राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत पहुंचे। अधिकारियों के अनुरोध पर वे किसानों की समस्याओं को लेकर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करुणेश से वार्ता के लिए तैयार हुए।

चौधरी राकेश टिकैत धरनास्थल से ट्रैक्टर पर सवार होकर सैकड़ों किसानों के साथ प्राधिकरण कार्यालय के अंदर पहुंचे। उन्होंने कहा, 'नोएडा प्राधिकरण के अंदर पहुंचने वाला यह पहला ट्रैक्टर और किसानों की समस्याओं को लेकर आयोजित पहला धरना है। यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और लंबा तथा व्यापक किया जाएगा।'

चौधरी राकेश टिकैत की अध्यक्षता में लगभग दो घंटे चली महत्वपूर्ण बैठक में किसानों के 17 सूत्रीय मांगपत्र पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। बैठक का संचालन भाकियू गौतमबुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने किया।

प्राधिकरण की ओर से सीईओ कृष्णा करुणेश, एसीईओ पुष्पराज सिंह, ओएसडी क्रांति शेखर, ओएसडी हर्षिता तिवारी, डीजीएम आर.पी. सिंह, एस.के. सिंह, ए.के. अरोड़ा, मीणा भार्गव सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

किसान प्रतिनिधियों में एनसीआर अध्यक्ष परविंदर अवाना, राजीव मलिक, मटरू नागर, श्रीपाल कसाना, विपिन प्रधान, रविंद्र भगत जी, अनिल खारी, जोगिंदर कसाना, शैलेश बेसोया सहित बड़ी संख्या में किसान एवं भाकियू कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक के उपरांत चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई वार्ता की समीक्षा करने के बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो भी निर्णय होगा, वह नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना–तीनों प्राधिकरणों से संबंधित किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। किसानों की मांगों का ठोस समाधान होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

कार से रेकी कर बाइक चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में लग्जरी कार से घूमकर बाइक चोरी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। थाना एक्सप्रेस-वे पुलिस टीम ने सेक्टर-168 में बने छपरौली टी-प्वाइंट से दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के पास से और उनकी निशानदेही पर चोरी की छह मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की जाने वाली एक आई-10 कार, आईफोन, नकद रुपये और अवैध हथियार भी जब्त किए गए हैं।

एडीसीपी नोएडा मनीषा सिंह ने बताया कि 16 सितंबर को थाना एक्सप्रेस-वे पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए सेक्टर-168 स्थित छपरौली टी-प्वाइंट के पास से दो शातिर चोरों को दबोच लिया। पकड़े गए पहले आरोपी की पहचान सागर यादव के रूप में हुई है, जो हरी बाबू का बेटा है। वहीं दूसरे आरोपी की पहचान सोनू कुमार के रूप में हुई है, जो सोनपाल सिंह का बेटा है। दोनों आरोपियों से मौके पर ही पूछताछ की गई और उनकी तलाशी ली गई।

आरोपियों से बरामद हुए हथियार और नकदी: तलाशी के दौरान पुलिस को आरोपियों के पास से अवैध हथियार और अन्य सामान मिला। आरोपी सागर यादव के कब्जे से एक आईफोन-13 प्रो, 1300 रुपये नकद, .315 बोर का एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया गया। इसके साथ ही दूसरे आरोपी सोनू कुमार के पास से पुलिस को एक अवैध चाकू मिला है। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने में इस्तेमाल की जा रही आई-10 कार को भी अपने कब्जे में ले लिया है। इसके अलावा आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की कुल छह मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं।

कार से रेकी और झाड़ियों में छिपाते थे बाइक: पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने अपनी कार्यप्रणाली का खुलासा किया है। आरोपियों ने बताया कि वे आई-10 कार में सवार होकर दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग क्षेत्रों में घूमते थे। इस दौरान वे ऐसी मोटरसाइकिलों की रेकी करते थे, जो सुनसान जगह या कम निगरानी वाले स्थानों पर खड़ी होती थीं। मौका मिलते ही वे बाइक का लॉक तोड़कर उसे चोरी कर लेते थे। चोरी की गई बाइक को वे तुरंत अपने पास नहीं रखते थे, बल्कि उसे किसी सुनसान जगह पर झाड़ियों में छिपाकर रख देते थे। इसके बाद सही समय और मौका देखकर चोरी की गाड़ियों को कम दामों में बेच देते थे और अवैध कमाई करते थे।

आपराधिक नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस: वारदात का खुलासा होने के बाद पुलिस आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुट गई है। पुलिस की टीम अब बरामद हुई छहों मोटरसाइकिलों के संबंध में दर्ज मुकदमों की जानकारी जुटा रही है।

पीएफ जमा नहीं कर रहीं कंपनियां जांच के दायरे में

नोएडा। जिले में पीएफ जमा नहीं करने वाली लगभग दस हजार कंपनियां जांच के दायरे में हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने इन कंपनियों को नोटिस भेजे हैं। साथ ही संगठन की ओर से इस बात की जांच की जा रही है कि कंपनियों का पीएफ जमा होना किस वजह से बंद हुआ है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन से मिली जानकारी के अनुसार नोएडा में सितंबर 2025 से मई 2026 तक 7160 कंपनियों ने कर्मचारियों का पीएफ जमा नहीं किया है। इसमें मार्च 2026 से मई 2026 तक पीएफ नहीं जमा करने वाली कंपनियों की संख्या 564 है। दूसरी तरफ, ग्रेटर नोएडा में 2705 कंपनियां ऐसी हैं, जिन्होंने एक साल से कर्मचारियों का पीएफ नहीं जमा किया है।

ग्रेटर नोएडा के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रथम वैभव सिंह ने कहा कि कंपनियों ने पीएफ क्यों नहीं जमा किया है, इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को उनकी पीएफ सुविधाओं से वंचित नहीं रखा जा सकता है। कंपनियां यदि पीएफ के दायरे में आ रही हैं या पीएफ कटौती के बाद भी यह राशि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में नहीं जमा की जा रही है तो कर्मचारी भी इसकी शिकायत क्षेत्रीय कार्यालय में दे सकते हैं। शिकायत के आधार पर इसकी जांच की जाएगी।

100 फीसदी तक जुर्माना लगेगा: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने कर्मचारी नामांकन अभियान, 2026 शुरू किया है, जो एक जुलाई 2026 से प्रभावी है और 31 अक्टूबर 2026 तक जारी रहेगा। इसमें कंपनियों को पिछले नामांकन अंतराल को नियमित करने और छूटे हुए पात्र कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करने में मदद करना है। पात्र कंपनियां और कर्मचारी निर्धारित ऑनलाइन घोषणा पत्र जमा करके कंपनी के पोर्टल के माध्यम से अपना नामांकन पूरा कर सकते हैं। इसमें कंपनियों को एक मुश्त जुर्माना सिर्फ 100 रुपये जमा करना होगा।

श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी को राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एवं भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने दी श्रद्धांजलि

नोएडा। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल पंडित कलराज मिश्रा जी (बाबूजी) की धर्मपत्नी श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन पर आज राजस्थान के महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े जी एवं भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल जी ने उनके नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

दोनों वरिष्ठ नेताओं ने दिवंगत श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा श्रद्धेय कलराज मिश्रा जी एवं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर डॉ। कुमार विश्वास कवि, महंत श्रीमद जगद्गुरु रामानुजाचार्य, स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज, मुकेश राजपूत सांसद फर्रुखाबाद, डॉ भोला सिंह राष्ट्रीय मंत्री (सांसद बुलंदशहर), सतीश गौतम सांसद अलीगढ़, अनिल पराशर विधायक अलीगढ़, सीमा उपाध्याय

जिला पंचायत अध्यक्ष, नंद किशोर गुर्जर विधायक, पूर्व राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा, मेयर विनोद अग्रवाल (मुरादाबाद), श्री चंद शर्मा एमएलसी, जेके सीमेंट के चेयरमैन राघवपत सिंघानिया, राजेश यादव प्रदेश उपाध्यक्ष, सतीश शर्मा, अनिल कुमार पांडेय, करण शर्मा, उन्होंने दिवंगत आत्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शांति के लिए प्रार्थना करते हुए ईश्वर से शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक व्याप्त है। उनके सरल, सहज एवं स्नेहपूर्ण व्यक्तित्व को स्मरण करते हुए बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों एवं शुभचिंतकों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन घड़ी में धैर्य एवं शक्ति प्रदान करें।

इस अवसर पर स्रष्ट विजय बहादुर पाठक, वीरेंद्र तिवारी, जिला महामंत्री अमित त्यागी, पद्मेश द्विवेदी, राहुल शर्मा, मिथिलेश राय, आलोक चौहान, अजय राजभर, सौरभ त्रिपाठी, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे और पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

संक्षिप्त समाचार

छज्जे से गिरी किशोरी की मौत

नोएडा। गेझा गांव में मंगलवार शाम घर की दूसरी मंजिल के छज्जे पर बैठी किशोरी फिसलकर सड़क पर जा गिरी। गंभीर रूप से घायल हुई किशोरी की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से बिहार निवासी मुन्ना राय पिछले कई वर्षों से गेझा गांव में सुबीश त्यागी के घर में किराये पर रहते हैं। मुन्ना राय मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनकी 16 वर्षीय बेटी नंदिनी कुमारी कक्षा नौ में पढ़ाई कर रही थी। मंगलवार शाम पुलिस को यथार्थ अस्पताल से सूचना मिली कि एक किशोरी को घायलावस्था में लाया गया है।

सिर से अत्यधिक खून बहने के चलते उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस को परिजन ने बताया कि मंगलवार शाम बिजली चले जाने के बाद नंदिनी घर के छज्जे पर बैठी थी। अचानक वह फिसल गई और सड़क पर जा गिरी। चीख-पुकार मचते ही परिवार के लोग और आसपास के लोग किशोरी को घायलावस्था में लेकर अस्पताल पहुंचे। पुलिस का कहना है कि परिजन के मुताबिक, हादसे में किशोरी की मौत हुई है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया है। हादसे की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कट मारने का विरोध किया तो युवक पर कार चढ़ाई

नोएडा। सीआरपीएफ कैंप के समीप नशे में धुत युवकों ने कार से पहले एक बाइक में पीछे से टक्कर मारी। फिर नीचे गिरे युवक पर कार चढ़ा दी। घायल ने तेज रफ्तार में कार चलाने और कट मारने का विरोध किया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सुत्याना गांव निवासी अभिषेक ने पुलिस को बताया कि उसका भाई अंशुल 13 सितंबर को अपने दोस्त सुमित के साथ लखनावली से बाइक पर सवार होकर घर लौट रहा था। सीआरपीएफ कैंप के समीप नशे में धुत युवकों ने उनके बराबर से तेज रफ्तार में कार निकाली और सामने से कट मार कर निकल गए।

अंशुल और उसके दोस्त ने इस बात का विरोध किया। आरोप है कि कुछ दूर आगे जाकर आरोपी चालक ने कार से अंशुल की बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने पर बाइक सड़क पर गिर गई और अंशुल और सुमित नीचे गिर गए। इसी बीच आरोपी चालक ने कार को तेजी से पीछे हटाया और सड़क पर गिरे अंशुल के ऊपर कार चढ़ा दी। इसके बाद आरोपी वहां से भाग गए। इस घटना में अंशुल को गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां आईसीयू में उसका इलाज चल रहा है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस कार के नंबर के आधार पर आरोपी चालक और उसके साथियों की तलाश की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

राधाष्टमी के लिए इस्कॉन मंदिर में तैयारियां तेज

नोएडा। सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर में राधाष्टमी की तैयारियां शुरू हो गई हैं। 19 सितंबर को होने वाले आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में साफ-सफाई और श्रद्धालुओं के लिए कई तरह की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मंदिर प्रबंधन के अनुसार राधाष्टमी का मुख्य कार्यक्रम सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक होगा। इस अवसर पर राधा-कृष्ण का विशेष पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा, जिसमें दूध, दही, घी, शहद, फलों के रस और पुष्प सहित अन्य सामग्री का प्रयोग किया जाएगा। बड़ी संख्या में महिलाएं बैठकर भजन और हरिनाम संकीर्तन करेंगी। मंदिर प्रबंधन द्वारा श्रद्धालुओं को राधा-कृष्ण के दर्शन के लिए व्यवस्था की जा रही है। इस उपलक्ष्य में श्रद्धालुओं को फल का प्रसाद भी वितरित किया जाएगा।बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर प्रबंधन द्वारा आने-जाने की व्यवस्था की जाएगी। इस्कॉन मंदिर द्वारा राधाष्टमी का महोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का अंतिम प्रमुख कार्यक्रम होगा। इसके अलावा शहर की अन्य धार्मिक जगहों, घरों और सोसाइटियों में भी राधाष्टमी का महोत्सव मनाया जाएगा।

शौक पूरे करने के लिए प्राइवेट नौकरी छोड़ गांजा तस्करी में उतरा युवक, 4.376 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार

नोएडा। शहर में एक प्राइवेट नौकरी करने वाले युवक ने अपने शौक और खर्चे पूरे करने के लिए गांजा तस्करी का धंधा शुरू कर दिया। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को सोम बाजार कट के पास से पकड़ा है। आरोपी के पास से पुलिस टीम को काफी मात्रा में गांजा, नकद रकम और एक मोटरसाइकिल मिली है।

थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल के अनुसार, पुलिस की टीम ने बीट पुलिसिंग और गोपनीय सूचना के आधार पर यह पूरी कार्रवाई की है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने सोम बाजार कट के पास आरोपी को घेरकर गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान मोहित कुमार पुत्र बंशी लाल के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी मोहित कुमार की उम्र करीब 30 वर्ष बताई गई है। पुलिस के अनुसार, पकड़ा गया मोहित कुमार मूल रूप से उन्नाव जिले के बांगरमऊ थाना क्षेत्र के रहने वाले महोलिया गांव का निवासी है। वर्तमान में वह नोएडा के सेक्टर-39 थाना क्षेत्र में आने वाले छलैरा गांव में रह रहा था और यहीं रहकर एक प्राइवेट नौकरी कर रहा था।

कम कीमत में गांजा लाकर पुड़िया बनाकर बेचता था: पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपी मोहित कुमार ने बताया कि वह नोएडा में प्राइवेट नौकरी करता था, लेकिन नौकरी से जो आय होती थी, उससे उसके शौक पूरे नहीं हो पाते थे। ज्यादा पैसा कमाने के लिए उसने कथित तौर पर गांजा तस्करी करने का रास्ता चुना। वह बिहार और पश्चिम बंगाल से कम कीमत पर गांजा खरीदकर नोएडा लाता था। इसके बाद वह उस गांजे की छोटी-छोटी पुड़िया तैयार कर लेता था। इन पुड़ियों को वह भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाकर नशे के आदी लोगों को बेचता था। गांजा बेचकर जो पैसा मिलता था, उसका उपयोग वह अपने निजी खर्च और शौक-मौज पूरे करने के लिए करता था।

एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज, बाइक हुई सीज: पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 4 किलो 376 ग्राम गांजा, बिक्री से मिले 750 रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

डूब क्षेत्र में बिजली अधिकार की मांग 23 महिला, 8 पुरुषों ने शुरू किया आमरण अनशन

नोएडा। भारतीय किसान परिषद का धरना प्रदर्शन दसवें दिन भी डूब क्षेत्र में बिजली का अधिकार दिलाने की मांग को लेकर महिलाओं एवं बच्चों की भारी मौजूदगी के साथ पूरे जोश और संकल्प के साथ जारी रहा। दसवें दिन धरने की एक अनोखी और गंभीर भूमिका उभरकर सामने आई, जिसमें कामगार वर्ग की 23 महिलाओं एवं 8 पुरुषों ने दिन और रात की भूख हड़ताल पृथला ब्रिज के पास धरना स्थल पर प्रारंभ कर दी। आमरण अनशन करने वाले कामगार वर्ग के लोगों ने स्पष्ट संदेश दिया,

'हम अपनी जान तक देने को तैयार हैं, जब तक बिजली नहीं मिलेगी, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा।'

भारतीय किसान परिषद के समर्थकों द्वारा शासन और प्रशासन को स्पष्ट संदेश दिया गया कि

मातृशक्ति अपने मातृ प्रेम और अपने बच्चों के अधिकारों के लिए हर कसौटी पर खरा उतरने के साथ-साथ हर बलिदान देने को तैयार है। अब स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि मातृशक्ति हड़ताल पर अपना दिया तक त्यागने को तैयार है, लेकिन प्रशासन पूरी तरह मूक बनकर बैठा हुआ है।

प्रशासन इस बात से भली-भांति परिचित है कि डूब क्षेत्र के मध्य से हिंडन नदी बहती है। यदि प्रशासन ने समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए, तो अगला कदम महिलाओं द्वारा हिंडन नदी में प्रवाहित होने का होगा।

लापता व्यक्ति का मिला सड़ा-गला शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

नोएडा। ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रेटर नोएडा के जलपुरा इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां भारत पेट्रोल पंप के पास बनी पार्किंग में घर से लापता हुए एक व्यक्ति का सड़ा-गला शव बरामद किया गया है। शव मिलने की इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान 40 वर्षीय राजीव पुत्र विनोद के रूप में हुई है, जो न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, कुलेसरा के रहने वाले थे। इस घटना के सामने आने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई और शव का पंचायतनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, राजीव मूलरूप से ग्राम पिलखुनी, थाना सिढपुरा, जिला कासगंज के रहने वाले थे। वह वर्तमान में ग्रेटर नोएडा की न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी कुलेसरा में अपने परिवार के साथ रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, गत 12 सितंबर की रात को राजीव बिना किसी को बताए अपने घर से चुपचाप बाहर चले गए थे। जब वह काफी समय तक वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। हरसंभव प्रयास के बाद भी जब उनका कहीं कोई सुराग नहीं लगा, तो परिजनों ने ईकोटेक-3 थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पार्किंग में मिला शव और पुलिस की जांच: मंगलवार रात डायल-112 के माध्यम से स्थानीय पुलिस को सूचना मिली कि जलपुरा स्थित भारत पेट्रोल पंप के पास एक पार्किंग में किसी व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। इस सूचना के मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त लापता राजीव के तौर पर कराई। शव की हालत काफी खराब और सड़ी-गली थी, जिसके चलते उसे तुरंत पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर बारीकी से निरीक्षण किया और वहां से जरूरी साक्ष्य जुटाए।

दूध लेकर घर जा रही महिला के सिर पर ईंट से हमला

नोएडा। कासना कोतवाली क्षेत्र के पचायतन गांव में एक महिला पर बीच रास्ते में हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के एक युवक ने महिला के साथ गाली-गलौज की और सिर पर ईंट से हमला कर दिया। घायल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पचायतन निवासी मनफूल की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मनफूल ने पुलिस को बताया कि मंगलवार को उनकी भाभी राजबीरी अपने भतीजे आशु के यहां से दूध लेकर घर लौट रही थी।

इसी बीच रास्ते में शेखर ने गाली-गलौज की और सड़क पर पड़ी ईंट उठाकर राजबीरी के सिर पर दे मारी। इस हमले में महिला घायल हो गई। महिला को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने आरोपी शेखर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि पानी को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था।

19वें ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल नोएडा 2026 का शुभारंभ

नोएडा। 19वें ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल नोएडा 2026 का शुभारंभ 16 सितंबर को नोएडा फिल्म सिटी में हुआ। जो 16 से 18 सितंबर तक आयोजित होगा। इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में सिनेमा, मीडिया, कला, संस्कृति और शिक्षा से जुड़े देश-विदेश के प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समारोह का प्रमुख विषय 'फिल्म उद्योग के आगे विकास के लिए केंद्र सरकार का सहयोग आवश्यक है' रहा। इस अवसर पर महात्मा गांधी फोरम का पोस्टर भी जारी किया गया।

फेस्टिवल के अध्यक्ष डॉ. संदीप मारवाह ने कहा कि ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल केवल फिल्मों के प्रदर्शन का मंच नहीं, बल्कि सीखने, अनुभव साझा करने और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संवाद का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें मंच पर उनके साथ बैठे अनुभवी विशेषज्ञों से जितना संभव

हो, उतना सीखना चाहिए, क्योंकि यह समय दोबारा वापस नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि आज अर्जित किया गया ज्ञान और अनुभव भविष्य में उनकी सफलता की नींव बनेगा।

डॉ. मारवाह ने कहा, 'सिनेमा देशों के बीच सबसे मजबूत पुलों में से एक है। ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल नोएडा को फिल्मों, क्रिएटिविटी, एजुकेशन और कल्चर के माध्यम से दुनिया को एक साथ लाने के विजन के साथ बनाया गया है।' इस अवसर पर समारोह में केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन, प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी और टी.पी. अग्रवाल, फिल्म एक्टर मुकेश त्यागी, पंजाबी पॉप सिंगर जसबीर जस्सी सहित फिल्म एवं मीडिया जगत की अनेक हस्तियां उपस्थित रहीं। विभिन्न देशों के राजनयिकों में फिलिस्तीन, अब्दुल्ला मोहम्मद ए अबुशावेश, नेपाल डॉ. ए.एस. सुरेंद्र थापा ,सेशेल्स के महामहिम राजदूत महामहिम हरिसोआ लालाटियाना एकौचे प्रतिनिधि शामिल हुए। अन्य अतिथियों में सहर्ष शुक्ला, मुराद अली, मंदिरा विर्क, उज्जवल त्रिवेदी, बिपिन चंद्र भट्ट, गरिमा जैन, मोनिका सिंह शमिल हुए । इस अवसर पर फेस्टिवल डायरेक्टर अशोक त्यागी ने कहा इस तरह के फेस्टिवल छात्रों को अच्छे काम के लिए अग्रसर करते है, गौरव द्विवेदी ने कहा की दूरदर्शन की अपनी पहचान है जो वर्षो से वर्षो तक लोगों के जहन में रहेगी।

फेस्टिवल में वेनेजुएला की फिल्म 'द हेयर्स', जिसका निर्देशन पाब्लो डी ला बारा ने किया है, का प्रदर्शन भी किया गया। वेनेजुएला दूतावास के सांस्कृतिक प्रतिनिधि अल्फ्रेडो काल्डेरा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों और युवा फिल्मकारों का उत्साहवर्धन करते हुए सिनेमा को शिक्षा, संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का प्रभावी माध्यम बताया।

दिल्ली में वृद्धावस्था पेंशन के 9946 आवेदन अटके, 7 दिन में निपटाने के आदेश; 22512 स्लॉट खाली

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बुजुर्गों को मिलने वाली वृद्धावस्था पेंशन के लिए बड़ी संख्या में आवेदन लंबित हैं। सामाज कल्याण विभाग से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक एक जनवरी से आठ सितंबर तक उपलब्ध 16,194 पेंशन स्लाट के लिए आवेदन आए, लेकिन इनमें से 9,946 आवेदन अब तक लंबित हैं। विभाग ने इन सभी मामलों को विशेष अभियान के तहत सात दिन में निपटाने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली में वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत कुल 38,706 स्लाट हैं, जिनमें अभी 22,512 स्लाट खाली हैं। इस अवधि में प्राप्त आवेदनों में से 6,150 को मंजूरी दी गई, जबकि 98 आवेदन खारिज हुए हैं। यानी प्राप्त आवेदनों में आधे से अधिक मामलों पर अभी फैसला नहीं हुआ है। जबकि नए आवेदन के निपटारे के लिए निर्धारित समयसीमा 45 दिन है। जिला स्तर पर सबसे ज्यादा आवेदन उत्तर-पश्चिम-2 में 4,058 लंबित हैं। इसके बाद पश्चिम में 1,675 और उत्तर-पूर्व में 1,626 मामले लंबित हैं। उत्तर में 897, दक्षिण में 489, नई दिल्ली में 399 और उत्तर-पश्चिम-1 में 375 आवेदन लंबित हैं। वहीं पूर्व में 293, मध्य में 106 और दक्षिण-पश्चिम में 18

आवेदन लंबित हैं।

विभाग ने सभी जिला समाज कल्याण अधिकारियों को लंबित मामलों की दैनिक निगरानी करने और सात दिन के भीतर उनका निपटारा सुनिश्चित करने को कहा है। किसी आवेदन को वैध और दर्ज कारण के बिना लंबित नहीं रखा जा सकेगा। निर्धारित ई-एसएलए समय सीमा से अधिक देरी होने पर मामले की अलग से समीक्षा होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, जिला स्तर पर अधिकारियों की कमी भी लंबित मामलों की एक वजह है। कई जगह एक ही जिला समाज कल्याण अधिकारी को दो-तीन जिलों का काम संभालना पड़ रहा है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि सात दिन की समयसीमा मौजूदा लंबित मामलों को खत्म करने के विशेष अभियान के लिए है। नए आवेदनों के लिए निर्धारित 45 दिन की समयसीमा में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

बाढ़, प्रदूषण और ट्रैफिक पर पहले से होगी नजर, आईआईटी दिल्ली के स्टार्टअप ने बनाया शहर का 4-डीडिजिटल ट्विन

नई दिल्ली, एजेंसी। शहर में भारी बारिश के बाद जलभराव होने का इंतजार किए बिना यह पता लगाया जा सकेगा कि किन इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है। इसी तरह जमीन के धीरे-धीरे धंसने, यातायात के दबाव और प्रदूषण में बदलाव की भी निगरानी एक ही प्लेटफार्म से की जा सकेगी।

आइआइटी दिल्ली के एफआइटीटी में इनक्यूबेटेड जियोस्पेशियल एआइ स्टार्टअप अर्थसेंस लैब्स ने भारतीय शहरों के लिए जियोट्विन नाम से 4-डी डिजिटल ट्विन प्लेटफार्म तैयार किया है।

यह तकनीक किसी शहर की डिजिटल प्रतिकृति तैयार कर उसमें लगातार होने वाले बदलावों को रिकार्ड करेगी और उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर संभावित जोखिमों का पूर्वानुमान लगाने में मदद करेगी। प्लेटफार्म में शहरी बाढ़ का पूर्वानुमान, भूमि धंसाव की निगरानी, भूस्खलन मानचित्रण, यातायात और प्रदूषण निगरानी जैसी सुविधाएं एक साथ जोड़ी गई हैं। इसके लिए ड्रोन और हवाई लिडार सर्वे, उपग्रह तस्वीरें, इनसार सैटेलाइट माप, मौसम व वर्षा के पूर्वानुमान, यातायात फीड और जमीन पर लगे आइओटी सेंसर से मिलने वाले आंकड़ों को एक ही माडल में जोड़ा जाएगा। यानी शहर के अलग-अलग विभागों और प्रणालियों से आने वाले डाटा को एक साथ देखकर शहरी प्रशासन को निर्णय लेने में मदद मिलेगी। जियोट्विन में मौसम और वर्षा से जुड़े पूर्वानुमान के साथ शहर की भौगोलिक और जमीनी जानकारी को जोड़ने की व्यवस्था है। इससे शहरी बाढ़ के जोखिम का पूर्वानुमान लगाने में मदद मिल सकती है। वहीं इनसार आधारित माप के जरिये भूमि के धंसाव पर नजर रखी जा सकेगी। स्टार्टअप के अनुसार, इसका उद्देश्य अलग-अलग समस्याओं के लिए अलग-अलग तकनीक इस्तेमाल करने

के बजाय शहर से जुड़े प्रमुख जोखिमों को एकीकृत प्रणाली में समझना है। नगर निकाय अपने पास रख सकेंगे डाटा प्लेटफार्म की एक अहम विशेषता इसका सावरेन स्वरूप है। नगर निकाय और अन्य संस्थान अपने डाटा का स्वामित्व अपने पास रख सकेंगे। जरूरत पड़ने पर जियोट्विन को संस्थान के अपने परिसर में ही संचालित किया जा सकेगा। इसके परिणामों को मौजूदा शहरी योजना और कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम में ओपन एपीआइ के माध्यम से जोड़ा जा सकता है। अर्थसेंस के सह-संस्थापक एवं सीईओ डा. निर्देष कुमार शर्मा के मुताबिक, शहर हर दिन बदलता है और ऐसे में जियोस्पेशियल एआइ व वैज्ञानिक माडलिंग को शहरी प्रशासन के रोजमर्रा के फैसलों से जोड़ना जरूरी है। वहीं सह-संस्थापक एवं आइआइटी दिल्ली के एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. मानवेंद्र सहारिया ने कहा कि शहरी संस्थानों को बुनियादी ढांचे, पर्यावरण और जोखिमों की एकीकृत तस्वीर चाहिए, जबकि डाटा संस्थानों के नियंत्रण में रहना भी जरूरी है।

दिल्ली का ऐसा गांव जहां खुद देना पड़ता है पहरा, 2 महीनों से परेशान; चोर के आतंक से खुली पुलिसिंग की पोल

नईदिल्ली, एजेंसी। रानीखेड़ा देश की राजधानी का एक ऐसा गांव है, जहां आज भी लोगों को ठीकरी पहरा लगाकर अपने जानमाल की सुरक्षा करनी पड़ रही है। यह हालत तब हैं जब गांव से थाना महज तीन किलोमीटर की दूरी पर है। दूसरी ओर पूर्वी दिल्ली के एक थाने के देश में टॉप 10 पर आने के बाद पुलिस दावा कर रही थी कि चुटकियों में अपराध कम हो सकता है। यहां गांव में चोरी की घटनाएं गत दो माह से बढ़ गई हैं। हर साल सर्दियों में चोरी की घटनाएं यहां रुकने का नाम ही नहीं लेतीं। ग्रामीण चोरों का पीछा करते हैं तो उन पर फायरिंग तक कर दी जाती है। 4500 की आबादी वाले गांव रानीखेड़ा में लगातार बढ़ती चोरी की घटनाओं ने ग्रामीणों की नींद उड़ा रखी है। इन घटनाओं से बचने के लिए ग्रामीणों ने गांव को चार हिस्सों में बांटकर ठीकरी पहरा देना शुरू कर दिया है। हर घर से एक युवक रात में बारी-बारी से ड्यूटी दे रहा है

और गलियों से लेकर गांव की सीमाओं तक निगरानी कर रहा है। ग्रामीण एवं सेवानिवृत प्रिंसिपल सुनील दत्त भारद्वाज ने बताया कि स्थानीय एमपी, एमएलए चुनाव से पहले आते हैं, उसके बाद कोई दिखाई तक नहीं देता। चोरी की घटनाएं बढ़ीं तो मजबूरी में सीसीटीवी लगाए और अब ठीकरी पहरे का इंतजाम भी करना पड़ा है। पहले चोरी की घटनाओं का पता नहीं चलता था, जब से गांव का इंटरनेट मीडिया का ग्रुप बना है तो चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

गांव के दीपेन भारद्वाज के यहां एक लाख रुपये व सोने की गिन्नी चोरी हुई, कुछ पता नहीं चला। पुलिस को शिकायत दी है। गांव के एमसीडी पार्क से गाड़ी चोरी हो गई और रसूलपुर में पिंटे की छह भैंस चोरी हो गईं। चोरों का कोई सुराग नहीं है। रोजाना कोई न कोई घटना हो ही रही है। साथ लगती कॉलोनियों के लोग भी परेशान रानीखेड़ा के आसपास भाग्य विहार, योगीराज पुरम, मीर विहार और एकता विहार जैसी कालोनियां बसी हुई हैं। इन इलाकों में दस हजार से अधिक आबादी बाहर से आकर बसे लोगों की है।

सत्यवती कॉलेज में डुसू चुनाव को लेकर खूनी संघर्षः दो गुटों में झड़प, दो गाड़ियों में तोड़फोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। सत्यवती कॉलेज में छात्र संघ चुनाव को लेकर मंगलवार देर रात छात्रों के दो गुटों के बीच झड़प हो गई। विवाद बढ़ने पर छात्रों ने वजीरपुर गांव के पास हंगामा करते हुए दो गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। सूत्रों ने बताया गोली भी चली लेकिन पुलिस इनकार किया। घटना की सूचना मिलते ही भारत नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक झगड़े में शामिल छात्र वहां से फरार हो चुके थे। पुलिस के अनुसार, घटना में सत्यवती कॉलेज के छात्र अंश (19) और भविष्य चौधरी (19) के बीच झगड़े की बात सामने आई है। मौके पर दो क्षतिग्रस्त वाहन मिले। मामले की सूचना मिलने के बाद क्राइम टीम और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने दोनों छात्रों के मेडिकल परीक्षण (एमएलसी) भी कराए हैं। प्रारंभिक जांच में विवाद का संबंध छात्र संघ चुनाव को लेकर छात्रों के बीच चल रही तनातनी से बताया जा रहा है। पुलिस ने मामले में शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर झगड़े में शामिल अन्य छात्रों की पहचान की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में इस साल 179 दिन साफ रही हवा, 10 साल का टूटा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में इस साल 15 सितंबर तक 179 दिन साफ हवा दर्ज की गई, जो पिछले

एक दशक में सबसे अधिक है। पर्यावरण विभाग के अनुसार, 2025 में इसी अवधि में 172 साफ हवा के दिन दर्ज हुए थे, जबकि 2016 में यह संख्या केवल 94 थी। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इसे दिल्ली की वायु गुणवत्ता में निरंतर सुधार का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि धूल, कचरे और वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर लगातार कार्रवाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। सरकार के अनुसार, 15 सितंबर को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 98 रहा, जो संतोषजनक श्रेणी में है। पिछले 24 घंटे में 81 मैकेनाइज्ड रोड स्वीपर ने करीब 2279 किलोमीटर सड़कों की सफाई की और 170 मीट्रिक टन सड़क की धूल हटाई गई। वाहनों से जुड़े प्रदूषण उल्लंघनों पर 4976 चालान किए गए। इसी अवधि में करीब 12,715 टन कचरे और 2113 टन निर्माण एवं विध्वंस मलबे का निस्तारण किया गया। भलस्वा, गाजीपुर और ओखला लैंडफिल पर बायोमाइनिंग के जरिये करीब 19,212 मीट्रिक टन पुराने कचरे का प्रसंस्करण भी किया गया।

दिल्ली में 53 नई फास्ट ट्रैक अदालतों का रास्ता साफ, 427 सहायक पदों को एलजी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एलजी तरनजीत सिंह संधू ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायिक सेवा (डीएचजेएस) की नवगठित 53 अदालतों के लिए विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत 427 सहायक पदों के सृजन को मंजूरी दी। लोक निवास अधिकारियों के अनुसार, नई अदालतों का गठन त्वरित विशेष अदालतों (एफटीएससी) की स्थापना के लिए किया गया है और सहायक कर्मचारियों की नियुक्ति से इनका 'पूर्ण और प्रभावी संचालन' सुनिश्चित होगा। स्वीकृत पदों में 58 रीडर, वरिष्ठ न्यायिक सहायक, 58 वरिष्ठ निजी सहायक (स्टेनोग्राफर), 58 निजी सहायक (स्टेनोग्राफर), 58 अहल्मद, 58 सहायक अहल्मद, 20 स्टाफ कार चालक और 117 एमटीएस (बहु–कार्य कर्मचारी) शामिल हैं। सभी श्रेणियों में 10 प्रतिशत अवकाश आरक्षित भी शामिल है। 'प्रशासनिक सुधार विभाग ने विधि विभाग के परामर्श से इस प्रस्ताव की जांच की और इसे मंजूरी के लिए अनुशंसित किया।

पहले थम्स-अप, फिर गंदे इशारे, गुरुग्राम हिट एंड रन केस में राइडर सिया के भाई का खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में गोल्फ कोर्स रोड पर रविवार को हुई रोड रेज की घटना को लेकर पीड़ित बाइकर शिवानी चौहान के भाई दीपांकर बताते हैं कि सुबह लगभग 7.30 बजे घटना हुई। है। वहीं पिता रोशन चौहान बताते हैं कि इतना सब होने के बाद भी बेटी बिल्कुल भी नहीं डरी, न उसे डरने की जरूरत है। जिन लोगों ने गलत किया, डर उन्हें लगना चाहिए। शिवानी के दो भाई हैं, हर्ष और दीपांकर। समाजसेवा के साथ

आठ बजे तक जब दीदी को थोड़ा आराम हुआ तो मेरे पास फोन किया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि राइडिंग गियर होने के बावजूद उनके घुटने में सूजन है। पीठ और गर्दन की मसल्स में खिंचाव है। बायें हाथ और दोनों हथेलियों में खरोंच है।

घटना को लेकर शिवानी कहती हैं कि कार सवार सभी आरोपितों की गिरफ्तारी होनी चाहिए। गुरुग्राम में लड़कियों की सुरक्षा बिल्कुल भी नहीं ही राजनीति में भी उनकी रुचि है। प्रॉपर्टी के बिजनेस में पिता का हाथ भी बंटाती हैं। दीपांकर बताते हैं कि दीदी का दो-तीन दोस्तों का ही ग्रुप है।

उन्हीं के साथ गुरुग्राम में बाइकर्स कैफे में महीने में एक-दो बार सुबह के समय जाना होता है। बाकी बाइकर्स भी गुरुग्राम में ही मिलते थे। कुल मिलकर 20-25 बाइकर का ग्रुप है। पहले स्कूटी चलाती थीं, पर बाइकों का भी शौक था।

सात-आठ महीने पहले ही अप्रिलिया आरएस 457 बाइक लगभग साढ़े चार लाख रुपये में खरीदी थी। पूरे राइडिंग गियर के साथ ही बाइकिंग करती हैं। रविवार सुबह भी बाइक लेकर सभी गोल्फ कोर्स रोड पर पहुंचे।

आमतौर पर छुट्टी वाले दिन ये रोड थोड़ी खाली रहती है। ग्रुप राइडिंग से पहले कैमरा ऑन किया। सामान्य गति में वीडियो बनाते हुए सभी चल रहे थे। आठ-नौ किलोमीटर की दूरी करने के बाद कार चालक ने तेजी से ओवरटेक करके आगे आया।

पहले तो उसने थम्स अप कर ग्रुप का उत्साह बढ़ाया। फिर स्पीड एकदम से धीमी की। दूरी बनाए रखने के लिए दीदी ने भी स्पीड कम की। पर वह अभद्र इशारे कर बाइक रुकवाने की कोशिश करने लगा। जिस पर दीदी ने उसे दूर रहने का ही इशारा किया। बाइक तीसरी लेन पर थी और कार पहली लेन पर। फिर वह एकदम से ओवरटेक करते हुए टक्कर मारकर भाग निकला। पिता रोशन चौहान बताते हैं कि बेटी शिवानी राजनीतिक और सामाजिक तौर पर काफी सक्रिय है। बिजनेस में मेरा भी साथ देती है। काम का तनाव कम करने के लिए वो महीने में एकाध रविवार दोस्तों के साथ गुरुग्राम के बाइकर्स कैफे जाती है।

सुबह के समय आमतौर पर सड़कें खाली रहती हैं।

डायबिटीज के मरीजों के न भरने वाले घावों पर बड़ी खोज, आईआईटी दिल्ली ने बनाया खास स्प्रे; चूहों पर टेस्ट सफल

नई दिल्ली, एजेंसी। मधुमेह के मरीजों के लंबे समय से न भरने वाले घाव में बार-बार मलहम- पट्टी करने की आवश्यकता अब जल्द खत्म होने की उम्मीद है।

आईआईटभ दिल्ली के सेंटर आफ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के शोधकर्ताओं ने ऐसा स्प्रे करने योग्य ऐसा हाइड्रोजेल विकसित किया है, जिसे सीधे घाव पर छिड़का जा सकता है। जो बिना किसी मलहम और पट्टी घाव को जल्द से जल्द ठीक कर देता है।

चूहों पर किए गए परीक्षण में इसके बेहतर और सार्थक परिणाम मिले। शोधकर्ताओं ने हाइड्रोजेल की तुलना बाजार में उपलब्ध स्प्रे से की। परीक्षण में नए हाइड्रोजेल से करीब छह दिन में घाव भर गए, जबकि बाजार में मिलने वाले स्प्रे इससे कहीं कमजोर रहे।

हाइड्रोजेल से घाव भरने, नई कोशिकाओं के बनने, कोलेजन जमने और नई रक्त वाहिकाओं के निर्माण में भी सुधार देखा गया, जबकि बाजार में मिलने वाले स्प्रे में यह इतना प्रभावी नहीं मिला।

शोधकर्ताओं का दावा है कि हाइड्रोजेल में जीवाणुरोधी प्रभाव के साथ सूजन और आक्सीकरण नुकसान को कम करने की क्षमता भी पाई गई। 'एडवांस्ड हेल्थकेयर मैटेरियल्स' में प्रकाशित इस शोध

के लेखक आइआइटी दिल्ली बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सचिन कुमार बी हैं।

इसका भारतीय पेटेंट आवेदन किया जा चुका है। बताया गया कि इसमें आइआइटी के शोधकर्ताओं के साथ एम्स दिल्ली के शोधार्थी भी शामिल हैं, अब एम्स चिकित्सकों के सहयोग से मानव परीक्षण के जरिये इसकी प्रभावशीलता और सुरक्षा का आकलन किया जाना है, जिसके बाद मरीजों में इसके उपयोग का रास्ता साफ हो जाएगा।

शोधकर्ताओं ने इस हाइड्रोजेल को एल्जिनेट और फाइब्रिन से तैयार किया है। इसमें पॉलीलैक्टिक एसिड के सूक्ष्म वाहकों के जरिये कैल्शियम, जिंक और तांबे के कण शामिल किए गए हैं। स्प्रे करने के बाद ये तत्व घाव वाली जगह पर धीरे-धीरे फैलते हैं।

कैल्शियम खून का थक्का बनने और कोशिकाओं की सक्रियता में मदद करता है। जिंक संक्रमण और सूजन को नियंत्रित करने में भूमिका निभाता है, जबकि तांबा नई रक्त वाहिकाओं के निर्माण, कोलेजन बनने और टिश्यू के पुनर्निर्माण में मदद करता है। शोधकर्ताओं के अनुसार हाइड्रोजेल केवल घाव में संक्रमण पैदा करने वाले जीवाणुओं को ही नियंत्रित नहीं करता, यह कोशिकाओं की सक्रियता बढ़ाने, आक्सीकरण से होने वाले नुकसान को कम करने, शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को बेहतर करने, नई कोशिकाओं और कोलेजन बनने में भी मदद करता है। मधुमेह में रक्त संचार और कोशिकाओं की मरम्मत प्रभावित होने से घाव लंबे समय तक बने रहते हैं।

साइबरनाइफ से दिमाग की गांठ और मिर्गी का सटीक इलाज, ऑपरेशन की तकलीफ से मुक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। दिमाग में गांठ होने पर हर मरीज को ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं होती है। रेडियोसर्जरी की आधुनिक तकनीक साइबरनाइफ से बिना चीर-फाड़ लक्षित गांठ पर अत्यधिक सटीक रेडिएशन देकर उपचार किया जा सकता है।

खासकर ऐसे ब्रेन ट्यूमर में यह उपयोगी है जो मस्तिष्क के संवेदनशील हिस्सों या महत्वपूर्ण नसों के पास होता और जिनमें पारंपरिक सर्जरी से मरीज को खतरा अधिक होता। यह जानकारी सोमवार को एम्स के पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर और न्यूरोसर्जरी एवं सीएनएस रेडियोसर्जरी विशेषज्ञ डॉ. आदित्य गुप्ता

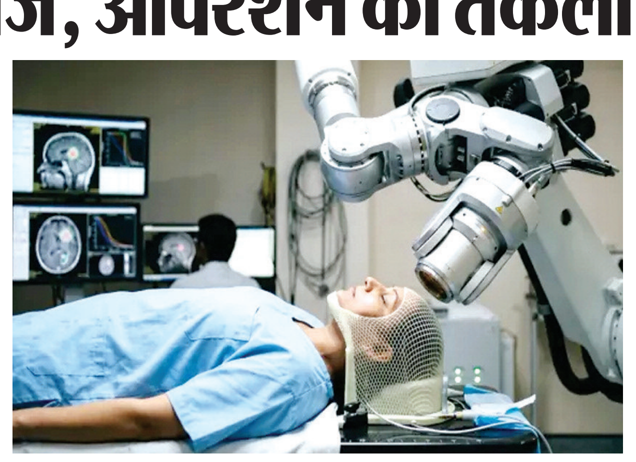

ने दी। उन्होंने बताया कि साइबरनाइफ से ब्रेन ट्यूमर और रीढ़ की जटिल गांठों का सटीक उपचार संभव है।

उन्होंने एम्स में रहते हुए गामा नाइफ से 3,000 से अधिक मरीजों का उपचार किया था। बताया कि वर्तमान में आर्टेमिस अस्पताल गुरुग्राम में साइबरनाइफ से 2,500 से अधिक इस तरह के उपचार वह कर चुके हैं।

एक प्रश्न के उत्तर में डॉ. आदित्य गुप्ता ने बताया कि साइबरनाइफ में शरीर को काटने की आवश्यकता नहीं होती, इसमें लक्षित गांठ पर या शरीर के हिस्से पर अलग-अलग दिशाओं से रेडिएशन दिया जाता है। इससे आसपास के स्वस्थ टिश्यू को नुकसान कम होने में मदद मिलती है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि मिर्गी के दवाओं से नियंत्रित न होने वाले कुछ चुनिंदा मामलों में भी यह सर्जरी या रेडियोसर्जरी विकल्प हो सकता है।

बेटा कच्चे रास्ते से स्कूल गया, अब पोता भी मजबूर; आली विहार के 45000 लोगों को 36 साल से सड़क का इंतजार

नईदिल्ली, एजेंसी। सालों पहले मेरा बेटा कच्चे रास्ते से स्कूल जाता था और आज पोता भी इसी रास्ते से गुजरने को मजबूर है। मेरा तो पूरा जीवन ही बीत गया आज तक आने-जाने का रास्ता नहीं मिला है। यह दर्द बयां किया है आली विहार निवासी और पूर्व फौजी 90 वर्षीय चिरंजी लाल ने। यह पीड़ा अकेले उनकी नहीं, बल्कि करीब तीन दशक पहले बसाई गई आली विहार कालोनी के हजारों निवासियों की है। कई परिवार ऐसे हैं, जिन्होंने पूरी जिंदगी यहां गुजार दी, लेकिन आज तक सड़क जैसी बुनियादी सुविधा के लिए इंतजार कर रहे हैं। वर्ष 1990 में बसाई गई आली विहार कालोनी को मुख्य मार्ग मोहन स्टेट-मथुरा रोड से जोड़ने वाले रास्ते पर आज भी पक्की सड़क नहीं है। स्कूल-कालेज, दफ्तर, बाजार जाने या मेट्रो-बस पकड़ने के लिए लोगों को कच्चे और उबड़-खाबड़ रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। हल्की वर्षा होते ही रास्ता कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे वाहन निकालना तो दूर, पैदल चलना भी मुश्किल होता है। कई बार लोग फिसलकर हादसे का शिकार हो चुके हैं। लोगों में नाराजगी है कि हर बार चुनाव के समय जनप्रतिनिधि सड़क बनवाने का वादा करते हैं, लेकिन इसके बाद कुछ नहीं होता। करीब 45 हजार आबादी को आज तक सड़क नहीं मिल पाई है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व बार्सिलोना स्टार फिलिप कूटिन्हो दिसंबर तक सैंटोस एफसी से जुड़े

सैंटोस । ब्राजीलियाई क्लब सैंटोस एफसी ने लिवरपूल और बार्सिलोना के पूर्व प्लेमेकर फिलिप कूटिन्हो को 'फ्री ट्रांसफर' पर साइन किया है। क्लब ने मंगलवार को यह घोषणा की। 34 वर्षीय खिलाड़ी का यह कॉन्ट्रैक्ट दिसंबर तक के लिए है। सैंटोस ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'अपनी बेहतरीन तकनीकी गुणवत्ता और दृष्टिकोण के साथ-साथ यूरोप और ब्राजीलियाई राष्ट्रीय टीम के साथ शानदार करियर वाला यह मिडफील्डर 2026 के अंत तक के कॉन्ट्रैक्ट के साथ टीम में शामिल हो रहे हैं।' फरवरी में मानसिक थकान का हवाला देते हुए 'वास्को दा गामा' से अलग होने के बाद कूटिन्हो किसी क्लब के साथ नहीं थे। कूटिन्हो के मुताबिक, उन्हें क्लब में लाने में उनके पुराने दोस्त नेमार ने अहम भूमिका निभाई है। दोनों ब्राजील के लिए यूथ और सीनियर दोनों स्तरों पर एक साथ खेल चुके हैं, जिसमें फीफा वर्ल्ड कप 2018 भी शामिल है।

भारत में फॉर्मूला वन की वापसी की तैयारी, सरकार ने टास्क फोर्स का किया गठन

नई दिल्ली । भारत में फॉर्मूला वन और मोटर स्पोर्ट्स को फिर से जीवित करने और उसके विकास के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इस टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य भारत में मोटरस्पोर्ट्स इकोसिस्टम का व्यापक मूल्यांकन करना है। साथ ही, टैक्स से जुड़े मुद्दों सहित उन सभी चुनौतियों की समीक्षा करना है, जो भारत में मोटर स्पोर्ट्स के रिवाइवल और विकास को प्रभावित कर रही हैं। टास्क फोर्स के लिए काम के दायरे यानी टर्म्स ऑफ रेफरेंस भी तय किए गए हैं। पहला, भारत में मोटरस्पोर्ट्स के सतत विकास के लिए नीतिगत हस्तक्षेपों की पहचान करना और एक समग्र और समन्वित रोडमैप तैयार करना है। दूसरा, भारत के मोटरस्पोर्ट्स इकोसिस्टम का विस्तृत मूल्यांकन करना और मोटरस्पोर्ट इवेंट्स के रिवाइवल और विकास से जुड़ी चुनौतियों की समीक्षा करना, जिसमें टैक्सेशन भी शामिल है।

यूईएफए ने 2028 और 2029 चैंपियंस लीग फाइनल के वेन्यू किए तय

● म्यूनिख और कैंप नोउ को मिली मेजबानी

न्योन । यूईएफए ने 2028 और 2029 चैंपियंस लीग फाइनल के आयोजन स्थलों की पुष्टि कर दी है। म्यूनिख फुटबॉल एरिना और बार्सिलोना का कैंप नोउ प्रतिष्ठित यूरोपीय क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल की मेजबानी करेंगे। 2028 का खिताबी मैच म्यूनिख फुटबॉल एरिना में खेला जाएगा, जबकि 2029 संस्करण बार्सिलोना के कैंप नोउ में होगा। म्यूनिख के स्टेडियम को प्रमुख चैंपियंस लीग आयोजनों की मेजबानी करने का काफी अनुभव है। इसने साल 2012 में और फिर 2025 में फाइनल का आयोजन किया, जबकि 2028 संस्करण इस आयोजन स्थल को यूरोप के शीर्ष क्लबों का स्वागत करने का एक और मौका देगा। बार्सिलोना के लिए 2029 का फाइनल चैंपियंस लीग के प्रतिष्ठित मुकाबले की कैंप नोउ में तीन दशक बाद वापसी का प्रतीक होगा।

संजू-अभिषेक के बीच 88 रन की तूफानी साझेदारी

जीता भारत

सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया दूसरा टी20 मैच 7 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। अंतिम मुकाबला 17 सितंबर को इसी मैदान पर खेला जाना है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम ने खराब शुरुआत के बावजूद 8 विकेट खोकर 159 रन बनाए। इस टीम को 1.3 ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज (0) के रूप में शुरुआती झटका लगा। उस समय तक खाता भी नहीं खुला था। इसके बाद कप्तान इब्राहिम जादरान ने सेदिकुल्लाह अटल के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रन जुटाकर अफगानिस्तान को संभालने की कोशिश की, लेकिन जादरान (37) के आउट होने के बाद टीम लड़खड़ा गई। आलम ये रहा कि 100 के स्कोर तक 6 खिलाड़ी पवेलियन लौट गए।

यहां से मोहम्मद नबी (20) और राशिद खान (28) की अनुभवी जोड़ी ने मोर्चा संभाला। इन बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए 28 गेंदों में 48 रन की साझेदारी करते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

भारत के लिए नितीश रेड्डी ने 3 विकेट हासिल किए, जिन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि अर्शदीप सिंह ने 2 विकेट निकाले। इनके अलावा, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को 1-1 विकेट हाथ लगा।

इसके जवाब में, टीम इंडिया ने 14.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की सलामी जोड़ी ने जोड़ी ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 38 गेंदों में 88 रन की साझेदारी की।

अभिषेक 19 गेंदों में 4 छक्कों और 2 चौकों के साथ 39 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद संजू ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 4 गेंदों में 11 रन की साझेदारी की।

भारत को 99 के स्कोर पर संजू सैमसन के रूप में दूसरा झटका लगा, जो 22 गेंदों में 57 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 7 चौके शामिल रहे।

यहां से ईशान ने कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 गेंदों में 24 रन जुटाए। अय्यर 11 गेंदों में इतने ही रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद ईशान ने तिलक वर्मा के साथ चौथे विकेट के लिए 25 गेंदों में 40 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को आसान जीत दिलाई।

दूसरा टी20

कैटी मैक का तूफान

भारतीय टीम को 30 रन से मात देकर ऑस्ट्रेलिया-ए की सीरीज में अजेय बढ़त

न्यू चंडीगढ़। ऑस्ट्रेलिया-ए ने भारत-ए के खिलाफ मंगलवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए अनाधिकारिक टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले को 30 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेहमान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया-ए ने सीरीज का पहला मैच 6 विकेट से अपने नाम किया था। अब अंतिम मुकाबला 17 सितंबर को खेला जाएगा। मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। कैटी मैक और रेचल ट्रेनामन की जोड़ी ने मेजबान टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों के बीच पहले विकेट के लिए 9 ओवरों में 75 रन की साझेदारी हुई।

रेचल 25 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 37 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जिसके बाद कैटी ने चार्ली नॉट के साथ दूसरे विकेट के लिए 38 रन जोड़े। चार्ली 20 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 26 रन बनाकर आउट हुईं। यहां से अनिका लीरॉयड ने कैटी के साथ तीसरे विकेट के लिए 65 रन जुटाकर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया।

कैटी 60 गेंदों में 83 रन बनाकर नाबाद रहीं। उनकी इस पारी में 11 चौके शामिल रहे, जबकि अनिका ने 16 गेंदों में 24 रन की नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से दोनों विकेट निकी प्रसाद के हाथ लगे।

इसके जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 148 रन ही बना सकी। टीम को 9 के स्कोर पर दिनेश वृंदा (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा, जिसके बाद शिप्रा गिरी ने सुजाता के साथ दूसरे विकेट के लिए 16 रन की साझेदारी की, लेकिन 29 के स्कोर तक सुजाता (8) के साथ शिप्रा (13) भी पवेलिन लौट गईं।

भारतीय टीम में विकेटों का पतझड़ लग गया था। आलम ये रहा कि 54 रन तक 5 विकेट गिर गए थे। इसके बाद निकी प्रसाद ने मिन्नु मणि (16) के साथ छठे विकेट के लिए 53 रन और तनुजा कंवर (16) के साथ सातवें विकेट के लिए 35 रन जोड़े, लेकिन ये साझेदारियां जीत के लिए नाकाफी थीं। निकी 31 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 54 रन बनाकर नाबाद रहीं।

एशियन गेम्स 2026 में इन 5 खेलों में भारत जीत सकता है सर्वाधिक पदक

● एथलेटिक्स से सबसे ज्यादा उम्मीदें

नई दिल्ली । एशियन गेम्स 2026 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में भारत के 503 खिलाड़ी मेडल के लिए जोर लगाते हुए नजर आएंगे। भारत इस बार कुल 35 खेलों में हिस्सा लेने वाला है। हालांकि, कुछ खेल ऐसे हैं, जिनमें देश को मेडल जीतने की पूरी संभावना है। आइए ऐसे ही पांच खेलों के बारे में आपको बताते हैं।

एथलेटिक्सः एशियन गेम्स के इतिहास में भारत ने सबसे ज्यादा मेडल एथलेटिक्स में हासिल किए हैं। इस खेल में भारत ने एशियन गेम्स के 19 संस्करण में अब तक कुल 85 गोल्ड, 102 सिल्वर और 96 ब्रॉन्ज समेत कुल 283 मेडल जीते हैं। नीरज चोपड़ा की गैरमौजूदगी के बावजूद, इस खेल में भारत को मुरली श्रीशंकर, गुलवीर सिंह, अविनाश साबले, तजिंदरपाल सिंह, पारुल चौधरी, राजेश रमेश और रोहित यादव से मेडल की उम्मीद होगी। निशानेबाजीः एथलेटिक्स के बाद एशियन गेम्स के इतिहास में भारत को सबसे ज्यादा कामयाबी इसी खेल में मिली है। भारतीय खिलाड़ी हर बार की तरह इस बार भी निशानेबाजी में देश को ज्यादा से ज्यादा मेडल दिलाने का प्रयास करेंगे। निशानेबाजी में भारत ने अब तक कुल 80 मेडल जीते हैं, जिसमें 16 गोल्ड, 30 सिल्वर और 34 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। पिछले एशियन गेम्स में निशानेबाजी में भारत ने कुल 22 मेडल जीते थे। इस खेल में मनु भाकर को भारत की सबसे बड़ी उम्मीद माना जा रहा था।

पहला वनडे

रेनेशॉ का शतक, एलिस का पंजा, ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को 59 रन से हराया

हरारे । ऑस्ट्रेलिया ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में मंगलवार को खेले गए पहले वनडे मैच में जिम्बाब्वे को 59 रन से हराया। इसी के साथ मेहमान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। सीरीज के शेष मुकाबले 18 और 20 सितंबर को खेले जाने हैं। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर

294 रन बनाए। इस टीम को 10 के स्कोर पर ट्रेविस हेड (4) के रूप में पहला झटका लग गया था, जिसके बाद कप्तान मिचेल मार्श ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी की। मार्श 28 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद जोश इंगलिस मैदान पर उतरे, लेकिन टीम के खाते में 4 रन से ज्यादा नहीं जोड़ सके। हालांकि, कूपर (51 रन) अर्धशतक लगाने में सफल रहे।
टीम को 107 के स्कोर पर चौथा झटका लग गया था।

विमेंस टी20 रैंकिंग: 800 रेटिंग के साथ श्री चरणी ने

टी20 फॉर्मेट में इतिहास रचा

● दीप्ति चार पायदान ऊपर चढ़ीं

नई दिल्ली। श्री चरणी ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह मंगलवार को जारी आईसीसी टी20 रैंकिंग में 800-रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बन गईं। यह उपलब्धि एशिया कप 2026 के फाइनल में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद मिली है। चरणी ने श्रीलंका के विरुद्ध खिताबी मुकाबले में सिर्फ 20 रन देकर 4 विकेट हासिल करते हुए पूरे टूर्नामेंट में कुल 12 विकेट चटकाए थे। अब चरणी की रेटिंग 804 है, जिससे शीर्ष पर उनकी स्थिति और मजबूत हुई है। श्री चरणी यह आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय गेंदबाज और कुल मिलाकर तीसरी गेंदबाज बन गई हैं। महिला टी20 में गेंदबाजों के लिए अब तक की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मेगन शट के नाम है, जिन्होंने शीर्ष पर रहते हुए 806 रेटिंग हासिल की थी। श्री चरणी ने एक कैलेंडर ईयर में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक विकेट लेने का पूनम यादव का रिकॉर्ड तोड़ा था। वह टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में 800

रेटिंग हासिल करने वाली तीसरी गेंदबाज हैं; उनसे पहले पूर्व नंबर 1 सोफी एक्लेस्टोन 802 रेटिंग तक पहुंच चुकी थीं।

एक तरफ, चरणी शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर रही हैं, तो दूसरी ओर स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा उनकी जगह के लिए एक मजबूत दावेदार के तौर पर उभरी हैं। दीप्ति ने एशिया कप फाइनल में 19 रन देकर 3 विकेट लिए और 14 विकेट के साथ टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं। वह चार पायदान ऊपर चढ़कर 729 रेटिंग के साथ गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। हालांकि, हमवतन खिलाड़ी चरणी से काफी पीछे हैं।

फाइनल में मैच जिताऊ 68 रन की पारी खेलने के बाद शेफाली वर्मा टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। इसके साथ ही, शेफाली टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑल-राउंडर्स की सूची में भी पांच स्थान ऊपर चढ़कर 15वें नंबर पर पहुंच गईं।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर: पीएचएफ

नई दिल्ली । पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) के प्रमुख मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा है कि अगले महीने होने वाली हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर है। मेन्स एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होनी है। इसमें भारत, चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया के साथ ही पाकिस्तान को भी हिस्सा लेना है। पाकिस्तान के नहीं आने की स्थिति में ओमान या बांग्लादेश को मौका दिया जा सकता है। दोनों टीमों को फिलहाल रिजर्व टीम के रूप में रखा गया है। पाकिस्तान के दैनिक अंग्रेजी समाचार पत्र 'डॉन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वानी ने कहा, 'पाकिस्तान टीम का दौरा सरकारी मंजूरी पर निर्भर करेगा। सरकार हमसे जो भी करने को कहेगी, हम वही करेंगे।'

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान अगले महीने टूर्नामेंट के लिए भारत आएगा। मल्टी-नेशनल टूर्नामेंट में कोई दिक्कत नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज नहीं हो सकती।

उन्होंने केंद्र सरकार की नीति का जिक्र करते हुए बताया कि भारत और पाकिस्तान मल्टीनेशनल इवेंट्स में हिस्सा ले सकते हैं।

ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलना मेरे लिए बड़ा पल, जिंदगी में इतना बड़ा स्टेडियम कभी नहीं देखा था: टिलेमैन्स

नई दिल्ली । मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के नए मिडफील्डर यूरी टिलेमैन्स का कहना है कि ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलना फुटबॉल के सबसे खास अनुभवों में से एक है। उन्होंने याद किया कि जब वह एस्टन विला के लिए खेलते थे और पहली बार विरोधी खिलाड़ी के रूप में इस प्रतिष्ठित स्टेडियम में उतरे थे, तो वहां का माहौल देखकर काफी प्रभावित हुए थे। जुलाई में, मिडफील्डर ने जून 2031 तक मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। पिछले सीजन में उन्होंने एस्टन विला के लिए सात असिस्ट किए और अपने क्लब को यूईएफए यूरोपा लीग जीतने में मदद की, जिसमें उन्होंने एससी फ्रीबर्ग के खिलाफ फाइनल में पहला गोल किया। उन्होंने जियोहॉटस्टार को बताया, 'मैनचेस्टर यूनाइटेड एक बहुत बड़ा क्लब है। ओल्ड ट्रैफर्ड में पहली बार विरोधी टीम के तौर पर खेलना मेरे लिए एक बड़ा पल था। मैंने अपनी जिंदगी में इतना बड़ा स्टेडियम कभी नहीं देखा था। माहौल, भीड़, इसके बारे में सब कुछ कमाल का था। यह ऐसी जगह है जहां हर फुटबॉलर खेलने का सपना देखता है।'

बेल्जियम के स्टार मिडफील्डर यूरी टिलेमैन्स अब मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ी के रूप में ओल्ड ट्रैफर्ड के माहौल का अनुभव करने के लिए उत्साहित हैं। यूनाइटेड 2026-27 प्रीमियर लीग सीजन में मिश्रित शुरुआत के बाद लय हासिल करने की कोशिश कर रहा है। टीम ने लीग के अपने पहले चार मैचों में चार अंक जुटाए हैं। यूनाइटेड को हल सिटी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, इसके बाद टीम ने इप्सविच टाउन को 5-2 से हराया। वहीं, एवर्टन के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ रहा, जबकि मैनचेस्टर डर्बी में उसे मैनचेस्टर सिटी से 0-1 की हार मिली।